

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 35]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 29, 1981 (भाद्रपद 7, 1903)

No]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 29, 1981 (BHADRA 7, 1903).

इस मांग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन क रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग 111--खण्डा

[PART III—SECTION 1]

उन्च न्यायालयों, नियम्ब्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नर्इ दिल्ली-110011, दिनांक 1 अगस्त 1981

सं. ए. 19011/2/77-प्रशा. 1—इस कार्यालय की सम-संख्यक अधिसूचना दिनांक 3-8-1977 तथा 22-7-1980 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग श्री वी. आर. पटेल, भा प्र. से., को 3 अगस्त, 1981 (पूर्वाह्न), से एक वर्ष की अग्रेत्तर अविध के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के सचिव के पद पर सहर्ष निय्क्त करता है।

> य. रा. गांधी, अवर सचिव (प्रशा.) कृते अध्यक्ष संघ लोग सेवा आयोग

नई दिल्ली 110011, दिनांक 23 जुलाई 1981

सं० ए० 32014/1/80-प्रशा० 1)—संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में निम्नलिखित चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा नीचे उल्लिखित तारीखों से उसी संवर्ग में पूर्णतः अनंतिम, श्रस्थायी श्रौर तदर्थ श्राधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक

(के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियक्त किया जाता है:—

ऋ० सं०	नाम	ग्रयंधि	ग्रभ्युक्ति
1	2	. 3	4
₹			
1.	पी० पी० सि यक ा	3-8-81 से 2-11-81 तक भ्रष्यवा भ्रागामी भ्रादेशों तक जो भी पहले	निजी सिचवों के पदों को श्रस्थायी रूप से पदावनत करने से उनके स्थान पर बनाए गए 2 पदों पर।
2.	स्रो० पी ० देव रा	- वही–	- वही
3.	एच० सीं० कटोच	बहो	परिणामी श्रंखला-

बद्ध रिषत में

(10225)

(1)	(2)	(3)	(4)
4.	टी० धार० शर्मा	6-7-81 से 5-9-81 तक श्रथवा श्रागाम् श्रादेशों तक, जो भी पहले हो।	बद्ध रिक्ति में
5.	शाम प्रकाश	26-6-81 से 25-8-81 तक श्रथवा श्रागीमी श्रादेशों तक, जो भी पहले	<i>–</i> वही–

2. उपर्युक्त व्यक्ति अवगत कर ले कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे॰ से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णत: अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और उन्हें विलयन का और उक्त ग्रेड में वरिष्ठता के लिए कोई हक नहीं होगा। उपर्युक्त तदर्थ नियुक्तियों का अनुमोदन कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग, के द्वारा किया जाना है।

दिनांक 1 अगस्त 1981

सं. ए. 12024/2/80-प्रशा. 1—-श्री एस. के. एफ. कुजुर, भा. ले. प. एवं ले. से. को राष्ट्रपति द्वारा 17-7-1981 से आगामी आदोशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

य. रा. गांधीं अवर सचिव (प्रज्ञा.) संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

महानिद शालय केन्द्रीय रिअर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110022, दिनांक अगस्त 1981

- सं. एफ-11/49/81-स्थापना—-राष्ट्रपति केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्निलिखित चिकित्सा अधिकारियों को सिनियर मैडिकल आफिसर के पद पर स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं:--
 - 1. डा. के. के. सैनी
 - 2. डा. पी. सी. दुबे
 - 3. डा. (श्रीमति) पी. क्रौशल

दिनांक 3 अगस्त 1981

सं. ओ. हो-1592/81-स्थापना—-राष्ट्रपति डा. प्रकाश चवाली को अस्थाई रूप से आगामी आदिश जारी होने तक कोन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-2 (डी.एस.-पी./कम्पनी कमान्डर) के पद पर डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर दिनांक 25-7-1981 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

विनांक 7 अगस्त 1981

सं. ओ. दो-1584/81-स्थापना—-राष्ट्रपति डा. तेजसिंह विमल को अस्थायी क्या से आगामी आद्देश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पृलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-2 (डी. एस.पी/कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 28 जुलाई 1981 के प्रविहान में शक्टरी पंरीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्ति करने हैं।

मं. आं. षो. 1591/81-स्थापना—-राष्ट्रपति डा. आम प्रकाश को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व प्लिस बल में जनरन ड्यटी आफिसर ग्रेड-2 (डी.एस. पी./कंपनी कमांडर) के पद पर दिनांक 23 ज्लाई 1981 के अपराह्न से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियक्त करने हैं।

ए. के. सूरी सहायक निवासक (स्थापना)

समन्वय निदोशालय (प्रालिस बेतार) नहीं दिल्ली-1, दिशनांक 2 जुलाही 1981

सं. ए. 12012/1/80-प्रशासनं—समन्वय निक्शालय (प्लिस बेतार) के बीजलंख सहायक श्री पी.के.डे. को समन्वय निक्शालय (प्लिस बेतार) में अगले आदेशों तक अस्थायी रूप में अतिरिक्त सहायक निक्शालय (बीजलंख) के पद पर वेतनमान रु. 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 पर दिनांक 30 मर्ड 1981 के अपराह्न से पदोन्नित दी गयी है।

विनांक 27 जलाइ^{*} 1981

सं. ए. 12012/1/80-प्रशासन—समन्वय निर्वेशालय (प्लिस बेतार) के तकनीकी अधीक्षक (बीजलेख) श्री ए. के. सेन को समन्वय निर्वेशालय (पलिस बेतार) में अगले आदेशों तक अस्थाई रूप में अतिरिक्त सहायक निर्वेशक (बीजलेख) के पद पर बेतनमान रु. 650-30-740-35-810-द रो -35-880 40-1000-द रो -40-1200 पर दिनांक 4 ज्लाई, 1981 के पूर्वाहन से पदोन्नित दी गयी है।

छत्रपति जोशी निदशक पुलिस दूर संचार

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 ज्लाई 1981

मं. 11/76/79-प्रशा.-1—बिहार मरकार में विशेष कार्य अधिकारी के पद पर नियक्ति के परिणामस्वरूप श्री बी. बी. लाल ने तारीख 1 जलाई, 1981 के पूर्वाहान में बिहार, पटना में जनगणना कार्य निवोधक का कार्यभार छोड़ दिया।

राष्ट्रपति, बिहार सरकार के विशेष कार्य अधिकारी

में तारीस 1 जुलाई, 1981 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, पदन जनगणना कार्य निद्यास के पद पर सहर्य नियुक्त करते हैं।

पी पद्मनाभा भारत के महापंजीकार

भारतीय लंखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार (प्रथम) का कार्यालय, उत्तर प्रवेश इलाहाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1981

सं प्रशासन/11-144/अधिसूचना/2124—महालेखाकार (प्रथम), उत्तर प्रवेश, इलाहाबाव ने निम्नलिखित अनुभाग अधि-कारियों को उनके नामों के आगे अंकित तिथि से आगामी आदेशपर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

1-श्री स्याम लाल श्रीवास्तव-।।--26-6-81 (पूर्वाह्र)

- 2-श्री केशरी नारायण वर्मा--29-6-81 (पूर्वाष्ट्न)
- 3-श्री राजेन्द्र नाथ सेन गुप्ता--1-7-81 (पूर्वाह्न)।

एस. जे. एस. आह्लुवासिया वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालंखाकार का कार्यालय, केरल

तिरज्वनन्तपुरम, विनांक 31 जुलाइ- 1981

सं. स्थापना/प्र./7/9-96/खण्ड 2/146—नीचं बतायं लेखा अधिकारियां के स्थायीकरण को तारीख को 1-4-79 में पूर्व- विनांकित करने के लिए महालेखाकर, करेल संतृष्ट हुए हैं।

- 1. श्रीके. राधाकृष्ण मेनोन
- 2. श्री एम. के. शंकर नारायणन
- श्री वी. श्रीनिवासन पोट्टो
- 4. श्री सी. के. वासप्पन

इस कार्यालय के नीखं बतायं स्थानापन्न लेखा अधिकारियों (लेखा और लेखापरीक्षा) को प्रत्येक के नाम के सामने दर्शायी गयी तारीख से रहः 840-40-1000 च रों 40-1200 के लेखा अधिकारियों के ग्रेड में मौलिक क्षमता में नियुक्त करने के लिए भी महालेखाकार करेल संतुष्ट हुए हुं।

- 1. श्री ए. एन. जनाव न पिल्लै--1-4-79
- 2. श्री पी. रामनकट्टी--1-4-79
- 3. श्रीमती के.पी. राजम्मा--1-4-79
- 4. श्री वी.एस. पार्थसारथी--1-4-79
- 5. श्री ए. रामस्वामी पिल्ले--1-4-79
- श्री आर. सुब्बरामन--1-4-79
- 7. श्री एम.एन. करुणाकरण नायर--1-4-79
- 8. श्री वी. के. शिवरामकृष्णन मारार--1-4-79
- श्री के. के. अलक्सांडर--1-4-79
- 10. श्री के.ए. वर्गींस--1-4-79
- 11 श्री एस गणपति अय्यर--1-4-79
- 12. श्री पी.एन. बालकृष्णन नायर--1-4-79
- 13. श्रीमती ए.आर. यशोधरा--1-10-79
- 14 श्री ए भास्करन--1-10-79

- 15. श्री जी. राममोहन कारजप--12-11-79
- 16 श्रीके.एम बेबी--1-11-80

ही. शिवरामकृष्ण्नु वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र.)

लेखा प्रीक्षा निवेशाल्य व.म. रोलवे,

सिकंदराबाद, दिनांक 1 अगस्त 1981

सं. ए यु/प्रशा/।।-5/बोलियम-।।।—लेखा परीक्षा निदेशक, दक्षिण मध्य रोलवे, सिकंदराबाद इस कार्यालय के श्री जी वि. वि. सुब्बाराव, स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी को थे. मान 850-40-100 रु. द. रो. 40-1200 रु. में 21-5-1981 (पूर्वाहन) से अगले आदोश तक स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नित प्रान करते हैं।

चित्रपु भास्कररावः लेखा परीक्षा उप निवदाक

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेंस फेक्टिरियां सेवा

आर्डनेंस फाक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 2 जुलाई 1981

सं 27/जी/81--राष्ट्रपति महादेय, श्री एम एम अग्रवाल को नेशनली

- (1) स्थानापन्न डी.ए.डी.जी./डी.एम्. दिनांक 29-3-1969 से
- (2) स्थानापन्न वरिष्ठ डी.ए.डी. जी/सहायक निवंशक/ प्रबंधक विनांक 22-6-76 से नियक्त करते हैं।
- (2) उपराक्त पदांन्नित से उत्पन्न विस्तीय प्रभाव दिनांक 25-9-71 तथा 31-7-80 से अर्थात जिन तारीखों से उन्होंने संबंधित ग्रेडों में उच्चतर नियुक्तियों का वास्तविक पद भार ग्रहण किया, ग्राह्य होंगा।
- (3) श्री अग्रवाल की डी.ए.डी.जी/डी.एम. तथा वरिष्ठ डी.ए.डी.जी./सहायक निवशिक/ के पद पर पदोन्नित से संबंधित इस महानिवंशालय की अधिसूचना संख्या 47/71/जी, दिनांक 25-11-71 तथा 60/जी/80, दिनांक 29-8-80 को उपयुक्त रूप से संशोधित माना जाए।

वी. के. महता सहायक महानिव शक आर्डनेन्स फेक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

हथकरचा विकास आयुक्त कार्यालय

नर्इ दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई 1981

सं. ए-12025(1)/5/80-अनुभाग-।। (ए)--राष्ट्रपति श्री गुलापाला परन्धामृह या की 31 जुलाई 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आविशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, नागपुर में सहायक निविशक ग्रेड 1 (बुनाई) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> पी. शंकर अतिरिक्त विकास आयुक्त (हथकरचा)

उद्योग मंत्रालय

अद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नर्द दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1981

सं. 12(759)/72-प्रका. (राज.)—-राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपूर के श्री डी. आर. गांयल, सहायक निद्धाक, ग्रेड-1 (कांच/मृत्तिका) को केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंकन) नियम, 1972 के नियम 48-क के अधीन 25 अक्तूबर, 1980 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से स्वैच्छिक आधार पर सेवा-निवत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

सी सी राय उप निदोशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिद शालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1981

सं . प्र. 1/1(1154)—-पूर्ति निविशक (वस्त्र) बम्बई के कार्या-लय में स्थायी अधीक्षक और स्थानापन्न सहायक निविशक (प्रशासन) (ग्रेड 2) श्री एम . जे टहल्यानी निवर्तमान आयु होने पर विनाक 30-6-1981 (अपराह्न) से सरकारी सेवा सं निवृत्त हो गये।

पी.डी. सेठ

उप निद्शिक (प्रशासन)

कृते महानिद्वेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 29 जुलाई 1981

सं. 4335बी/ए-19012(3-एन सी.पी.)/80-19बी-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वोक्षण के सहायक रसायनज्ञ श्री निवन चंद्र पंत को 28-3-1981 (अपराह्न) से त्याग-पत्र पर मुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 31 जुलाई 1981

- सं. 4395बी/ए-32014(1-सहायक भूवैज्ञानिक)/80-19ए ---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वोक्षण के निम्निलिखत वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (भूविज्ञान) को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द रो. -35-880-40-1000-द रो. -40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदशे होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पदोन्नित पर नियुक्त किया जा रहा है:---
 - 1. श्री गंधर्व सिंह मानहस--26-5-81 (पूर्वाह्न)
 - 2. श्री समरजीत दत्त राय -- 22-5-81 (पूर्वाह्न)

- 3. श्री रनेन्द्र नाथ दास--25-5-81 (पूर्वाह्न)
- 4 . चंद भूषण र⁴ना--27-5-81 (पूर्वाह्न)
- 5 श्री अरुण कुमार जैन--26-5-81 (पूर्वाहरून)
- 6. अध्विनी कुमार कपूर--26-5-81 (पूर्वाह्न)
- 7. श्री एल जी. जगन्नाथाचर--26-5-81 (पूर्वाह्न)
- 8 मंजुनाथ--29-5-81 (पूर्वाह्न)
- 9. एम.ए.एन.ए. शोरीफ--26-5-81 (पूर्वाहुन)
- 10 स्वपन कुमार बंखोपाध्याय--8-6-81 (पूर्वाहुन)

दिनांक 1 अगस्त 1981

- सं. 9430बी ंए-32014(1-सहायक भूवैज्ञानिक)/81-19-ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्निलिखत वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) को सहायक भूवेज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द रो -35-880-40-1000-द रो -40-1200 रु के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदोश होने तक प्रत्येक के सामने वर्षाई गई तिथि में पदोन्नित पर नियुक्त किया जा रहा है:---
 - া श्रीटी त्रियम्बक नाथ--25-5-81 (पूर्वाह्न्न)
 - श्री रमेश एस . पटेल -- 26-5-81 (पूर्वाहुन)
 - श्री राजेश कुमार सनवाल--26-5-81 (पूर्वाह्न)
 - श्री रुद्ध नारायण पासायत--27-5-81 (पूर्वाह्न)
 - 5. श्रीमती गीता दास--25-5-81 (पूर्वाह्न)

सं. 4453 बी/ए-19012(4-एस. के. टी.)/78-19 बी.--सिनज समन्वेषण निगम लिमिटोड (मिनोरल) एक्सप्लोरोडेन कार्पोरोशन लि.) में स्थाई रूप से नियुक्ति हो जाने पर श्री एस. के. थप्लीयाल, डिज़्लर ने भारतीय भृवैज्ञानिक सर्वोक्षण की सेवाओं से 31-5-80 (पूर्वाह्न) से त्याग-पत्र दे विया।

दिनांक 4 अगस्त 1981

सं. 4469 बी/ए-19012(ओं पी पी पी)/80-19ए.— श्री ओं पी पचोरी को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में भारतीय भूवैशानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द रो -35-880-40-1000-द रो -40-1200 रु के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 27-6-1981 के अपराह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

वी. एस. कृष्णस्वामी महानिद्येषक

भारतीय खान क्यूरो नागपूर, विनांक 1 अगस्त 1981

सं. ए. 1911(298)/81-स्थापना ए.--विभागीय पदान्नित समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री आ. रा. कश्यव, प्रशासनिक अधिकारी को स्थानापन्न रूप में भारतीय सान ब्यूरों में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पद पर दिनांक 6-7-81 के प्रविद्न से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 अगस्त 1981

सं. ए.-19011(36)/76-स्थां. ए.---राष्ट्रपति श्री पी. एम. राव, स्थायी वरिष्ठ संपादक को भारतीय सान ब्यूरो में मुख्य संपादक के पद पर दिनांक 6-7-81 के पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं ए - 19012(146)/81-स्था ए - - विभागीय पदोन्नित सीर्मित की सिफारिश पर श्री एम एम शंभरकर, स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अयस्क प्रसाधन) की स्थानापन्न रूप में सहायक अनुसंधान अधिकारी (अ. प्र.) के पद पर भारतीय खान ब्यूरों में दिनांक 24-6-81 के पूर्वाह्न से पदोन्नित की गई है।

एस. वी. अली कार्यालय अध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग मह्यासर्वेक्षक का कार्यालय

वेहरादून, विनांक 30 जुलाई 1981

प० ई०-1-5745/579-सिले० 74 (वर्ग II)—निम्नलिखित अधिकारी भारतीय सर्वेक्षण विभाग की ग्रुप "बी०" सेवा में ग्रिध-कारी सर्वेक्षक के श्रस्थाई पदों पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के संशोधित वेतनमान में श्रपने नाम के सामने दी गई तारीख से स्थाना-पन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं:—

कम सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख	टिप्पणी
1	2	3	4
1.	श्री चितरंजन विस्वास	23-3-1981	वेतन नियमानुसार निर्धारित किया जाएगा ।
2.	श्रीमती शक्रुन्तला जैन	11-2-1981	वेतन नियमानुसार निर्धारित किया जाएगा ।
3.	श्री तरसेम लाल शर्मा	9-2-1981	वेतन न्यूनतम वेतनमान पर निर्धारित किया जाएगा।
4.	श्री हरिद्योम प्रसाद	12-2-1981	वेतन न्यूनतम वेतनमान पर निर्घारित किया जाएगा।

मं. सी.-5746/718-ए.—श्री एम. एस. एस. परते, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वोक्षक का कार्यालय दिनांक 8 मर्ड, 1981 (पूर्वाह्न) में श्री राम लाल, स्थापना एवं लंखा अधिकारी जिनका स्थानान्तरण हो गया है, के स्थान पर पूर्वी

सिर्काल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कलकरता में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा. सि. से. ग्रूप ''बी'') के पद पर 840-40-1000-द. रो.-40-1200 रु. के वेतन-मान में तवर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

सं. सी.-5747/718-ए.—श्री एन. रामा स्वामी, कार्यालय अधीक्षक (विरष्ठ वेतनमान) सं. प्र. एवं मा. उ. के., हैंदराबाद, दिनांक 12 जनवरी, 1981 (पूर्वाह्न) से श्री के. सी. भट्टाचार्जी, स्थापना एवं लेखा अधिकारी, जो दिनांक 8 दिसंबर, 1980 से 76 दिन के परिवर्तित अवकाश पर गए हैं, के स्थान पर प्राक् मानचित्र उत्पादन संयंत्र, भारतीय सर्वोक्षण विभाग, हैंदराबाद में, स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा. सि. से. ग्रुप 'क्वी') के पद पर 840-40-1000-द रो.-40-1200 रु. के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानाएन रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

के. एल. खोसला ले. जनरल भारत के महासर्वेक्षक निय्क्ति प्राधिकारी

आकाशवाणी महानिद्धालय नर्द्द दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1981

मं. 10/22/64 -बो--महानिदोषक, आकाशवाणी, एतदद्वारा श्री जोगिन्द्र सिंह जोगी, लेखाकार, आकाशवाणी, जालन्धर को 29-6-81 (फोरनून) से प्रशासनिक अधिकारी आकाशवाणी जालन्धर के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एस . वी . सेषाक्षी उपनिद्योक प्रकासन कृते महानिद्योक

नर्ह दिल्ली, विनांक 10 अगस्त 1981

सं. 5(12)/69-एस. एक—महानिद्शेक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री जे. डि. मनोहर, प्रसारण निष्पादक को आकाशवाणी, बड़ौदा में 4 जून, 1981 से अगले आवेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदशक कृते महानिदशक

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

(खाव्य विभाग)

राष्ट्रीय शर्करा संस्था

कानपूर, दिनीक 6 जुलाई 1981

सं. स्टो. 3(1)/67-पांच—निम्निलिस्ति अधिकारी की नियक्ति मूल रूप में कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी के स्थायी पद पर रह. 650-1200 के बेतन कम में राष्ट्रीय शर्करा संस्था

कानपुर में उनके नाम के आगे लिखी हुई तिथि से की जाती है:

- 1. श्री जे. के. पी. अग्रवाल--26-4-1966।
- 2. श्री के. पी. सिन्हा--- 18-6-1966।
- 3. श्री पी. एन. गगोली---21-1-1967।

नं. आ. रमय्या निदेशक

ग्रामीण पुनर्निमाण मंत्रालय विपणन एवं निरक्षिण निद्येशालय फरीदाबाद, दिनांक

1981

सं. ए -19025/15/81-प्र. तृ — श्री जयप्रकाश, विरिष्ठ निरीक्षक, को इस निर्देशालय के अधीन पटना में विनाक 15-7-81 (पूर्वाह्न) से अगले श्रादेश होने तक तदर्थ आधार पर स्थानापनन, सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-1) नियुक्त किया गया है।

सं. ए -19025/22/81-प्र. तृ .—-इस निष्णालय के अधीन अबोहर में दिनाक 13-7-81 (अपराह्न) से अगले आदोध होने तक श्री गुरचरन सिंह और श्रीमसी शंकुन्तला जुनेजा, वरिष्ठ निरीक्षकों को तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग।) के रूप में नियुक्त किया गया है।

बी. एल. मनिहार निद्याक प्रणासन कृते कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 31 जुलाई 1981

- सं. पी. ए./34(2)/80 आर. ।।।— नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, के स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री पेलास्सेरी सेतुमाधवन को मेनीन को सुरक्षा अधिकारी पद पर कार्य करने हेतु 2 माह की अविध अथवा अग्निम आदेशों तक जो भी पहले हो, तदर्थ रूप में, 1 जुलाई 1981 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।
- सं. पी. ए./34(2)/80-आर. ।।।—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री पलास्सेरी संतुमाधवन को सुरक्षा अधिकारी पद पर कार्य करने होतू 2 माह की अविध अधवा अग्रिम आदेशों तक जो भी पहले हो, तदर्थ रूप में 6 जून 1981 पूर्वाहुन से नियुक्त करते हैं।

ए. शान्ताकुमारा मेनोन उपस्थापना अधिकारी

परमाण् उत्जी विभाग

कम और भंडार निवेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 6 अगस्त 1981

सं कुमनि./2/1(2)/79-स्थापना/16189—निद्येषक कम और भंडार निद्येशालय, परमाणु कर्जा विभाग, ने इस निद्येशालय के स्थायी भंडारी श्री मेलथ रामवन मेनन को श्री जी. डी राठिंद सहायक भंडार अधिकारी की छुट्टी मंजूर हो जाने पर स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द रो.-35-880-40-1000-द रो.-40-1200 के बेतन कम में निम्नलिखित अवधियों के लिये इसी निद्येशालय में तद्दर्थ रूप से नियुक्त करते हैं :---

16 जून, 1980 (अप.) से 19 जुलाई 1980 (पूर्वा.) तक।

4 सई 1981 (अप.) से 27 जून 1981 (पूर्वा.) तक।

के. पी. पोसफ प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय इधिन सम्मिश्र

हौदराबाद-500 762, दिनांक 31 जुलाई 1981

सं. कां. प्र. भा./0704/3876—इस कार्यालय की अधिसूचना सं. का. प्र. भा./0704/2889, विनांक 10-6-1981 के कम में नाभिकीय हें धन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक जी ने उच्च श्रेणी लिपिक श्री एस. राघवन्द्र राव की, सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न नियुक्त कां दिनांक 18-6-1981 से 29-6-1981 पर्यन्त आगे बढ़ाने का आदेश विया है।

सं. का. प्र. भ./0704/3877—इस कार्यालय की अधिसूचना सं. का. प्र. भ./0704/2784, दिनांक 31-5-1981 के कम में नाभिकीय इं अन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक जी, प्रवरण श्रेणी लिपिक श्री पी. राजगोपालन की, सहायक कार्मिक अधिकारी की स्थानापन्न नियुक्ति को, तदर्थ आधार पर दिनांक 30-6-'81 से 18-7-'81 प्रयन्त, आगे बढ़ाने का आदेश देते हैं।

सं. का. प्र. भ./0704/3878—नाभिकीय इंधन् सम्मिश्र के मुक्ष्य कार्यपालक जी प्रवरण श्रेणी लिपिक श्री पी. राजगोपालन की:, स्थानापन्न सहायक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में अवकाश रिक्सि में दिनांक 22-7-'81 से 3-8-'81 पर्यन्त मा अगले आदेशों तक के लिए, जो भी पूर्व घटिस हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 अगस्त 1981

सं. का. प्र. भ./0702/3882—नाभिकीय इं भून सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक जी, सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री एस. एस. छिड्यार को, नाभिकीय ई धन सम्मिश्र में वर्तमान रिक्त पद पर, तदर्थ आधार पर, दिनोक 01-7-'81 से 14-8-'81 पर्यन्त या अगले आदोशों तक के लिए, जो का

पूर्व घटित हो, स्थानापन्न स्रक्षाधिकारी के पद पर नियुक्श करते हीं।

यू. वास्**वेवा राव**, प्रशासनिक अधिकारी

(परमाण खनिज प्रमाण)

हीदराबाद-500016, दिनांक 5 अगस्त 1981

सं. प स प्र-1/1/80-भती — परमाण जर्जा विभाग, पर-माण सनिज प्रभागके निद्देशक एतद्व्वारा श्री प्रदीप पांडे को पर-माण सनिज प्रभाग में 24 जुलाई, 1981 के पूर्वाहन से अगले आवंश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस.बी.' नियुक्त करते हैं।

विनांक 6 अगस्त 1981

सं. प स प्र-1/1/81-भर्ती—परमाणू कर्जा विभाग, पर-माणु खनिज प्रभागके निद्देशक एत्द्द्धारा श्री वी. विजय क्रूमार को परमाणु खनिज प्रभाग में 27 जुलाई, 1981 के पूर्वास्न से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता ग्रेड 'एस.बी.' नियक्त करते हैं।

> एमः एसः राव वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बंबद-400008, दिनांक 7 अगस्त 1981

सं. 05000/का-135/5116—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री रजनीकान्त रामजन्द्र कारखानीस, विव्युत प्रयोजना इंजिनियरिंग प्रभाग के केन्द्रीय निकाय में उच्च श्रेणी लिपिक तथा - नरोरा प्रमाण प्रयोजना, परमाण उठजी विभाग के स्थानापन्न सहायक लेखाकार को उसी विभाग के भारी पानी परियोजना (मूख्य कार्यालय) में 28 मई, 1981 (पूर्वा.) से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियक्त करते हैं।

र. च. कोटिअनकर प्रशासन अधिकारी

महानिविश्वक नागर विमानन का कार्यालय

नर्ह दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1981

सं. ए.-32013/3/80-इंसी---राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टोशन, विअथवाड़ा के श्री एस. कृष्णमूर्ति, सहायक संघार, अधिकारी को दिनांक 20-7-81 (पूर्वाह्न) से छः मास की अवधि के लिए संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और इन्हें क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई के कार्यालय में तैनात किया है।

प्रेम चन्द, सहायक निवधिक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

दंहरावान, दिनांक 4 अगस्त 1981

सं. 16/164/68-स्था. -। --भारतीय वन सर्वोक्षण से प्रत्या-प्रतित होने पर, अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्या-लय, दोहरादून, ने श्री दर्शन सिंह रावत को 11 जून, 1981 के पूर्वास्त से आगामी आदोशों तक सहर्ष वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, दोहरादून में अनुसंधान अधिकारी (यांत्रिकी और मांस्थिकीय के अतिरिक्त) नियुक्त किया है।

> ओं कार नाथ काल, कुल समिव, वन वन्संधान संस्थान एवं महाविद्यालय।

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समहर्तालय बम्बई 400012, विनांक 31 जुलाई 1981

सं अधि 3/ई-6-/80-निम्निलिखित वरित श्रेणी निरीक्षकों ने उनके पदोक्षति पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, समाहर्तालय बम्बई II में स्थानापन्न श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह "ख" के रूप में उनके नामों के आगे श्रीकित तिथियों से कार्यभार सम्भाल लिया है।

श्र म सं०	नाम	कार्यभार सम्भालने की तारी ख	
1.	श्री के० बी० कां बले	29-5-1981	(पूर्वाह्न)
2.	श्रो जी०पी० केतकर	22-6-1981	(पूर्वाह्न)
§ 3.	श्रो पो० ग्रार० कुलकर्णी	22-6-1981	(पूर्वाह्म)

सं० II/3ई०-6/80—केन्द्रीय उत्पाद शुरूक समाहतिस्य, बम्बई-II के निम्नलिखित समृह "ख" के राजपित अधिकारी (प्रशासनिक प्रधिकारी/प्रश्रीक्षक) ग्रिधवार्षिकी ग्राधार पर उनके नामों के ग्रागे ग्रंकित तिथियों को श्रप० में सेवानिवृत्त हो गये हैं।

ऋम सं०	नाम तथा पदनाम	सेवानिवृत्ती की तिथि
1.	श्रो जे० ए० फन ि ोम प्रणामनिक श्रधिकारी	31-5-1981
2.	श्रो व्ही० जो० धारगतकर श्रधक्षक	30-6-1981
3.	श्रो डी० बी० भोमले श्रष्टीक्षक	30-6-1981

बम्बर्ड-400012,	दिनांक	27	जुलाई	1981
-----------------	--------	----	-------	------

सं. फा.-।।/3ई-6/80——केन्द्रीय उत्पाद धुल्क समाहर्ता-लय, बम्बई-।। के समूह ''स'' के अधीक्षक, श्री व्ही. पी. युलगे का दिनांक 27-5-1981 को दोहावसान हो गया।

> विजयं कुमार गुप्ता, समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बम्बर्ग-।।

मद्रास-1, विनांक 2 जुलाई 1981

सीमा शुल्क/स्थापना

सं. 6/81—-श्री एस. आरुमुगम को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार 29-6-81 के पर्वाह्न से अगले आदोश तक, अस्थाही रूप से सीमाशुल्क घर में सीधी भर्ती अप्रैसर (गैर-विशोधका) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परखाधीन काल में रहींगे।

ए . सी . सलवाना , सीमाशुल्क समाहर्ता

केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 5 ग्रगस्त 1981

मं० ए०-19012/920/81-स्था० पांच---- आध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग निम्नलिखित अधिकारियों को अतिश्वित सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में उनके नाम के सामने दिखाई गई तारीखों में छः महीने की अवधि के लिए अथवा इन पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, स्थानापक्ष रूप में पूर्णतया अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर निय्कित करते हैं।

死 。	ग्रधिकारी का नाम	श्रतिरिक्त	जहां पद स्थापित
सं०	तथा पदनाम	सहायक निदेशक/ सहायक इंजीनियर के रूप में का भार ग्रहण कर	किए गए हैं र्य
		की तारीख	
1	2	3	4
1.	सर्वेश्वी ए० के० टिक्क् पर्यवेक्षक	15-7-81 (पूर्वाह्र)	यू० टी० निदेशालय

1	2	3	4
2.	के० ब ो० के० जैन	1 4 - 7- 8 1	डब्स्यू० स्नार० यू०
	पर्यवेक्षक	(पूर्वाह्न)	दो निदेशालय
3.	एस ्ब िनागपाल पर्यवेक्षक	1 3-7-8 1 (पूर्वाह्न)	सिंचाई निदेशालय
4.	एस० सी० गुप्ता (दो)	1 3-7-8 1	एन ः डब्ल्यू ० पी०
	पर्यंवेक्षक	(पूर्वाह्न)	निदेशा लय
5.	प्रवीण वसिष्ठ	31-3-81	टी० सी० डी०—
	ग्रभिकल्प सहायक	(पूर्वाह्न)	एक निदेशालय
6.	भ्रार० सी० शर्मा	19-6-81	ई० भ्रार० ड ि० डी०
	श्रभिकल्प सहायक	(पूर्वाह्म)	एक निदेशालय

एच० एल० चोपड़ा, भ्रवर सचिव

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालव

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी ला बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रीकरण का कार्यालय कम्पनी अधिनियम 1956 और आंध्रा प्रचारनी लिमिटेड हैदराबाद, दिनांक 4 अगस्त 1981

सं. 113/560——कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की (5) के अनुसरण के एतंद्वारा सूचना दी जाती है कि आन्ध्र प्रचारनी लिमिटेड का नाम आज रिजस्ट्रर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटत हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और वि आंध्रा सलैंबस प्राइवेट लिमिटोड

हैंदराबाद, दिनांक 4 अगस्त 1981

सं. 797/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की (5) के अनुसरण के एतद्द्वारा सूचनी दी जाती है कि आंधा सलैबस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी अभिनियम 1956 और रामकृष्णा एलेनसीज प्रैवेट लिमिटेड हैवरारबाद, दिनांक 4 अगस्त 1981

सं. 422/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारील से तीन माह के अवसान पर रामकृष्णा एजेनसीज प्राईवेट लिमिटेंड का नाम इस के प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त क पनी विघटित कर दी जाएगी।

वि. यस. राजू, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, आंध्र प्रदेश, हविरानाद। प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

ारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 60/61 एरडवना, कवा रोड,

पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 5 अगस्त 1981

निर्वाश सं. सीए 5/एस. आर. श्रीरामपूर/इसिंबर/80/. 524/81-82—यतः मुक्ते, शशिकान्त कुलकणीं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका अधिनियम' कहा गरा है), की धारा 269-ख के अधीन सजम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रूपए से प्रधिक है

और जिसकी गट सं. 94 है तथा जो शीसरगांव ता. श्रीरामपूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुय्यम निवंधक श्रीरामपूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख डीसेंबर 1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उपहे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुख उपहे दृश्यमान प्रतिफल है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक हम्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय को बाबत, **उक्त** ग्रिक्षिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए ा, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--2--216GI/81

(1) श्री अयराम बलवंत पकार शिरसगांव, ता. श्रीराम-पूर जि. अहमदनगर

(अन्तरक)

(2) 1. सा. पूष्पलता गोविंदराव अविक

सौ मिना सृधिर कदम
 (जानकी निवास' 11, विद्या हाँसिंग सोसायटी
 श्रीरामपूर, जि. बहमदनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाकीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसंमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का जो उक्त सिंदिनियम के प्रध्याय-20क में परिभाषित हैं, वही ग्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुस्

स्रोती की जमीन जो गट नं. 94, शिरसगांव में , ता विराम-पूर, जि. ब.नगर में स्थित हैं। जिसका क्षेत्र 3 हेक्टर 28 आर. हैं।

(जैसे की रजिस्ट्रीकर्ता विलेख क. 2073 ओ डिसेंबर 80 को बुय्यम निबंधक श्रीरामपुर के वफ्तर में लिखा है।)

ष्ट्रिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्थन रेख, पुना

तारीख: : 5-8-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन,इन्द्रप्रस्थस्टोट, नर्इ दिल्ली-110002

नई दिल्ली 110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ/एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/11-80/ 1647---चुंकि मैं आर. बी. एल. अग्रवाल भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, सिका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रा से अधिक है और जिसकी संस्था ई-61, है एवं जो पंचशील पार्क में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को ,पंजीकारण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) को अधीन पंजीकरण अधिकारी को नहीं दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980 को पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूच्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके धर्यमान प्रतिफल से, एसे धर्यमान प्रतिफल के

पनःह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस निम्नलिखित उददोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की क्षाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिएं को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती वजारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

श्रत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर दिम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात ;---

- (1) श्री दिनेश भाटीया और श्री राकश भाटीया आकी कट्टीर, हस्तसाल, उत्तम नगर, नई दिल्ली।
- (2) श्री क्षिल नाथ, कुमारी -सानीया और कुमारी मोना, 60 होम कन्त, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्स में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

प्रो. नं. ई-61, पंचशील पार्का, नई **दिल्लीं।**

आर.बी.एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रुज कि नहीं दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रग्रस्थस्टैट नई दिल्ली-110002,

नई विल्ली-110002, दिनांक 25 जुलाई 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ.//एक्वीजीशन-1/एस-आर-3ा/11-80/1723——चुकि में बार बी.एल. अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

जिसकी सं प्लाट नं 576, ब्लाक 'जे'हैं एवं जो करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया हैं), को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असभे रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में टाम्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से **हुई किसी आय की यावत, उक्त** अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्िव्धा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों, अधीत्ः—

- (1) श्रीमती लाजवन्ती पत्नी, स्वर्गीय श्री एस. मोहन् सिंह नं. 9, फ्रांडस कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सराज खुलर पत्नी श्री के. के. खुलर 3बी/ 5, पूर्वी मार्ग नर्ष दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकाँगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

प्लाट नं 576, ब्लाक नं 'अ' अबाही नइवाला, करोल बागु म्युनिसिपल नं 16/2216, क्षेत्र 167 वर्ग गुण्।

> आर.बी.एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज Ip नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्थन रंभे, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट, नर्इ विल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 25 जुलाई 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ. /एक्वीजीशन-।/एस-आर-3. 11-80/1638—-चू कि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 6/37 और 6/37ए है एवं जो न्यू जबल स्टौरी, लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अभिनयम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अभिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्विकत संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रश् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बाँध-गियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अधीन,

- (1) श्री औ. एन. चन्दोक, सुपृत्र स्वर्गीय डा. रूवा दत्त, ई-136, ग्रेटर कौलाश नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री लाजपत आनन्द और भारत भूषण आनन्द सूप्त्र श्री दर्शन लाल आनन्द, ई-89, लाजपूत नग्र-4, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या हत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पः टीकरणः --- हममे प्रमुक्त शब्दा और प्रतीका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरकार का बनाया हुआ प्रोपर्टी नं. 6/37 और 6/3**7ए** नर्इ डबल स्टोरी 124 वर्ग गज, लाजपत नगर, नर्इ दिल्ली।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-I, नई दिल्ली

दिनांक : 25-7-1981

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालकः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टोट, नई विरुली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 25 जुलाई 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-।/एस-आर-3/11-80/1661—कृ कि मैं, आर बी एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. डी-10 हैं एवं जो कालका जी में स्थित हैं, '(जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अन्मूची में दिया गया हैं) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई विल्ली स्थित कार्यालय में विनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्कसे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तित्यों, अधीन,—

(1) हिरा लाल, ओम प्रकाश सूपूत्र श्री करतार चन्च, क-25-ए, कालका जी, नह विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री दर्शन लाल, ओम प्रकाश, अशोक कुमार, विजय कुमार, सी-86, कालका जी, नई दिल्ली और वाई पी नरुला और सूनिल कुमार, सी-71/ए, कालका जी, नई दिल्ली।

(अन्त[रती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 विन की अविधिया तर्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया गया है।

नगुस्ची

प्रो. नं. डी-10, कालका जी, नर्ह दिल्ली।

आर. बी. एतं. अग्रवाल् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षुण) अर्जन रोज-¹का न**र्ड** दिल्ली

दिनांक: 25-7-1981

प्रकप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टोट, नई दिल्ली-11000'2

नर्इ दिल्ली-110002, दिनांक 25 जुलाई 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/11-80/1726——चृंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, अग्यकर प्रश्नित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके रण्यात् 'उक्त ग्रिधित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जियका उचित बाजार मृख्य 25,000/- क में प्रधिक है

और जिसकी सं. प्लाट 566, ब्लाक 'जे' है एवं जो करोल बाग, नह दिल्ली, में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नह दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ऐसे प्रतिकल, निम्नलिखित चहुंग्य से स्वत् अन्तरण लिखित में बास्यविक स्प से कचित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त किय नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सकने में सुविधा के लिए खीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय धायकर धिंचियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचे अन्तरिती दारा अकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के चिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नितिष्क, अयुक्तियाँ स्थाति :---

- (1) श्रीमती लाजवन्ती पत्नी स्वर्गीय एस. मोहन सिंह, नं. 9, फ्रेन्डस कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) में. लेखराज चानना एण्ड सन्स (एच-यू-एफ), बी-3/19, वसन्त विहार, नर्ष दिल्ली। (अन्ति[रती])

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई धाक्षेप :---

- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 विन की अवधि या उत्मानकारी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की अवधि, तो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भन्नित में हितबब किसी। अन्य व्यक्ति ब्रारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किये जा सकेंगे।

ह्मब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर नहीं का, जो उक्त अधि-निप्रम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्लाट नं . 566, ब्लाक नं . 'जो' अबादी नैवाला, करोल बाग, नई दिल्ली, म्युनिसिपल नं . 16/2216, क्षेत्र 167 वर्ग गज।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्ष्म प्राधिकारी निरक्षिण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रज-I, नई दिल्ली

दिनांक : 25-7-1981

भोहर 🖫

प्रस्प ग्राई० टी० एन० एन०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छार। 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र^{*}ज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, **इन्द्र**प्रस्थस्टटेट, नर्क दिल्ली-110002

नई विल्ली-110002, दिनांक 25 जुलाई 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-।/एस-आर-3/11-80/1724—चू कि में, आर. बी. एत. अग्रवात, आग्रकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे दसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कड़ा गया है), की धारा १६९-खं के प्रधीन सक्षभ प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मन्ति, जिलका उचित बाजार मुख्य 25,000/— हपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. नं. 564, ब्लाक 'जे' है एवं जो करोल बाग् में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नहीं दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवस्बर, 1980

कायालय में दिनाक नवम्बर, 1980
पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूण्यमान
प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है ग्रीर गृते यह विश्वाम
करने का कारण है कि यथापूर्वोकत मम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पम्ट्रह प्रतिगत से श्रीक्षक है भीर अन्तरक (श्रन्तरकों) और
भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिक्षितियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर या
- (ख) ऐसी किसी आय या फिसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, जियाने में सुविद्या के लिए;

अतः प्रव खक्त अधिनियम की बारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, छक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्:—

- (1) श्रीमती लाजवन्ती पत्नी स्वर्गीय एस. मोहन सिंह, नं. 9, फ्रेन्बर्स कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री लेखराज पानना सुपूत्र श्री राम दीता मल, बी-3/19, वसन्त बिहार, नई विल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जा भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति शारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो सक्त श्रिश्रितयम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ ागा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्लाद नं 564, ब्लाक 'ज' अबादी नइवाला, करोल बाग, म्युनिसिपल नं 16/2213, क्षेत्र 222 वर्ग गज।

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी स्**हायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्ष्ण)** अर्जन रंज-^I, नई दिल्ली

दिनांक : 25-7-1981

मोहरु 🗧

प्रकाप आई. टी. एन. एस.-----

े भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टोट, नर्द्र विल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 25 जुलाई 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-।/एस-आर-3/ 11-80/1660--- चूं कि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/-रुट. से अधिक **है** और जिसकी सं. सी-127 है एवं जो नई राजिन्दर नगर में स्थित हैं (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980 को (वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर्भ का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :- (1) श्री रम नाग्रायण सक्सेना, सूपूत्र श्री सूरज नारायण सक्सेना, सी-127, नई राजीन्दर नगर, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज बाला प्रती श्री प्रेम लाल, 21/36, पुरानी राजीन्दर नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरकारी बनाया हुआ प्रो. नं. सी-127, नर्द राजीन्दर नगर, नर्द दिल्ली।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजेरी, नई दिल्ली

दिनांक: 25-7-1981

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय. सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्त्रप्रस्थ्स्टेट, नर्द दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 25 जुलाई 1981

संदर्भ 3 नि. सं. आं. आं. /एसनीजीशन-।/एस-आर-3/11-80/1725— चूं कि में, आर. बी. एल. अप्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

ति. से जायक है और जिसकी सं प्लाट नं 565, ब्लाक 'जे' है एवं जो करोल बाग में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनाक नवस्वर, 1980

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिशिवत में बास्तिक रूप से किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती लाजवन्ती पत्नी स्वर्णीय एस मोहन सिंह, नं 9, फ्रोन्डस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस. आर. चानना, श्रीमती शकुन्तला देवी, श्री राजुकन्याल चानना, जी अदाश चानना और अकाश चानना, सुपुत्र श्री एस. आर. चानना, 9ए/31, डब्ल्यू ई.ए. करोलुबाग, नई दिल्ली। (बुन्दरिती)

को यह सूचना जारी क्राइक पूर्वाक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीं ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विमा गमा है।

जन्स्ची

प्लाट नं. 565, ब्लाक 'खे' अबादी नश्चाला, करोल बाग, म्युनिसिपल नं. 16/2214, क्षेत्र 167 वर्ग गणु।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।, नहीं दिल्ली

विनांक: 25-7-1981

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

वर्जन रंज, हैदराबाद

हैवराबाव, विनांक 29 जुलाई 1981

- सं. आर.ए.सी नं. 122/81-82 यहाः मुक्ते, एस. गोविंद राजन, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियमा कहा गया है'), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/ रु. से अभिक हैं और जिसकी सं. 4-1-365 है, जो गुलबाग, हैदराबाद में
- श्रीर जिसकी सं. 4-1-365 हैं, जो गुलबाग, हवराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध बनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हैं दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन कीसंबर, 1980

को नृत्यों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बावत, उक्त मिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व, में कभी करने मा उससे ब्यन में सृविधा के लिए। और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

बतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के, वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (क) (1) श्री गुलाम मोही जब्दीन पिता लेट अब्दुल् अजीज, 17-3-477, याक तप्रा, होदराबाद, (2) बीलक्षीस आर्जुमन पिता गुलाम जाफर, 8-3-400, यल्लार इंडीगृडा, होदराबाद, (3) अहमद मोहीन द्वीन सरवर पिता लेट अब्दुल अजीज भाई जी.पी.ए. श्रीमृति रचीया खतुन पित अहमद मोहीन व्वीन, 6-3-421, हीमा- यतनगर, होदराबाद, (4) मक्बूल बेगम पित मीर्झा नझीर बेग, 8-3-400, यल्ला- रहेडीगृडा, होदराबाद, (5) सरवर पाशा छावनी माडे बुली बेग, होदराबाद, (6) अक्सर जहां बेगम पृति लेट शराफ ल हुंबन, 15-1-400, फील बाना, होदराबाद।
- (अन्तरक)
 (2) श्री को नारायण रहेडी पिता को लीगा रहेडी,
 घर नं 23-1-496, कोटला आलीजा, हैदराबाद।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजप्रत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

मनुत्तुची

परिसर नं 4-1-365, का भाग, गूलवाग, हैदराबाद, रोड्डी होस्टल की समीपवर्ती भूमि, विस्तीर्ण 225 घो. गजा रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 12103/80 हो। राजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी हैदराबाद।

एसः गोविन्द राजन सक्षम अभिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, हैवराबाद

तारीच : 29-7-1981

मोहर 🛭

प्ररूप काइ. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, ह[®]वराबाव

हैदराबाद, दिनांक 29 जुलाई 1981

निवर्षा सं आर ए सी नं 123/81-82---यतः म्भे, एस. गोविन्द राजन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- का में अधिक है

कारण है कि स्थावर संपतित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 4-1-365 है जो गुलबाग, है दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, है दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन होसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बीर/या
- (क) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-य के अन्सरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--- 1 (1) श्री गुलाम मोहीऊव्दीन अपजल पिता सेट अब्दुल अजीज, 17-3-477, याक्तपूरा है बराबाद, (2) बीलक्वीस अर्जूमन प<u>ति</u> गुलाम जफर, 8-3**-**400, यल्लारड्डीगु**डा, हैदरा**-बाद, (3) अहमद मोहीनुब्दीन स्रवर पिता लेट अब्बुल अजीज भाई जी.पी.ए. श्रीमित रबीया सत्न पति अष्टमव मोहीनुब्दीन, 6-3-421, हीमायसनगर, हैंबराबाद, (4) मकबुल बेगम पति मीर्धा नभीर बेंग, 8-3-400, यल्लारोइडीगुडा, हैवराबाव, (5) सरवर पाशा पति मोहमद मरुफ सीद्दकी, 17-9-342 न्चावनी नाड अली बेग, हैदरा-बाद, (6) अक्तार जहां बेगम पति लेट शराफत जहां बेंगम पति लेट शराफत हुशन, 15-1-400, फीलखाना, हौदराबाद। (अन्तरक)

 के. साइ रेड्डी पिता के. लींगा रेड्डी 4-1-177, हनुमान टेकडी, हैंदराबाद।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापतः;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकारी।

स्पद्धिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी का प्लाट, 300 चौ. गज और एम. नं. 4-1-365, का भाग, गूलबाग, रोड्डी हास्टोल के समीप वर्ती, हैवराबाव। रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 121/80 हैव.। रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 121/80 हैव.। रिजस्ट्रीकृती बिभि-कारी हैवराबाव।

एस. गोविन्द राजन सक्षय अधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त) निरक्षिण अर्जन रेज, हैंदराबाद

तारीब : 29-7-1981

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भायुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हौवराबाद हौदराबाद, दिनाक 29 जूलाई 1981

भार. में. सी. नं. -124/81-82--यतः मूओ, एस. गोविन्द राजन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इसए से प्रधिक है

और जिसकी सं. भाग 4-1-365 हैं, जो गुलबाग, हैवराबाव में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हैंदरा बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

दिसंबर, 1980 को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूच्य, उसके श्र्यमान प्रतिफल से, ऐसे श्र्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिमत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठित्यम के ग्रिष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के श्रीयित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उंकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रव, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-म के अनुसरण
में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1)
के व्यक्ति निम्नित्वित व्यक्तियाँ, वर्धात् :---

1. (1) श्री गुलाम मोही अव्वीन अपजस पितालेट अध्युस अजीज, 17-3-477, <u> याक्तप्रा</u> हैदराबाद, (2) बीलक्वीस अन्जूमन पति गुलाम जफर, 8-3-400, यल्लारेड्डीगुडा, हैंबरा-बाद, (3) अहमद मोहीनुद्दीन सरवर पिता लेट अब्दुल अजीज जी.पी.ए_.श्रीमित राधीया खट्म पति अहमद मोहीन्द्दीन, 6-3-421, हीमायतनगर, हैंदराबाद, (4) मक्बल बेगम पति मीर्झानभीर बेग, 8-3-400, येल्लार इंडीगुडा, है दराबाद, सरवर पाशा पति मोहमद मरुफ सीव्दीकी, 17-9-342, छावनी नाड अली बेग, हैवरा-बाद, (6) अक्तार जहां बेगम पति लेट शराफत हुशन, 15-1-400, फीलसाना, हैदराबाद। (अन्तरक)

 श्री एन. बाल रोड्डी पिता लक्ष्मा रोड्डी, 5-1-557, ट्रपबाझार, हौदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उनत ग्रिवितयम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभावित हैं, वही ग्रंथ होगा, जो उन श्रष्ट्याय में विद्या गया है।

प्रनुसूची ,

परीसर का भाग नं. 4-1-365, गूलबाग, हैवराबाद, रेड्डी हास्टूल समीपवर्ती विस्तीर्ण 200 जौ. गज. रजीस्ट्री-कृत विलेख नं. 12105/80 हैं। रजीस्ट्रीकर्ता विधकारी, हैवराबाद।

एस . गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त) निरक्षिण अर्जन रोज, होदराबाव

तारीख: 29-7-1981

मोहर 🗈

प्ररूप मार्घ० ही० एत० ए १०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैं बराबाद

हिंदराबाद, दिनांक 29 जूलाई 1981

जार.ये.सी.नं.-125/81-82--यतः मुफ्ते, एस. गोविन्द राजन, आयशर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छन्ति बाजार मूल्य 25.000/- २० में श्रिक्षिक है

23.000/ पर पा जावन हैं जो गुलबाग, हैं बराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हैं बराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन डीसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन डीसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन बाजार मूल्य से कम के नृष्यमान प्रतिफल के थिए अस्तरित की गई हैं और मुखे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पम्बद प्रतिकृत से अधिक हैं और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण निकात में वास्नविक कप मे कथिन नहीं किया गया है !—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबन, उक्त भिंधनियम के भंधीन कर देने के भंग्यरक के पायरव में कमी करने या जससे बचने में सुविका के निष्; भीर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या सन्य मास्तिमों को, जिम्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धनत प्रिवित्तयम, या धन-कर प्रक्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविद्या के सिए;

भतः भव उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त भिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन निम्निसिस्त व्यक्तियों क्षेत्ः--

- (क) (1) श्री गुलाम मोहीउन्द्वित अफजल पिता सेट **अब्दुल अजीज, 17-3-477,** हैंदराबाद, (2) बीलक्वीस अन्जूमन पति गुलाम. अफर, 8-3**-**400, यल्लार**ेड्डीगृडा, हैंदरा-**बाद, (3) अहमद मोहीनुद्दीन सरवर पिता लेट अब्बुल अजीज जी पी ए श्रीमित खट्म पति मोहीद्दीन, अहमद 6-3-421, हीमायतनगर, हैवराबाव, (4) मक्बुल बेगम पति मीर्झा नभीर बेग, 400, येल्लारेड्डीगुडा, हैदराबाद, सरवर पाशा पति मोहमद मरुफ सीव्दीकी, 17-9-342, छावनी नाड अली बेग, हैदरा-बाद, (6) अक्तार जहां बेगम पति संट शराफत् हुजन, 15-1-400, फीलखाना, हुँदराबाद । (अन्तरक)
- (क) (1) श्रीमित यसः कालावती बार्ड पति यसः बालावी (2) श्रीमित काँगल्याबाइ पति यसः हन्मंतराव 13-2-559, रहीमपूरा, हैंवराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त प्रविनियम के प्रश्नाय 20-क में परिकाबित हैं, वहीं अर्थ होया, जो उन प्रश्नाय में बिया नया है।

मनुसूची

परीसर का भाग नं. 4-1-365, गूलवाग, हैवराबाद। रहेडी हास्टोल के समीपवर्ती विस्तीर्ण 500 चौ. गजा। रजीस्ट्री- कृत विलेख नं. 12106/80 हैं। रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैवराबाद।

एसः गो**विन्द राजन** स्**काम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण स्**र्णन रेज, हैदराबाद**

दिनांक: 29-7-1981

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.—— द्वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269थ(1) क श्रवान भूगना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, हीदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 जुलाई 1981

आर.ये.सी.नं.-126/81-82---यतः मुभ्ते, एस∴ गोविन्द आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमक पर बात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृख्य 25,000/- व्यये से अधिक है मौर जिसकी सं. 4-1-365 है जो गुलबाग, हैदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन डीसम्बर, 1980 को पूर्वीक्त मध्यित के उचित बाजार मूल्य से कम के बुश्यमान प्रतिक्रम के लिए धस्तरित की वर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि धवापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रसिप्तल का परदृह प्रतिमत से अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए सथ पाया गया प्रकार फस निम्नसिसित उद्देश्य से उन्त बन्तरण निखित में आरूपीक

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

स्य से कथित नहीं किया गया है।→--

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य घास्तियों को, जिल्हें भारतीय धायकर घिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन में मन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया वया वा या किया जाना नाहिए था, छिपामे में मुखिधा के लिए;

जतः, अब, उन्त जिमियम की घारा 269 ग के अनुसरण में, में, उन्त अग्निनयम की धारा 269 च की उपधारा (1) के ब्रधीन, निम्निसिश्वित क्यक्तियों, भवात् :— (1) श्री गुलाम मोही जददीन अपजल पिता लेट अब्दुल अजीज, 17-3-477, याक तपुरा है दराबाद, (2) बील क्वीस अन्जुसन पति गुलाम जफर, 8-3-400, यल्लार ड्रेडीगुडा, है दरा-बाद, (3) अहमद मोहीन द्दीन सरवर पिता लेट अब्दुल अजीज जी. पी. ए. श्रीमित राबीया खटाम पित अहमद मोहीन द्दीन, 6-3-421, ही मायत नगर, है दराबाद, (4) मगबल वेगम पित मी भर्त नभरीर बेग, 8-3-400, येल्लार ड्रेडिगुडा, है दराबाद, (5) सरवर पाणा पित मोहमद मरुफ सीव्यक्ति, 17-9-342, छावनी नाडे अली बेग, है दराबाद, (6) अक्तार अहां बेगम पित लेट शराफत हु शन, 15-1-400, फील खाना, है दराबाद। (अन्तरक)

(क) (1) प्रल्हाद लोकचंद दोवनी पितालोक चंद छंदीराम दोवनी, घर नं . 3-6-145/7/ए, हीमायतनगर, हाँदराबाद। (2) श्रीमित नीता प्रहल्लाद दोवनी पति प्रहल्लाद लोकचंद दोवनी।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके एवाँक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए -कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त समास्ति के प्रार्वत के उपनन्ध में कोई भी प्रार्थन:---

- (क) इस प्वता के राजपत्र में रक्षणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाध्न होती हो, के भीतर प्वींकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूबन, के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितबब किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मर्केंग।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्बों ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रयं होगा जो उस प्रध्याय वें दिया गया है।

मनुसूची

परीसर का भाग नं. 4-1-365, गुलबाग, रोड्डी हास्टोल हैंदराबाद के समीपवर्ती विस्तीर्ण 288 खाँ. गजा रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 1299/80 हैं। रिजस्ट्रीकृती अधिकारी, हैंदरा-बाद।

एसः गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी (सहायक बायकर बायक्त) निरक्षिण अर्जन रोज, होदराबाद

तारीच : 29-7-1981

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.------आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैवराबाद

हैवराबाद, विनांक 31 जुलाई 1981

निवाश सं. आर.ये.सी.नं.-127/81-82---यतः मुक्ते, एस. गोविन्द राजन, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जियका उवित बाजार मूल्य 25,000/- रु से प्रधिक है

और जिसकी सं घर नं 210 हैं, जो मडफोर्ट, सिकंदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली, सिकंवराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्यमान प्रतिकल के लिए ग्रस्तिरित की गई है गौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिकल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिकल का पत्त्रह प्रतिशत ग्रधिक है गौर ग्रस्तरक (अन्तरकों) गौर ग्रस्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीव ऐसे श्रन्तरण के लिए ता पापा गया प्रतिकत, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी आय की बाबत, छक्त अधिनियम के प्रश्नीन कर देने के प्रस्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं घग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधां के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन निम्नतिश्वत स्थानतयों अर्थात्:-- (1) क्रमारी यस बी. इरानी अलीयास, क्रू. शेरु इरानी, 30-60, क्रेसेंट स्ट्रीट, न्यूयार्क, यू.यस.ए.। जी.पी.ए. श्रीमित जी. वाइ. मेनाय 26, सरवार पटोल रोड, सिकंदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कोरशद यस. वछा, 26, सरदार पटोल रोड, सिकंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी करें से 45 दिन की ग्रविध या तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जें भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसो व्यक्ति जारा।
- (ख) इस भूजना के राजरत में प्रकाणन की नारीत से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हिनवद्व किसा अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसने प्रयुक्त गब्दों और पत्तों का, जो 'उनन अधितियम', के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है

अनुसूची

घर नं. 210, मङ्फोर्ट, सिकंवराबाद कंटोनमेन्ट, विस्तीर्ण 254.15 थी. मी. रजीस्ट्रीकृत विलेख नं. 2771/80 है। रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली, सिकंदराबाद।

एसः गोविन्द राजन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरक्षिण्) अर्जन रोजः, हैवराबाद

सारीच : 31-7-1981

प्ररूप आहाँ, टी., एन. एस -----

जायकर भौधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकार आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, हैवराबाद हैवराबाद, दिनांक 1 अगस्त 1981

निदाँश सं. क्षारायोःसी नं -128/81-82--यतः मुक्ते, एसः गोविन्द राजनः

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. खुला प्लोट है, जो सहवाबाद, हैंदराबाद स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), रिजय्द्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आक्रमपूरा में भारतीय रिजस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 दिसम्बर 80

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण सिलिक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी जाम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुन्धा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय अगयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अनुसरम में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिबित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री के छलभारेड्डी पिता के रातचंद्रा रोड्डी, 16-2-750/1, मल्कपेट, हैवराबाद।

(बन्तरक)

(2) लेफ्टिनेंट कर्नल यल. व्ही. रेड्डी पिता रामचन्द्रा रेड्डी 16-2-842/1, सद्दाबाद, हैंदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के संस्थनम् में कोई भी आक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया परा हैं।

मनसची

कुला प्लाट नं. 3, सर्वें नं. 11, वार्के नं. 16, ब्साक मं. 2 सहवानाव, एम. नं. 16-2-842 विस्तीर्ण 517 भौ. गज. रजीस्ट्रीकृत विलेख नं. 3106/2/80 है। रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी अभ्रमपुरा, हैवराबाव।

एस. गोविन्द राजन, सक्षय अभिकारी सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैवराबाव

तारीच : 1-8-1981

मोहरः

प्रकृप बाई॰ डी॰ एन॰ एस॰--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्थन् रोज, हौवरावाद

हैदराबाद, दिनांक 3 बगस्त 1981

निवर्षा सं आर ये सी नं -129/81-82---यतः मुभौ, एसः गोविन्द राजन,

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके प्रचात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के विधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इ० से धिक है

बीर जिसकी सं. 3-5-121 है, जो एडनवाग, हैदराबाद कें स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजेत रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय हिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के बचीव 19 दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विक्थाच करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजाच मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का चन्नह प्रतिक्षत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (प्रस्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्षत निम्नितिक्षत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्षित में बास्तिक का से किया नहीं किया गया है।——

- (क) मन्तरण में हुई किसी माय की बाबत उक्त बाबि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दामित्व में कमी करने या उपने बनने में पुविधा के लिए; भीर/वा
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन वा धन्य धास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर धिक्षिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अत्र, उनत प्रधिनियम, को धारा 269-ग के सनुसरण में मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन निम्निविधित व्यक्तियों, व्यक्तिंश-4--216GI/81

(1) श्री रामनीकलाल आर. शाहा पिता रामणी शहा णैन, 3-5-121, एडनबाग, हैदराबाव।

(अन्तरक)

(2) श्री (1) स्थानकवसा जइ सिंग (2)श्री दोमोदर पिता रधुनाथ देसाई, 3-5-121, एडनबाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को पह सूचना जारी मरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्टिन्यम, के श्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्य होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

वनुसूची

बुसी प्लाट एम. सी. एच नं 3-5-121, एडनबाग, हैंदराबाद, विस्तीर्ण 556 चौ. गज. रजीस्ट्रीकृत विलेख नं 12187/80 है। रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैंदराबाद।

एस. गोविन्द राजन, सक्षय अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज, हेदराबाद

तारीच : 3-8-81 मोहर : प्रकृप माई० टी० एव० एव०------यम: 1961 (1961का 43) क्षाण की

क्षायक्षर मिश्रितियम; 1961 (1961का 43) भारा की 269-थ (1) के सभीत सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, हैंबराबाद हैवराबाद, दिनांक 3 अगस्त 1981

निद^{क्ष}श सं. आर.ये.सी.नं.-130/81-82---युतः **मुभ्ते,** एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका निवत बाजार मूख्य 25,000/- रु से प्रधिक है

और जिसकी सं. 16-11-726/ए. है, जो गड्डी अनारम, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अफमपूरा में भारतीय रजिस्ट्रक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 दिसम्बर 80

को पूर्विति सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रियिजल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पलह प्रतिशंक से अधिक है और अग्लरक (अग्लरकों) बौर अग्लरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्लरक (अग्लरकों) बौर अग्लरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्लरक वे निए तय पामा गया प्रतिकल, से निम्नलिखित वहुँग्य से उक्त अग्लरण लिखित में बास्तविक ह्य ने कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जबत श्रिक्षित्यम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (अ) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, अन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, किन अधिनियम की धारा 269-म की जपधारा (1) के मुझीन निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) श्रीमती एम्. अमरुथा देवी पति श्री एमः शूभाष 16-11-646, गड्डी अनारम, हैंदराबाद। (अन्तरक)
- (2) (1) श्री मजीबट्टी बालकीष्णा पिता एम्. वेंकट शम
 - (2) श्री मुडीचेट्टी भाष्कर वही
 - (3) श्री मडीचेट्टी रमेश वहीं सभी सिव्दी पेट में रहतें हैं। अब 15-2-678/1 करें आफ मेसर्स ज्योती

अब 15-2-678/1 कर आफ मसस ज्याता द्रेडींग क'. कीशनगंज, हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता है।

, उक्त सम्पत्ति के प्रर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में जकाबन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तस्त्रस्वकी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवत किसी क्ष्य व्यक्ति हारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकेंने)

स्पष्टीकरण : इतमें प्रमुक्त शब्दों और पर्यो का, जो छक्त प्रधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होता, जो उस अध्याय में विना गया है।

प्रनुसूची

सह घर एम . नं . 16-11-726/ए . गड्डीअनारम , होदरा-बाद विस्तीर्ण 302.66 औं . गण रजीस्ट्रीकृत विलेख नं . 3216/80 है रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी अभ्यपुर।

> एस. गोविन्द राजन, सक्षय अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हौदराबाद

तारीच : 3-8-1981

नोहर:

प्ररूप आई., टी. एन. एस ------

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनराज, एरणाक जुनम,

कोच्चिन-16, दिनांक 13 जुलाई 1981 निदेश सं. एल. सी.-522/81-82---यतः मुक्ते, टी. जेड्: माणि,

मायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. अनुसूचि के अनुसार है, जो आलुवाई में स्थित कूट (और इससं उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य आलुवाई में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-12-80 और 18-12-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तिबक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) श्री मास्टर तुलसीदास के जि़्ये सरोजिनी। (अन्तरक)
- (2) श्री किलिय जोसफ और वार्लिबी जोस। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

बक्द सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

24½ cents of land with a building in Sy. No. 291/9 Alwaye Village Thottakkattukara.

सक्षम प्राधिका सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षा अर्जन रंज, एरणाकल्य

अतः ॥व, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधादा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत —

तारीख: 13-7-1981

मोहर∴

प्ररूप आहें..टी..एन्..एस्..------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारर 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काण) अर्जन रंज, एरणाक लग, कोच्चिन-16, दिनांक 15 जूलाई 1981

निदोश सं. एल. सी.-524/81-82---यतः। मुक्ते, टी. जेड्. भाणि,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' नहां गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उज़ित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं अनुसूचि के अनुसार है, जो कालिकट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कालिकट् में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1980 (1908 का 16) के अभीन, 24-12-80

की पूर्विति संपृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान को पूर्विति संपृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान करने का कारण है कि यथापूर्वितित संपृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल का निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम क अधीन कर दोने के अन्तरक केंद्रियायन में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी फिसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में निर्मा के लिए;

अतः अबः, उन्नतं अधिनियमः, की भारा 269-ग कै जनुसरण अर्गे, मैं, उन्नतं अधिनियमं की भारा 269-**घ की उपभारा (1)** के अधीर जिल्ला कि स्वास्तिकारों, सुभीत् हे---

- (1) श्रीमती कृषिलियम अम्मा और वेण् गोपाल। (अन्तरक)
- (2) श्रीके मोयितीन हाजी।

(बन्तरिती)

कारे यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में को**ई भी आक्षेप.-**-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-विष्य क्यांकर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पाचित्रकाः — इसमें प्रयुक्त किया और पर्योका, को उनति अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विमा मया है।

जनसंची

101 cents of land with a building in Calicut.

टी. जेड्. माणि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, एरणाक्त्सम,

बारीब : 15-7-1981

प्ररूप् वार्दः, टी. एन. एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, एरणाकुलम,

कोच्चिन-16, दिनांक 16 जुलाई 1981

निद्धा सं. एल सी.-524/81-82---यतः मुक्त, टी. जेड्: माणि,

श्वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्मति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द से प्रधिक है

और जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है तथा जो कालिकट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कालिकट् में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकारी अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-12-80 और 18-1-81

को पूर्वोक्त सपित के छिचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिक के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप मे कथित नहीं किया गया है '--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त भाषानियम के ग्रधीन कर देने के भग्तरक के वायिस्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन सिम्नलिखित व्यक्तियों प्रयति :--- (1) श्री के. इन्द्र और तीन।

(बन्तरक)

(2) श्री एम्. मृहम्मदकुषि हाजी।

(बन्तरिती)

की यह तूचना जारी करके पूर्वीक्त तस्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

धनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी आक्रोप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 वित के चीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितक दिक्त किसी चन्य व्यक्ति द्वारा, घन्नोहस्तान री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

रुष्टीकरणः —इसमें प्रयुक्त जन्दों भीर पदों का, जो उपत भ्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20 क में यथापरिचाणित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

304 cents of land with a two storeyed building in Chelappuram, Calicut District.

टी. जेड्. मणि सक्षम प्रीप्तकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अपूर्वन् रजे, एरणाकृतम,

तारी**स**ः 16-7-1981

प्ररूप बाइ : टी. एन्. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्वीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निर्रीक्षी सहायक आयक आयुक्त, े अर्जन परिक्षत्र, बिहार

पटना, विनांक 4 अगस्त 1981

निवर्षा सं. III -502/अर्जन/81-82---यतः मुक्ते, हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं तौजी सं 5176, खाता सं 1113, खेसरा सं 1536, थाना सं 1 है, तथा जो मौजा दीथा महाल खिलची-पुर दीधा, पटना में स्थित हैं (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं,) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यलय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-12-80

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विदयास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एमे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के न्तिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री राजेन्त्र प्रसाद गुप्ता वल्द श्री बलदेव प्रसाद साकिन केशोपुर मोहनपुर टाउन जुमालपुर पत्रालय जमालपुर, जिला मुगरे।

(अन्तरक)

(2) श्री नारायण लाल अग्रवाल पूत्र श्री मन्ना लाल अग्रवाल भोपालिका निवास बोरींग केनाल रोड, पटना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उकत स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यकिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

जमीन का रकवा 3 कट्ठा बगीचा सहित मौजा दीघा महाल खिलचीपूर दीघा पटना में स्थित हैं तथा जो पूर्ण रूप से बिसका नम्बर 8407 दिनांक 15-12-80 में वर्णित हैं एवं जिसकी निबन्धन जिला अवर निबन्धक पदाधिकारी, पटना द्वारा सम्पन्न हुआ हैं।

हृदय नारायण सक्ष्म पदाधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जनु पुरिक्षेत्र, बिहार, पटना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में कक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को बुधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

तारीख: 4-8-81

प्ररूप आई० टी० एन० एस•----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षी सहायक आयक आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 4 अगस्त 81

मिद्दश सं III -503/वर्जन/81-82--वतः म्भे, हृदय नारायण,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-इपए ने अधिक है

और जिसकी सं तौजी सं . 5176, बाता सं . 1113, प्लौट सं . 1536 थाना सं. 1 है, तथा जो मौजा दीधा महाल खिलचीपूर दीधा, पटना में स्थित हैं (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908) का 16) के अधीन तारीख 15-12-80

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के बृहयमान प्रतिफल के *सि*ए भन्तरित की ग**र्द है और मुझे यह विश्वा**स करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पग्रह प्रतिग्त से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरज के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्नसिखित उद्देश्य से उस्त प्रस्तरण लिखित में बास्तिविक इस्त से कवित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक दायित्व में कमी करने या छससे बचने में नुविधा के **लि**ए; श्र**ौर/**या
 - (ख) ऐसी किसी भायया किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें बारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 या उन्त अधिनियम, (1922 新 11) धन-कर भविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ चन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में मुविद्या के लिए;

अतः अब, उन्त प्रधिनियम की भारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 2.69—च की छपधारा (1) के अधीन, निम्नुजिखित व्यक्तियों, अर्थात ---

(1) श्री राजन्द्र प्रसाद गुप्ता बल्द श्री बलदिव प्रसाद साकिन क्रेशोपुर मोहनपुर टाउन जमालपुर पत्रालय जमालपुर जिला म्गर।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

(2) श्री महाबीर प्रसाद अग्रवाल बल्द श्री मन्ना लाल अग्रवास भोपालिका निवास बोरींग केनाल रोड पटना-1

को यह सुबना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन लिए भायेवाहिया करता हं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस सूचना केश्[#]राजपत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की है अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्बना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीखा 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हि्तबब किसी मन्य व्यक्ति ब्रारा, अबोहस्तानारी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्**पक्षीक्ररणः—–इस**र्पे प्रयुरत शरुक्षं घौर पदों का, जो **उत्त** श्रष्ठिनियम के श्रम्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस प्रष्याय में विया-गया है।

जमीन का रकवा 5 कट्ठा बंगीचा सहित मौजा दीधा महान खिलचीपुर वीधा जिला पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से बसिकासं 8408 दिनांक 15-12-80 में वर्णित **ह**ैए**व**ं जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पदाधिकारी, पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> हृदय नारायण सक्षम प्रिषकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र', बिहार, पटना

तारीख :4-8-81

प्राक्ष पाई॰ टी॰ एन॰ एस॰——— पायकर प्रचिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व(1) के प्रचीत सूचना

भारत सरकार

कार्यासय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, विनांक 4 अगस्त 1981

निवोध सं. III -504/अर्जन/81-80--अत्तद मुक्ते, हृदय नारायुण्,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् जनत प्रधिनियम कहा प्रया है), की धारा 269-व के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारव है कि स्थावर सम्मति, जिसका छवित बाजार मूक्य 25,000/-

और जिसकी सं तीजी सं 5176, बाता सं 1113, क्सेरा सं 1536, थाना सं 1 है, तथा जो मौजा दीवा महाल, खिलचीपुर, दीधा, पटना, में स्थित हैं (और इससे उपावद्भ वनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता विधकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15 दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के पृत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित् की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वोंक्त सम्मृत्ति को उचित बाबार मृल्य, उसके वृत्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है और मन्तरक (धन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिजित सहेश्य से उचत अन्तरण लिखन में शस्त्रित कप से किन्त नहीं जिया नया है:—

- (क) भग्तरण से हुई किसी बाय की बाबत करत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के धन्वरक के शिवरण में कमी करने या जबने अचने में लुविधा के जिए। और/मा
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य धारिसयों को, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर धीवनियम, या घन-कर ग्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतं। अव, उस्त मिलियम की धारा 269-व के वनुवरण में, मैं, उस्त प्रविनियम की धारा 269-व की वनवारा (1) के अधीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीम्मती प्रभाषांची जोजे, श्री राजेन्त्र प्रसाद गुप्ता, साकिन केशोपुर, मोहनपूर, टाउन जमालपूर, पत्रा-लय जमालपुर, जिला मुंगेर।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्य गोपाल अग्रवाल वृत्द श्री मन्ना लाल अग्रवाल, "भोपालिका निवास", बोरींग केनाल रोड, पटना-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रवृत्ति मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रम्थ व्यक्ति धारां, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

रुपक्तिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विज्ञिनियम के अठगाय 20-क में परिकाणित है, वही अयं हीगा, जो इस बद्धाय में विज्ञा गया है।

ग्रनसूची

षमीन का रकवा 6 कट्टा, 10 धूर बगीचा सहित मौजा दौषा महास खिलचीपुर दीघा, जिला पटना में स्थित है तथा पूर्णरूप से बसिका सं. 8406, दिनांक 15-12-80 में वर्णित है एवं जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक पदाधिकारी, पटना द्वारा सम्मन्न हुआ है।

> हृदय नारायण सक्षम पदाधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीच ।: 4-8-81 मोहर ॥ प्रकप आहें. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रोज-।।, अहमवाबाध

- अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1981

निर्देश नं पी आर नं 1143/एक्वी-23-।।/81-82--अतः मूक्ते, जी सी गर्ग,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित किमका उचित बाजार पृष्य 25,000/- रह. सं अधिक है

और जिसकी सं 25 हैं तथा जो सारांथी, ता वलसाड में स्थित हों (और इससे उपाब्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वलुसाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विसम्बर, 1981

को पूर्वों वत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्षेष्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) घारमपूर समेनड प्रोडक्टस का भागीदारों श्री भगवन-दास कि शाह, श्री दिनेशचन्द्रा कि शाह, 49, अमरा-पाली सोसायटी, करोली भाग, बेरोडा।

(अन्तरक)

(2) किंग फ्लासदिक, सारोधी, ता. बलसाड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पंथ्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकन जो सारोधी सर्वों नं. 25 में स्थित हों और जो दिसम्बर महीने, 1980 में वलसाड रिजस्ट्रार के कार्यालय में रिजस्ट्री की गई है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

तारीख: 23-7-1981

मोहर 🗯

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अधीर 269-घ (1) के अधीर सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन र ज-11, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1981

निवास सं पी. आर. नं 1142/एकवी-23-11/81-82—-अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थाधर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 25 और 28 हैं। तथा जो गांव सारोधी, ता. वलसाड में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वलसाड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1980

को पृद्यों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अतः जिक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिस्थित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) श्री भगवानदास वि शाह, श्री दिनेशचन्द्र वि शाह, के द्वारा घारमपुर सेमेनड प्रोडक्टस, 49, अमूपाली सोसाइटी, कारोली बाग, बेरोडा।

(अन्तरक)

(2) रायल प्लास्टिक्स इन्डस्ट्रीस, सारो**थी**, ता. वलसाड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

मिलकत जो सारोधी गांव में सरवे नं. 25 और 28 में स्थित है और जो दिसम्बर महीने, 1980 में वलसाब रिजस्ट्रार के कार्यालय में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी, महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन र^नज-।।, अहम्दाबाद

तारीख ः 23-7-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

कायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रचा-।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, विनांक 31 जुलाई 1981

निद्रिंश सं. पी. आर. नं. 1384 अर्जन 23-।/81-82--अतः म्फो, जी. सी. गर्ग,

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

अं रिजसकी सं. लंख नं. 107 तारीख 18-2-36 डी याजिक शेष्ठ जागनाथ हैं तथा को (ओल्ड) मुख्य रास्ता पोस्ट आफिस के नजदीक बंगला ''भावेश एलियास राजवूत'' में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-80 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत अधिक है और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के वाधिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्री भगवानदास आयलवास आर्य, 342, रालबादेवी ग्रोड, पहला मंजला, स्वदेशी मार्केट नजदीक, बोम्बे-400002।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती शारदाबेन मनसुखलाल शेड, पो/ओ कोडा रस्टोरेन्ट, डी. याज्ञिक रोड, राजकोष्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताल्पी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्दों भौर पदों का, जो छक्त श्रधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगसे का नाम ''भावेश एलियास राजदूत'' 719-3-0 थो. वार जमीन पर खड़ा है लेख नं. 107 तारीख 18-2-36 डी. याजिक रोड पर स्थित हैं (ओल्ड आगनाथ प्लोट मूख्य रस्ता) राजकोट पोस्ट आफिस के नजदीक रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा बैनामा नं. 70011/5-12-80 पूरी सम्परित का वर्णन किया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-।, अहमबाबाद

तारीस : 31-7-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबांद, दिनांक 31 जुलाई 1981 रोक नं. स. आर.नं. 1385 अर्जन 23-1/81-82---अर्तः मुफ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं बोर्ड नं 15, सी एस नं 1011 पैकी सं नं है। तथा जो 405/20 पैकी, प्लाट नं डी-2, विट्ठल एपार्ट मेंट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकरर्ता अधिकारी के कार्यालय, रेसकोर्स, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन 20-12-80 को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के ट्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मैं विट्ठले कन्ट्रक्शन कम्पनी की ओर से भागीदार, श्री प्राणलाल वी राजीव और अन्य, सी/ओ वीट्ठल एपार्टमेंट रसकोर्स रोड के नजदीक, राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अर्मतवेन वसानजी देडा, फलेट नं डी-2, विट्ठल एपार्टमेंट रसकोर्स रोड, राज-कोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

्षलंट नं. डी-2, दूसरा मंजला विट्ठल एपार्ट मेंट, वार्ड नं. 15 सी. एस. नं. 1011 पैकी सं. नं. 405/20, पैफी रोसकोर्स रोड राजकोट में स्थित है राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा बैनामा नं. 7304/20-12-1980, पूरी सम्पत्ति का वर्णन किया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज ।, अहमदाबाद

तारीख: 31-7-1981

प्ररूप आहाँ० टी० एन० एस० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

वर्णन रोज, बंगलूर

बेंगलोर, दिनांक 14 मई 1981

निर्दोश सं. 338/81-82--यतः मुक्ते, आर. थोथावि, आस्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रुक्त से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. सि. टि. एस. नंबर 3492/2, 3492, 3493/1 है, जो कालेज रोड, बेलगम में स्थित है) (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेलगम अंडर डाक्यूमें ट नंबर 2996 तारीख 23-12-1980 मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन - 19(को पृत्रों क्त सम्परित के उचित बाजार मुख्य के कम के रहयमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एेसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा का लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियंस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंस, या धनकर अधिनियंस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातुः——

- (1) (1) श्री मोरोश्वर वि. क्षेलकर
 - (2) श्री श्रीधर वि. केलकर खानापुर रोड, टिलकवाडि, खेलगाम।

(अन्तरक)

(2) श्री रामनाथ माधव पै, नंबर 126, क्यांप, बेलगम।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वींक्त सम्परित को अर्जन के जिल् कार्यकाहियां करता हुं।

रुवत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक्षरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भया है।

मन्स्ची

कालेज रोड, बेलगम में स्थित बिल्डिंग (जमीन सहित) जिसका नाम है ''इलैंट लाज'' और जिसका सि. टि. एस. नंबर है 3492/2, 3492 और 3493/1।

आर. थोथादि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, बेंगलोर

तारीख: 14-5-1981

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, जयपुर

विनांक 3 जुलाई 1981

निर्देश सं. सि. बार . 62/29047/80-81/एरिक्य / बीं ज — यतः मूर्भे डा. थीं. एन. लिलथ कुमार राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्त, जिसका उपचत दाजार मूल्य 25,000/ रु. स अधिक हैं

और जिसकी सं. 8 प्राना सं.-11 ए. है, तथा जा हटिचिन्स रोड, कुक टाँजन, बंगलूर-5 में स्थित है (और इस सं उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 1-12-1980 को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती पापम्माल, सं.-10, दोङ्डाकारभा रोड, अलस्र, बंगल्र-8।

(बन्तरक)

(2) श्री मोहम्मृद आंबेदुल्ला, सं -242, नारायण पिल्ले स्ट्रीट, बंगलूर-1।

'(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मृतिस के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्तु, व्याक्तयों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से ४ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, कै अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्पी

प्रमौतिस जिसका सं.-8, पुराना सं.-11 ए. तथा जो हट-चिन्स रोड, कुक टौजन, डिविजन सं.-49, बंगलूर-5 में स्थित है मेजरिंग 412.40 स्कोगर मीटर्स, तथा इस पर ग्रान्ड फ्लोर भी है। चक्र बन्दी है:---

उ–में प्रायिवेट संपत्ति । द–में प्रायिवेट संपत्ती। पू-में हटचिन्स रोड≀ प–में प्रायिवेट संपत्ती।

> डा. वी. एन. लिलथ कुमार राव सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, बंगसुर,

तारीख : 3-7-1981 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर भश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रश्नीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज , बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 जुलाई 1981

निद्धेश सं. सि. आर. 62/29165/80-81/एसिक्यू/बी. — यतः मुक्ते, डा. बी. एन. लिलथ कुमार राव, प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिल्लका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ह० मे प्रधिक है

और जिसकी सं. 28/1 और 28/2, ही, तथा जो रोसिडोन्सी रोड, बंगलूर में स्थित ही (और इस में उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही, रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर बंगलूर में रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 17-12-1980 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रशिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उनन ग्रिमियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घ्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रीव्यनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या धन-कर ग्रीव्यनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने मे मृविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त श्रविनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रवीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों. शर्यात:—-

(1) (1) श्री सी. जे. होयस (2) आलफ्रोड होयस (3) श्रीमती यमीली पीयर्स (4) कुमारी एलेन्न होयर सब सं. 28/2, रोसि हो।

- 2. (1) श्री जे. सी. बी. फर्नान्डीज (2) श्रीमती सीलीन फर्नान्डीस, बोनों सं.-10 नार्थ रोड, कक टाउन, बंगलूर-5 में रहते हैं। (अन्तरिती)
- 3. (1) मैसर्स सिन्डीकेट बैंक सं.-28/1 रोसडोन्सी रोड, बंगलूर। (2) मेसर्स विजया बैंक सं. 28/2 रोसडोन्सी रोड, बंगलुर।

को मह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के ग्राजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त श्रिष्टिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रषं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावंज सं. 3389/80-81 ता. 17-12-1980) संपत्ती जिसका सं.-28/1 और 28/2, तथा जो रॉसडेन्सी रोड, बंगलूर-25 में स्थित है। चकाबन्दी है:--

सं . -28/1:---(कमर्सियल)

3-मों संपत्ती सं. 28/2, और मंचीर के संपत्ती ।

व-में एन्ट्रन्स और वीपीका हाटेल।

प्~में मन्दीर के संपत्ती और सं.-29 ।

प~में स्क्याङ्ग लीडर कृष्णन के संपत्ती।

सं . 28/2 :---

(र'सिड'न्सीयल)

पू-मे मन्दीर के संपत्ती।

प-में स्क्वाड़न लीडर कृष्णन के संपत्ती।

उ-में रीजेन्ट गेस्ट हाँस ।

द-में संपत्ती में 28/1।

डा. वी. एन. लिलिथ क्मार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयक्त (निरक्षिण) प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 जुलाई 1981

निद्येश सं. सि. आर. 62/29166/80-81/एसिक्यु/बी. — डा. वी. एन. लिल्थ कुमार राव लायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वादर सम्पत्ति, जिसका उनित बानार मूल्य 25,090/- द० से अधिक है

और जिसकी सं. 7 (ग्रोन्ड फ्लोर) है, तथा जो बालाजी लेजोंट वीलर रोड, एक्सटोनशन, कुक टाउन बंगलूर में स्थित हैं (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीन गर बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 18-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिए सम्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से धिक्षक है और सम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे सम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिशियत उद्देश्य से उका अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कचित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई कियी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी घन पा अन्य आस्तियों को, जिन्हें गारतोम भ्रायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या अन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1987 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः अवः जनतं वांधनियमं की धारा 269नां के अनुतरण में, में अन्त अधिनियमं की धारा 269नवं की जनधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--- 1. (1) श्री वी. ए. अब्राह्म (2) डा. (श्रीमती) मरियम, अब्राह्म, दोनों वडाखेत हों उत्तस, क्रोरियन्तूर पस्टि, थिरज्वेला, करेला में रहते ही।

(अन्तरक)

2 (1) श्रीमती अलिय्ह कासीम दिवंगत महम्मूद कासीम रोड एक्स्टेन्शन, कुक टोंजन, बंगलूर-5 (अब अ. नं. 2 अड्रोस में रहत ही) (2) श्री असद कासीम, श्री महम्मूद कासीम के पुत्र, फ्लेट सं. 3,-दूसरा महडी, ''सी'' ब्लाक, पार्सन जेमीनी सर्केस मद्रास-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के कर्जन के शिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शब्धि, औ भी शब्धि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर एक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, मघोहस्ताक्ष रो के पास सिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पच्छी करण :--- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पर्दी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्वे होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(बस्ताबेज सं. 3410/80-81 ता. 18-12-1980)
ाप्रमेसिस सं.-7 के ग्रान्ड फ्लोर, तथा जो बालाजी लेखोट,
वीलर रोड एक्सटेन्शन, कार्पोरिशन डिजियन सं.-49, कुक टौऊन, बंगलूर, में स्थित है, मेजरिंग 223 स्केयर मीटर्स। चक्रबन्दी है:---

उ-में प्रायिवेट संपत्ती । द-में प्रायिवेट संपत्ती। पू-में वीलर रोड एक्सटेनशन। प-में प्रायिवेट संपत्ती।

> डा. वी. एन. लिलथ कुमार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलुर,

तारीख : 3-7-1981

मोहर 🗄

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० 🖚

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्थन रच, बंगलूर

बंगल्र, दिनांक 3 जुलाई 1981

निद्रिश सं. सि.आर.-62/29167/80-81/एसिक्य/ बी. ---यतः मुक्ती, डा. वी. एन. ललिथकाुमार राषः, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000 / एउ. से आधिक हैं। और जिसकी सं. 7 (। प्लोर), बालाजी लेखोट, वीलर रोड, एक्सट नेशन, काक टाउन, बंगलूर, में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जिवाजीनगर, बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण मिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 18-12-80 को नुवीं कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकंस की लिए अंतरित की गई है और मुक्ते ग्रह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निशिवित उदद्येष्य से अन्नत अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य अतिस्वर्धों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्कत आधिजियम, या **भमकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ अण्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए:

जता: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, इक़्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) कै अभीन निम्नलिधित व्यक्तियाँ, वर्षात् :---6-216GI/81

- (1) (1) श्री वी. ए. अवाहम, (2) जा. (श्रीमती) मरियम अबाहम, दोनों वडाकथ हाउन्स, कोरियन्न्र पोस्ट, "िधरुविल्ला, करला के रहवासी हैं। (अन्तरक)
- (2) (1) अलिया कासीम, दिवंगत महम्म्द कासीम की पत्नी, (2) श्री सयीद कासीम, श्री महम्मूद कासीम के पूत्र, फ्लैट सं-3, ।। फ्लोर, "सी" ब्लाक पार्सन, जैमीनी सर्कल, मदास-6।

(अन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क्री लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित को कर्णन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अव्धि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता, जो उसे अध्याय में विया गया है।

(दस्तावेज सं. 3411/80-81, ता. 18-12-1980) प्लट सं-7 में बनाया हुआ प्रमेसिस के पहला महडी, तथा जो बालाजी लेबीट, बीलर रोड एक्सटेनशन, कुक टाउन, कार्पोरोशन डिविजन सं-49, बंगलूर में स्थित है।

चकबन्दी है:---**ज्--में** प्राधिवट संपत्ती। द--में प्रायिवेट संपत्ती। पू--में वीलर रोड एक्सटेनशन। प--में प्रायिवट संपत्ती।

> डा. वी. एन. ललिथक मार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 3-7-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायुक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 ज्लाई 1981

निद[®]श सं. सि.आर.-62/29464/80-81/एसिक्यू/ बी.--यतः मुभ्ने, का. बी. एन. ललितक्मार राव,

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मृल्य 25,000/-एत. से अधिक है और जिसकी सं 15 है, तथा जो 19 कास, मल्लेस्वरम, बंगल्य, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजी-नगर, बंगल्र, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता 19-12-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के उध्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारणा है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का परमह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अञ्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल. निम्नीलिखित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधितः-- (1) शारदा वेंकटेश् अयंगार, सं. 19, 19 वा कास्, मल्लेश्वरम्, बंगलूर, प्रतिनिधी हैं इनके पी.ए. होल्डर श्रीमती जानकी रघुनाथ।

(अन्तरक)

- (2) मेसर्स ज्योती बिल्डरस, सं. 27, जरनिलस्ट कालोनी, बंगलूर-560002, प्रतिनिधी है इसका मैनेजिंग पार्टनर श्री एल. पी. जैन । (अन्तरिती)
- (3) श्री डा. सी. के. आनंध, सं. 14, अरनिलस्ट कालोनी, बंगलूर-560002। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोगु में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रोंक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियों कारता हुं।

उन्नत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई जाकोपः-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 विन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं उसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाजित हैं, बही अर्थ होना जो उस अध्याय में विधा गया है।

मन्स्ची

(दस्तावेज सं. 4724/80-81, ता. 19-12-80) घर संपत्ती है जिसका सं. 14, 19 वा कास, मल्लोस्वरम, बंगलूर।

> डा. वी. एन. लिलथक्मार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलुर

तारीख: 15-7-1981

मोहरः ः

प्ररूप गाई॰ टी॰ एन॰ एस०-

आयकर ग्रिविनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

वर्जन रंज, बंगल्र

बंगलूर, दिनांक 15 जुलाई 1981

निद[े]श सं सि बार -62/29465/80-81/एसीक्य/ भी .--यतः मुक्ते, आ वी एन लिलकामार राव, बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पक्ष्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित्र बाजार मुख्य 25,000/- रह. से अधिक है। आरि जिसकी सं. 15 है, तथा जो 19 कास, मल्लेक्वरम, · बंगलूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अमृस्**ची** में और पूर्ण रूप से वर्णित ही, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजी-नगर, बंगलूर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता 19-12-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है पौर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहुश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित

> (क) करकरण से हुई किसी आय की शबद स्वस्त विध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के शिहर; बीड/वा

नहीं किया गया है:---

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन्या ज्ञाय आस्त्यों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम. की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के बधीन निम्नुनिचित व्यक्तियों, खुर्धात् है—

(1) श्री एन आर धेंकटेश, सं 19, 19 वा कास, मल्लेष्ट्रयरम्, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स पृष्पा प्रापुरटीस्, सं. 27, जरनिस्ट कालोनी, बंगलूर-560002, प्रतिनिधी है इसका मैनेजिंगु पार्टन्र श्रीमती पृष्पा जैन। (अन्तरिती)

(3) (1) डा. एस्. वी. सुबूमनियम, (2) श्री टी., श्रीनिवासन, (3) श्री जान वर्गीस, (4) श्री एस्., ए. हकीम, सं. 15, 19 कास, मल्लेष्ट्ररम्, बंगलूर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त मन्यत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्, खो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकारो।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तु वृधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बृही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्या है।

धनुसूची

(वस्तावेज सं. 4723/80-81, ता. 19-12-80) घर संपत्ती है जिसका सं. 15, 19 वा कास, मल्लेष्ट्ररम, वंगलूर।

> डा. घी. एन. लिलिथकुमार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रूज, बंगलुर

सारीख : 15-7-1981

मोहर 🦠

प्रयुप् आर्धक टीक एंगक ब्राच-----

व्यापंकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) सी बारा 269-व (1) के प्रधान सूचना

भारत सरकार

कॉर्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

वजीन रोज, बंगलूर

ंबंगस्र, दिनांक 15 जुलाई 1981

मिद के सं. सि. बार . -62/29735/80-81/एसीक्य्/ बी. —–यतः मुभ्ते, अा. वी. एन. ललितकाुमार राष, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है), की घारा 269-म के अक्षान सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्वातर सम्यति, जिपका खिनत बाजार मुख्य 25,000/- रू० से

और जिसकी सं. 891/114 है, तथा जो ।।। मेन, मागडी रोड, कार्ड रोड एक्सटनेशन, बंगलूर, में स्थित है (और इससे उपाबवब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अभिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुरम्, बंगलूर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता 9-2-1981

को पूर्वेक्ट सम्पत्ति के छमित बाभार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिश्वल के निए मन्तारत को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अपापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिला बाजार मृत्य, असके क्षथमान प्रतिफल से ऐसे यूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बंधिक हैं और अन्तरक (ग्रम्तरकों) और ग्रन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिधित उद्देश्य के *डक्न*ा भन्तरण **लिखित** मे बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आग की बाबस, उक्त ग्राणिनियम के प्रधीम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/द/दा
- (खा) एसो किसो आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत मिम्नियम, या अन-कर धर्मिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रवीधिमार्थ भन्तरिती श्रापी प्रकट नहीं किया गमा वा या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधाके लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त ग्रीभनियम की भारा 269-म की उपभारा (11) के वधीन निम्नुचिष्यु स्टिन्स्, वर्षात् :--

- (1) श्री पी. सिनास्था, श्री प्टटिलनाप्पा के पत्र, सं. आर -6 मानसगंगोत्री, क्वार्टरस्, मैसूर-6। (अस्तरक)
- (2) श्रीमती एच सी गीतादेवी विवंगत चैन्निशराव, सं 891 ∕14 , । । । कास रोड, मागडी **रोड,** कार्ड रोड एक्सटेमसम, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्रन सम्पत्ति के अर्घन के निष् कार्यवादियां करता हं।

एक्त सम्पन्ति के प्रजैन के मंत्रंध में कोई भी धाक्षेप ।---

- (क) इस स्थाना के राजपन्न में प्रकाशन की लारीख से 45 विनं की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचमा की तामील से 30 दिन की भवश्रि, जो भी भवश्रि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचत व्यक्तियों में से किसी **व्यक्ति शारा;** या
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख़ से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक कियो पत्न व्यक्ति हारा मधोतुस्ताक्षरी के पेता लिकित में फिए क मकेंगे।

रुवच्छीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त सक्रि-भिवन के भ्रम्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्च होगा, जो उस अध्याय में विया बना है।

धन् सूची

(वस्तावीय सं. 4517/80-81, ता. 9-2-81) घर संपत्ती है जिसका सं है 891/14, 111 मेन रोब, मागडी रोड, कार्ड रोड एक्सटेनशन, बंगलूर।

. चकबंदी हैं:~--उत्तर में ---सैट सं. 890। वंशीण में --सैट सं. 892। पूर्वमें ---।।। कास रोड। परचीम में --सैंट सं. 870।

> डा. वी. एन. ललिथक नार राव), सक्षम प्राधिकारी · सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलूर

तारीब : 15-7-1981

मोहर 🗓

प्रकृष बाह्र . टी . एव . एस . ------

गांबकर गाँधींगयम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 जुलाई 1981

निव[®]श सं. सि. आर. -62/28873/80-81/एसिक्य्/ बी.---यतः मुफ्ते, डा. वी. एन. ललितकुमार राव, स्त्रमकार विभिनियस, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात 'उक्त मीधीनयम' कहा नया है"), की बारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिलका उचित वाबार मृत्य 25,000 / रत. से अधिक ही **और जि**सकी सं जगह सं 1668 है, तथा जो बनगंकरी, बासपा स्टोज, बंगलूर, में स्थित ही (और इससे उपबद्ध अनुस्ची कों और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रोजस्ट्रीकर्ला विभिकारी के कार्या-स्य, जयनगर, बंगल्र, में रीजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (19.08 का 16) के मधीन सा. 27-11-1980 को नुर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के क्यमान प्रक्रिक से के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वा बस संपरित का उचित बाजार अभूष्य, अक्षके कस्यमान मिलकले से, एसे कप्रकान प्रतिफल का वस्तुष्ठ प्रतिशत से किभिक्त है और अन्तरक (कन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्रम भिम्नेसिवित उत्देश्य से उत्तर अम्तरण सिन्सित में बास्तीयक स्य से करियस नहीं किया नया है:--

- (क) अन्तरण के हुई किसी जाव की वावत, उक्त अधिनियम के अधील कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे अचने में सुविधा के दिला; और/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी अन वा अन्य ब्रान्सिकों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनिकों, 4922 (1922 का 11) या उकत विधिनिकों, या धन-कर बिधिनिकों, या धन-कर बिधिनिकों, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करोरिती ब्रुकारा प्रकट नहीं किया यवा था या किया बाना वाहिए था, क्रियाचे में सुविधा के लिए;

नतः अव, उन्त विधिनियम की धारा 269-न की, वनुसरण वो, यो, इन्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारत (1) के अभीन, निव्यक्तिष्मित् व्यक्तियमी, वृष्णित् :--

- (1) श्रीमती मल्लीगा श्री एम. वी. ए. श्रायगम के पत्नी, सं:-26/18, अपस्ट यर्स, फर्स्ट 'ए' मैं न रोड, 'एन' ब्लाक, राजाजीनगर, बंगलूर-560010। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती एस एम वीनीथा, श्री शिवसामय्या के पत्नी, त्यांटर, सूल्लक्की गांव, सकलेशपूर ताल्का, हासन जिला।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की समिश मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्वान की तामिल से 30 दिन की अन्निभ, जो जी समिश करों कर मंगर स्वाम कर से समाप्त होती हो, के मीतर पृत्रों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस बुक्का के राजपण में प्रकाशन की तारील के 45 दिस के भीतर उकत स्थापर सम्पत्ति में हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकोंगे।

स्थाध्यीकरणः -- इसमें प्रयूक्त कर्का और पर्धों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, कही अर्थ होना को उस्से कम्बन्ध में विस्था क्या ही।

and the

(दस्तायेज सं. 4431/80-81, ता. 27-11-1980 खाली जगह जिसकी रां.-1668, तथा जो बनसंकरी दूसरा स्टेज, बंगल्र, में स्थित ही मेजरिंग $95'\times60'$ ।

क्षकवन्त्री हैं:---

प---में जगह सं -1-687।

प---में रोज।

ज---में जगह सं. -1667।

प--में जगह सं.-1669।

डा. वी. एन. लिलिथक मार राज, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलर

तारीख : 28-7-1981

मोहर ः

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 जुलाई 1981

निर्देश सं. सि. आर. 62/29044/80-81/एसिक्यू— यतः मुक्ते, डा. वी. एन. लिलत कुमार राव् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं 8 (नया) है, तथा जो मिल्लर्स ट्यांक बंद रोड, कार्वेरियणा लेबीट बंगलूर-52 में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बंगलूर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-12-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का क्ष्मिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्या से किथ्त नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई जिल्ली आय की वायन, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अजने में स्विधा के निए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य झास्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 '(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण को, मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नकिष्टिक व्यक्तियों, अर्थाक्:-- 1 (1) श्री असबीर बजाज (2) श्रीमृती बसंतु काँर बजाज, श्री दालीप सिंग बजाज के पुत्र बाँर पत्नी सं -427/27, 10 मैन राजमहल विलास एक्स-दोनवान, बंगलुर में दोनों रहते हैं।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नंतुफरभंब, श्री मोहम्मद हवीबुल्ला खान के पुत्री और श्री और गभेब के पत्नी रत्नागिरी रोड, विकसंगलर जिला में रहते हैं।

(अन्तरिती)

3. अंतरक (वह ध्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्या सम्परित के जर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

नगत्त्रची

(वस्तायेज 3198/80-81 ता. 3-12-1980) सुला जगह जिसकी सं. 8 (नया) और पुराना सं. 3/5 है, तथा जो मिल्लर्स ट्रयांक बन्द रोड, कावेरियप्पा लेऔट, डिविजन सं.-59 सिविल स्टोशन, बंगलूर-52 में स्थित है और मेज-रिंग 490.5 रकेयर मीटर्स। चकबंदी है:---

उ-में रोड। 2-में प्रायिवट संपत्ति सं.-७। पू-में मिल्लर्स ट्यांक बन्द रोड। प-में प्रायिवट संपत्ती सं.-७।

> डा. वी. एन. लिलित कामार राव सक्षम प्रा<u>प्तिकारी</u> सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगसूर

द्निकः 25-7-1981

मोहरु∄

प्ररूप आहुं ० टी० एन० एस० -

आयकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 25 जुलाई 1981

निद्धां सं. सि. आर. 62/29881/80-81/एसिक्यू/बी. —यत: मुक्ते, डा. बी. एन. लिलत कुमार राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्र बाजार मृल्य 25,000/- रा से अधिक है

और जिसकी सं 3416, है, तथा जो 38 कास, 8 ब्लांक, जयनगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 7-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास बर्धने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जल्लरण से हुई निकसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जल्लरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

- (1) श्री (1) बी. के. सुख्वाराव और (2) बी. एस. लक्ष्मम्मा (श्रीमती अनस्या एम. राव, डा. आर. एन. एस. राव के पत्नी, ए. एम. कालेज, पी बी सं-2345, प्रारी ण्हिव टोक्सास, 77445, यू. एस. ए. के जी. पी. ए. हाल्डर) सं-6/1, बुल दोपल रोड, गवीपुरम एक्सटोन्जन बंगलूर-19।
- (2) श्रीमती (1) मालती सीताराम और (2) एस गिरीश श्री एन. वी. सीताराम के पत्नी और पृत्र, नलदुर्गा, सं.-89, डायगनल रोड, विश्वेश्वरपृरम, बंगलूर-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी महिक्सयों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ कोगा जो उस अध्याय में दिवा नया ही।

ग्रनुसूची

दस्तावंज सं. $609\cdot1/80-81$ दिनांक 7-3-1981 धर संपत्ती जिसकों सं. 34/6, है, सथा जो, 38 बी' कास, 8 ब्लांक, डिविजन सं. 34, जयनगर, बंगलूर में स्थित है और मेजिरिंग $40' \times 60'$ । चकबन्वी है:---

पू-में संपत्ती सं. 34/7। प-में संपत्ती सं. 34/5। उ-में संपत्ती सं. 29/4 और 29/5। द-में 38 'ए' कास।

> डा. वी. एन. लिसित कुमार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगस्र

कृत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-म के अमृत्रण मं. मं. उक्त अधिनियम की भारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिवित व्यक्तियों अर्थीन:

दिनांक: 25-7-1981

मोहरः

प्ररूपं आइ . टी . एन . एस . ------

जामकर अभिनिष्य , 1961 (1961 का 43) की धारो 289-व (1) के अधीन सृथना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

वर्जन रोज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 जुलाई 1981

्निदर्श नं 3980-ए/पी एन /कानपुर/81-82-- ज्लाः

मुक्ते, विवेक बनजीं,

भागकर भौधनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), को बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका जीवत बाबार मूख्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

बौर जिसकी सं. मकान 101/12, है, तथा जो बैकनगंज कीनपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-1-1981

जनान, विभाव, 23-1-1981
को पूर्वेषित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान
प्रश्लिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास
कार्य का कारण है कि यथापूर्वोकत संपरित का उचित बाजार
बूक्य, उसके क्रयमान प्रतिकल से, एसे क्रयमान प्रतिकल का
बन्धा प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती
कन्छिंशितभी के बीच एसे जन्तरिक को लिए तब बाया का अधिकार्य निम्मलिशित उच्चेष्य से उक्त अन्तर्ण जिल्लित में बास्तिक
क्ष्य से कन्तित नहीं किया नया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाव या किसी धन या अन्य ऑस्तिकी को, जिन्हों भारतीय आय-कर निधित्रधम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधित्रधम, या धन-कर निधित्रधम, या धन-कर निधित्रधम, ३९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनाय बम्तिस्ती बेकारा प्रेकट निहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने को समिन्या के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-यं को, अनुसरण में, में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-यं की उपभारा (१) को वधीन निम्नतिवित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती हफीजन वेवा हाफिजन, 2 मोहम्मद शकफी य मोहम्मद इस्माइल निवासी 101/127/बेकनगंज, कानपुर

(अन्तरक)

(2) श्री हाजी मोहम्मद इस्लाम बल्द मोहम्मद रमजान् निवासी 101/128 बेकनगंज, कान्पुर

(अन्तरिती)

को यह, तुमना जारी करके पृथमित सम्पृतित के अर्थन के सिह् कार्यनाहियां करता हूं।

खनत सम्पत्ति के अपीत के सम्बन्ध की कोई^स नी आहोप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 विन की अविभि सा तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध भाद में लगान्त होती हो, के मीनर पूर्वी कर व्यक्तियों में, से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्य किसी अन्य व्यक्ति क्वारा जमोहस्ताकरी के पास निकार में विक्ष था सकोंने।

त्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त धच्चों भीर पर्वो का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ क्षेत्रा को उस अध्याय में दिवा नवा है।

वन्स्ची

एक मकान नम्बर 101/129 बेकनगंत्र कामधुर में स्थितं

विवेक बनजी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र जागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, कानपुर

विनॉक: 7-7-81

25,000 / रु. से अधिक **हैं**

प्ररूप आर्ड . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन राज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 27 जुलाई 1981

आदेश सं. राज./सहा आ. अर्जन--यतः मुक्ते, एम. एल. चौहान,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के अभीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य

अरि जिसकी सं मकानात है तथा जो सीकर में स्थित है, (और इससे उपाबव्ध बनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय सीकर में, रिजस्ट्रीकरण जिथिनियम 1908 (1908 का 16) के ख्यीन, विनांक 15-12-1980

15-12-1980 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयंमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएकों क्त मंगीत्म का उचित बाजार मूल्य, उसकी स्वयंमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का एन्स्ट्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फा निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिब में वास्तविक स्वयं से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया भया था किया जाना चाहिए था, डिमाने में सुविधा के लिए;

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ्रां, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलक्ति व्यक्तियों, जर्धात् :----

7-216GI/81

(1) बी प्रयागराय उर्फ प्रयागनाशायण माथुर निवासीं सीकार

(अन्तरक)

(2) श्री सत्य नारायण पुत्र श्री जमनाधर खैतान निवासी सीकर

(अन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पृवाकित सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वों कर क्यांक्त क्यांक्त में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त क्षव्दां और पवां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यो

वार्ड नं. 5 सीकर में स्थित मकानात जो उप पंजियक, सीकर द्वारा कम संस्था 2280 दिनांक 15-12-80 पर पंजी-गद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम. एल. चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, जयपूर

दिनांक: 27-7-81

प्रकप धाई। टी। एन। एस।---

न्नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) भी सारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 जुलाई 1981

आदेश सं. राजु.∕सहा मा. वर्जन—यतः। मुभ्ते, एम्. एल्.

णोहान,
ग्रायकर ग्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिवित्यम' कहा गया है), की घारा
269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छितित

बाजार मूल्य 25,000/- हपये से प्रधिक है और जिसकी सं मकान सम्पत्ति है तथा जो सीकर में स्थित है, (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीकर में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक

31-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजाच मून्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की वई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाशार मूह्य, उसके बृश्यमान प्रतिषक से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से स्विक है और सन्तरक (सन्तरकों) भीर सन्तरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के बिए उस पाया गया प्रतिषक, निम्निशिक्ति उहेश्य से उच्त सन्तरम लिखित में वास्तिक क्य से कवित नहीं किया नवा है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनयम के धनीन कर देने के धन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ब्रिबिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ब्रिबिनियम, या बन-कर ब्रिबिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, जिपाने में सुविद्या केन्सिए;

धतः अव, उक्त प्रशिनियम की घारा 269-य के धनुसरण में में, उक्त प्रशिनियम की घारा 269-य की उपधारा (1) के अक्षीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री प्रयाग राम उफ्र प्रयागनारयण माधुर निवाती सीकर
 - (अन्तरक)
- (2) श्री बनवारी लाल पुत्र स्व. श्री घीसालाल विदाबतका नि सीकर (अन्तरिती)

को यह भूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यकाहियों करता है।

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जी भी धविध बाद में सभाष्त्र होती हो, के भीतर पूचीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-वद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा धन्नोहस्ताक्षरी के पास विक्षित में किए जा सकेंगे।

स्थाधीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्यो का, जो उदन धिवियम, के अध्याय 20-क में परिकाषित है, बही भर्ष होगा जा उन भव्याय में विवा गया है।

धन् सूची

वार्क नं. 5, सीकर में स्थित मकानात जो उप पंजियक, सीकर द्वारा कम संख्या 2281 दिनांक 31-12-80 पर पंजि-बत्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम. एल. चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्थन् रेषु, जयपुर

दिनांक: 27-7**-**81

प्रसप साई । ही । एन । एस ।----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 जुलाई 1981

आविश सं. राज . /सहा आ . अर्जन---यतः मुक्ते, एम . एल .-भौहान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'खबत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित रुपमे यधिक है बाजार मृत्य 25,000/-स और जिसकी सं. है तथा जो सीकर में स्थित है, (आरि इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रीज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीकर में, रिषस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-12-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृध्य से कम के दृश्यम।न प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का द्धवित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्याम प्रतिकान से पम्बद्ध प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित तहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, सक्त अधि-शियम, के अंधीन कर देवें के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जारितयों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीजनार्व सम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

(1) श्री ठाकर उम्मेद सिंह पुत्र स्व श्री करण सिंह राजपृत निवासी वार्ड नं 14 (पुराना), डोरा अल मशहूर, छोटी सिहाट, सालासर बस स्टेण्ड के पास, सीकर (राजस्थान)

(अन्सरक)

(2) श्री सीकर सिनेमा संस्थान, सीकर द्वारा विकित्त पार्टनर श्री गिरधारी लाल पुत्र महाबक्का मिश्री, गणेक्षजीकी गली, खेजारों का मोहल्ला सीकर (अन्तरिती)।

को यह सूचना प्रारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 36 दिन की भविष, जो भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबढ़ किसी भाग्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त घड्यों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्ष होगा, जी उन ग्रध्याय में दिया क्या है

अनुसूची

पुराने मकानाशों सिहित प्लाट, वार्ड नं 14, सीकर जो उप पंजियक, सीकर ब्वारा क्रम संख्या 2185 दिनांक 24-12-80 पर पंजिबक्ष विकास पत्र में और विस्तृत रूप् से विवरणित् है

> एम. एस. चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजु, ज्यपुर

प्रतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपवारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत :---

विनोंक: 27-7-81

प्रारूप आर्घ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के आधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, ज्यपुर

जयपुर, दिनांक 29 जुलाई 1981

आदोष सं. राज् /सहा क्षा. अर्जन--युत्त मुक्ते, एम्. एज्. चौहान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हुरी और जिसकी सं. प्लाट नं. 74 है तथा जो जयपूर में स्थित में स्थित ही, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय जय्पूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-12-1980 का पूर्वनित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से, एसे रूपयमान प्रतिफल का पर्युह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है।:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिगों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 296-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अधीत्:—

- (1) श्री श्रवण का मार बन्सल पुत्ररामेश्वरदास बन्स्स नि अर्जन भवन, गोतम मार्ग, सी-स्कीम, जयपूर।
 (बन्तरक)
- (2) श्री धर्मपाल गुप्ता पुत्र लाला ताराचन्त गुप्ता नि.ा चौकड़ी गंगापोल, अयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जयपुर शहर सिविल जाईन क्षेत्र ह्वासड़क (जीवनसिंह कालोनी) केशवनगर में एक प्लाट नं. 74 जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 3131 दिनांक 10-12-80 पर पंजिबद्ध विकथ पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम्. एलः चौहान् सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रुज्, ख्युप्र

विनांक: 29-7-81

मोहरः

प्रकृप साई । ही । एन । एस ---

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) सी छारा 289-च (1) के प्रक्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्योलय सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

वर्षन रोष्, ष्यपुर जयपुर, विनांक 28 जुलाई 1981

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उन्द अजिनियम' कहा गया है); की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-२० से अधिक है

और जिसकी सं. डी-220 सी है तथा जो जयपुर में स्थित, है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित, है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-12-1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के खिकत बाजार मृत्य से अम के बृहरमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है जोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्म, उसके बृहयमान प्रतिकत से, ऐसे बृहयमान प्रतिफल का पत्मह प्रतिक्रत से प्रधिक है भीर घन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितिकों) के बीच ऐसे घन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है ——

- (क) सन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उपत क्षितियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के दायित्व में क्षमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; कौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर घिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, जिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, बावः, उक्त अधिनियम की बारा 269-न के सनुवारण में, मैं उक्त प्रविनियम की धारा 269-न की उपवारा (1) के ब्रामीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, सर्वातः—

- (1) श्री मेजर नी वास्तुदेव राव पुत्र वालको राव निवासी 220 की भाष्कर मार्ग, बनी पाक, क्यपूर (बन्तरक)
- (2) श्री धनस्यामदास अग्रवाल पुत्र श्री वी. एत. अग्रवाल निवासी सी-90, बापूनगर, जयपूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाश्वियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आसीप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 48 बिन की अवधि या तरसभ्यन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की धवकि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति हारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदो का, जो उसत अधि निजय के अध्याय 20-क में परिमाधित है, वही अर्च होगा जो सस अध्याय में दिया गया है।

वनप्रची

प्लाट नं. डी-220 सी भाष्कर मार्ग, बनी पार्क, जयपुर पा उप पंजियक, जयपुर व्वारा कम संख्या 3216 विनांक 27-12-80 पर पंजिबव्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हो।

> एम. एल. चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्थन रेष, जयपुर

विनांक: 28-7-8**1**

प्ररूप आई०टी∙ एन॰ एस∙—

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भागृक्त (निरीक्षण) कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीाण) अर्जन रेज, जयपूर अयप्र, दिनांक 28 जुलाई 81

बादोश सं, राज-सहा<u>,</u> बा<u>.</u> अर्जन---युद्: मुक्ते, एम. एल

'चौहान ,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-**स के अधी**न सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-एतः संअधिक हैं

और जिसकी सं. डी-220ए हैं तथा जो जयपूर में स्थित हैं, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर मं, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 27-12-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम क दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्ल संपरित का उमिल बाजार भूल्य, उसको दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रात्शत स अधिक हो आर अन्तरक (अन्तरकों) आर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिखत उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ∕रूप स कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- मा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अपिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया एया भाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कत: भव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---

- (1) मेजर बी. बास्देव राव पुत्र बालजी राव निवासी 220 डी. भाषकर मार्ग, बनी पार्का, जयपूर। (अन्तरक)
- (2) श्री सुरोश कामार अग्रवाल पूत्र श्री डी. अग्रवाल निवासी सी-90 बापू नगर, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्नल सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :-

- (क) इस स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की टारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्बष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्लाट नं.डी- 220 ए भाष्कर मार्ग, बनी पार्क, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर बुवारा कम संख्या 3218 दिनांक 27-12-80 पर पंजिबद्ध विकय पुत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम् एल पहान् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

तारीख 28-7-81 मोहर:

प्रकष ग्राई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की रारा 269-ए (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीजण) कार्यालय सहायक आयकार आयुक्त (निरीणण) अर्जन रॉज, जयपूर जयपूर, दिनांक 29 जुलाई 81

आदिश सं. राज/सहा. आ. अर्जन—यतः मुक्त, एम. एल. चौहान,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत प्रधिनियम' कड़ा गण है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिनका उजित याजार मूल्य 25.000/-स्पर से प्रधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 49 है तथा जो कोटा में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारों के कार्यालय कोटा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 15-12-80

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से प्रथिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण में हुई किसी प्राय की बाबन, उक्त प्रिष्ठ-नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ गास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अंतः, अब, उक्त प्रिप्तियम की धारा 269-म के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भ्रष्टीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :-- (1) श्री मांगी लाल लाख्य आस्म श्री कालू लाल जी मुख्तार आम श्रीमति सुखारानी जैन धर्मपरित श्री एन . सी. जैन निवासी प्रभूमार्ग तिलक नगर, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री भीमराज जी आत्मज श्री महावरी प्रसाद जी निवासी कोटा

(अन्तरिती)

को यह मूबना जारी क्रके प्योंका सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यशाहियां करता है।

उनन सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस मूलना के राजपब मे प्रकालन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पक्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय म विया गया है।

धनुसूची

मकान स्थित शोपिंग सेन्टर प्लाट नं . 49 पर बना हुआ जो उप पंजियक, कोटाद्वारा कम संख्या 2057 दिनांक 15-12-80 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित ही।

> एम एल मिहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

तारीख 29-7**-**81 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य सहास्क भायकर नायुक्त (निरीक्षण) नर्जन् रोज, जयपूर जयपूर, दिनांक 28 जूलाई 81

आदेश सं राज-सहा. आ. अर्जन---यतः मुक्ते, एम. एल. चौनान

आवकर अधिनियम 1961 (1961 का '43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त पश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269 च के घ्रधीन सक्तम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द • से अधिक है और जिसकी सं. प्लाट नं. 12 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कर्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-12-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यामम प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह बिज्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत बिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित अहेश्य से सकत बजराण लिखित में वास्तिवन कप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई शिसी थाय की बाबत उपत प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (क) ऐसी किसी घाय या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कए ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिसित स्थितिस्यों अर्थात् ६--

- (1) राजस्थान बँक लिमिटेड, उद्ययपुर
- (बन्तरक)
 (2) श्री जनिल सिंह राणावत पूत्र श्री रचुवीर सिंह राणा-वत निवासी 12 विवेकानन्द मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर

(जन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुतूची

प्लाट नं. 12, विवेकानन्द मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर का भाग जो उप पंजियक, जयपुर व्वारा कम संख्या 3157 दिनांक 18-12-80 पर पंजिबद्ध निक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम एल चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

तारीख 28-7-81 मोहर: प्ररूप माई.टी.एन.एस.-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व(1) के भ्रधीन सूचका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

वर्जन रोज, जयपुर

जयप्र, दिनांक 28 जुलाई 1981

अविषे सं. राज-सहा. आ . अर्थन---यतः मुफ्ते, एम. एल. चौहान

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह वि: अयावर सम्पति, जिसका उपित वाकार शल्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 12 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमे उपावद्ध अनुमुत्री में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिषस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अयप्र में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 31-12-1980

को पूर्वेक्त संपरित के उपित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास दार का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्थ, उसको रूपमान प्रतिकल से, एसे रूपमान प्रतिकल का पन्त्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्हीलियत उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्य में कथित नहीं किया गया है:--

- (का) अन्तरण से **हुए** किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

कतः नवः, उक्त मधिनियमं की भारा 269-गं के, अनुसरण में में, उक्त मधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)

के बधीन निम्हिलिश्ति व्यक्तियों वर्षाह:--

(1) दी बैंक आफ राजस्थान लिमिटेड, म्स्यालय उदयप्र

(अन्तरक)

(2) श्री रिवन्द्र सिंह, 12 विवेकानन्द मार्ग, सी-स्कीम,

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कन सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सबनाकी तामिल से 30 विन को अवधि , यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वाग;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंग।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उपस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही बर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लाट नं . 12, विवेकानन्द मार्ग, सी-स्कीम, जवपूर का भाग जो उप पंजियक, जयपुर दुवारा कम संख्या 3352 दिनांक 31-12-80 पर पंजिब्द्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम. एल. पहानि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपूर

तारीच 28-7-81 मोहर:

8--216GI/81

प्रकृप् आह^{*}.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 जुलाई 1981

ं आदिश सं. राज-सहा. आ. अर्जन——यतः मूक्ते, एम. एल. वाहान,

आयक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें सक्ते पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं भकान संपत्ति है तथा जो जयप्र में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-12-1980

का प्यांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित वाजार मूला, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922, का 11) या जकत अधिनियम, रा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :---

(1) श्रीकर्नल एस. पी. बवेजा, ए-1/45 पंचश्वील एन्-क्लेय, नर्इक्टिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री जे. भटनागर, 5 ज 16, जवाहर नगर, जय-प्र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाँ कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्परित में हितबद्ध ु
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त घन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

यगस ची

5 ज 16 जवाहर नगर, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 3298 दिनांक 31-12-80 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> एम. एल. चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयपुर

तारीस 28-7-81 म**ोह**ुर : प्ररूप आई० टो० एन० एस०---

आयकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 **प** (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्षा तय, सहायक प्रायक्षर भायुक्त (निरीक्षण) वर्षन रोष, ज्यपुर

जयपूर, दिनांक 27 जुलाई 81

आदिश सं. राज-सहा. आ. अर्जन——यतः मृक्ते, एम. एल. चौहान,

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रवितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- म॰ से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 12 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपावस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है) रिजस्ट्रीक र्ता अधिकारी के कार्यालय अथपुर में, रिजस्ट्रीक रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख - 18-12-80

को पूर्वोक्त संपरित के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त संपति का । उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकार मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्नरण निष्कित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ब्रुक्तरण से हुई किसी आय की वावत , तक्स अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे कचने में सुविद्या के जिए; प्रीर/मा
- (ल) ऐसी किसो अप या किसी धन या अन्य आहितयों की जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो- जनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त धिवियम की बारा 269-न ने धनुतरण में, में, उक्त धिधिवियम की बारा 269-व की उपजारा (1)

के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धात् :----

- (1) राजस्थान बैंक लिमिटेड, उदयपुर।
- (अन्तरः
 (2) श्रीमती अर्जुन केवर पत्ति श्री रघूवीर सिंह निवार 12 विवेकानन्द मार्ग, सी-स्कीम, षयपुर।
 (अन्तरिती

को यह भूवना जारो करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के सर्थन के सिए कार्यवाहियां सरता हूं।

उरत सम्पत्ति से प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्स्यक्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, भी भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपक्ति में हितवद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा गर्कों।

स्पद्धीकरण :--द्समें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिमाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अख्याय में दिया गया

मनुसूची .

प्लाट नं. 12, विवेकानन्द मार्ग, सी-स्कीम, अयपुर का भाव जो उप पंजियक, जयपुर व्वारा कम संख्या 3155 विनांव 18-12-80 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप स विवरणित हो।

> एम. एल. चौहाः सक्षम प्राप्तिकार सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षणः अर्जन रेज, जस्पूर

सारीच 28∗7-81 मोहरः

(अन्तरक)

प्ररूप आई० ठी० एन० एस०---

आयकर बांधिनियम, 1961 (1981 का 43) की घारा 269-म (1) के अधीन भूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रोज, ज्यपुर

जयपुर, दिनांक 27 जुलाई 81

आविश सं. राज-सहा आ. अर्जन---यतः मुभ्ते, एम. एस्. चौहान,

धायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'बक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सबस प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संवस्ति, जिसका छिक्त गाजार मूल्य 25,000/-र• से अधिक है और

जिसकी सं. की 220 बी है तथा जो जगपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिज-स्ट्रीकर्ताविधिकारी के कार्यालय, जगपुर में, रिजस्ट्रीकरण विधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-12-80 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उत्तित वाजार मूल्य से कम के वृण्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मूल्य, उसके दृण्यमान प्रतिकल से ऐसे वृण्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिमत अधिक है यौर अन्तर्स (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय याया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उन्तरण के निए तय याया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उन्तरण के निए तय याया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उन्तरण निवित्त में वास्तिक रूप से अधित महीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत सकत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उपसे अवने में मुजिधा के लिए; घीर/या
- (म) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिल्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर ग्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रयोजनार्थ ग्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रवः, उक्त ग्रविनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रवीन, निम्मकिबित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री मौजर वी वासुदोव राव पुत्र बालाजी राव निवासी की 220 भष्कर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर
- (2) श्री गिरधारी लाल अग्रवास पृत्र श्री बी. एने. अग्र-न वाल निवासी सी-90, बापू नगर, अथपुर।
 (अन्सरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थेन के लिए कार्यवाहियाँ करना है।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी क्षाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत म प्रकाशन की उत्तरीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध
 बाद में समाप्त होती हो, प्रभीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा:
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकानन को तारीख सै
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितवद्ध किसी मन्य स्थक्त द्वारा, मधोहस्ताकरी
 के पास लिखित में किए ना सकेंगे।

स्पच्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का जो अकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा, जो सस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डी-220 नी भाष्कार मार्ग, ननीपार्का, अयपुर जो उप पंजि-यक, जयपुर द्वारा ऋम संस्था 3217 दिनांक 27-12-80 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम. एन. **पहा**न् सक्षम प्राधिकारी सहायक आमकर आयुक्त (निरक्षिण) कर्षन र**ेष**, जयपुर

वा**रीय 27-7-81** मोहर: प्ररूप बाइं.टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यां जय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्थन राज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 27 जुलाई 81

आदोक्स सं राज-सहा आ अर्जन---यतः मुक्ते, एम एस स् चौहान,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मूह्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं. प्लाट नं. 12 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 18-12-80

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्या, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिवक रूप में किथन नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने यो उसमें बचने में मृजिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करी जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) दी वैंक आफ राजस्थान लिमिट ड मुख्यालय उदयपुर (बन्तरक)
- (2) रघूबीर सिंह निवासी 12, विवेकानन्य मार्ग, सी-स्कीम, अयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्राँक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पर्तिस में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनस्पी

प्लाट नं 12, विवेकानन्द मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर का भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 3156 विनांक 18-12-80 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से. विवरणित हैं।

> एम. एस. **चौहान** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन र[्]ज, जयपुर

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मक्षिणित व्यक्तियों, जर्जात् ६---

तारी**च** 27-7-81 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०------

भ्रापकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-च (1) के प्रधीन मुचना

भारत सरकार कार्यालय, महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रॉज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 जुलाई 81

आदेश सं राज-सहा आ अर्जन--यतः मुक्ते, एम एल विहान,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 हा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रश्नितियम' कहा गया है) की घाराः 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप पश्चित, निर्हा हिया ग्रागर पृष्य 25,000/- ६४ए में अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 18 है तथा जो जयपूर में स्थित है, (और इससे उपाबक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 31-12-80

31-12-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने था कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनक दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिकत से अधिक है भीर यन्तरक (अन्तरकों) भीर पन्तरिती (अन्तरितियों) ह वीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्श्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का म निया नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त श्रीध-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्सियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रीधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भुविद्या के लिए।

वतः वस, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग को, वनुसरण में, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निक्षित व्यक्तियाँ वर्षातु:--

- (1) सुधीर सींघल पुत्र दोवकी नन्द सिंघल, 1 उद्योग मार्ग, कोटा स्वयं एवं म्स्तार सास श्रीमती शीला दोवी, शशी गुप्ता आदि।
- (अन्तरक) (विन्तरक) (विन्तरक) (विन्तरक) (विन्तरक) (विन्तरक) (विन्तरक) (विन्तरको (विन्तरको सम्बद्धिक प्रतिस्था, कोटा। (विन्तरिती)

को पह भूवता बारो कर ह प्वॉका सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी स्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में न किसी, व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सहेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त जब्दों भीर पदों हा, जो उक्त भ्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टमाय में विया गया है।

प्र**नुस्**धी

जयपुर नगर चौकड़ी हवाली शहर सरदार पटोल मार्ग, जयपुर में भूलेश्वर बाग में स्थित प्लाट संख्या, 18 जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 3294 दिनांक 31-12-80 पर पंजिबद्देश विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम एल पिहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्तर (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

तारीख 27-7-81 ः मोहारः: प्ररूप भाई० टी॰ एम॰ एस॰----

आयकर ग्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269•व(1) के ग्रामीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर धायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, नागपुर

नागपूर, दिनांक 25 मद्दे 1981

निवर्षेक्ष सं. नि स आ/अर्जन/174/81----यतः मुक्ते, ए. एम. खेर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशान 'उन्न अधिनियम' कड़ा गया है), की धारा 269-का के अधीन नक्षण प्राविकारों को, यह विक्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/-रुपण से अधिक है

और जिसकी सं ख. नं 14२, बलाक नं 266 है, जो घोडपेठ तह. बरारा, जिला चंद्रपर में स्थित है (और उसके उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरारा, डाक मेंट सं 1936/80 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास हरने हा कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और सन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित सहेश्य से उच्त अस्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से क्षित नहीं किया गया है:——

- ्चं च्रायतरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त प्रधिनियम के प्रणीत कर देने के सक्तरक के व बासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्त्यों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या भन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्थिश्व के सिए:

शत अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-म के अनुमरण में, में, उक्त धीवनियम की धारा 269-म की छपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) गरमोदया सिंग भद्रावती पब्लिक ट्रस्ट, तह. वरोरा।

(अन्तरक)

(2) क्रुमार रोजगार सहकार संस्था भद्रावती, तः वरारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्य क्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवित, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों पें से किसी क्य कित द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास विश्वितं में किए जा सकेंगे।

बर संची

ससरा नं. 142, बलांक नं. 266, धोडपेठ बरोरा, जिल्हा चंद्रपुर।

> ए. एम. चेर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, नागपुर

वारीख : 25-5-1981

मोहरु ः

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 m 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

भागालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन क्षेत्र, लखनऊ

लखनक, विनांक 2 जून 1981

निर्दोश नं. एल-33/अर्थन---अत: अमर मभें, सिंह बिसोन, **अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे** इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने **का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मू**ल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी संख्या 215 खाता नं 70 है तथा जो ग्राम मझोली मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीस 10-12-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यशान प्रतिफूल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति हा उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यम प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम

पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण

लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाग्रिस्त में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात्:— (1) श्री प्रेमा पुत्र श्री कल्लु।

(अन्तरक)

- (2) मैंसर्स लेबर सहकारी आवास समिति लि। मूरादाबाद द्वारा अध्यक्ष विषेन्द्र किशोर भटनागर व मंत्री श्री मेम सिंह।
 - (अन्तरिती)
- *(3) उपरोक्त (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्सूची

एक किता भूमिदारी प्लाट नं. 215 खाता नं. 70 क्षेत्रफल एक एकड़ छियालिस डिसमल अर्थाल् 5908.42 वर्गमीटर स्थित मोजा मझोली परगना व जिला मुरादाबाद तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडोड एवं फार्म 37-जो संख्या 5746 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार, मूरादाबाद के कार्यालय में दिनाक 10-12-1980 की किया जा चुका है।

अगर सिंह विसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्थन रेज, लखनुतः

तारीच : 2-6-1981

मोह्रु 🕃

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन् क्षेत्र, लखनजः

लबनका, दिनांक 10 जुलाई 1981

निर्देश सं जी काई. जार संख्या एम-123/जर्जन--जतः मुक्ते, इसर सिंह बिसेन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या सी. के. 22/9 है तथा जो मोहल्ला कबीर चौरा झण्डाटाले में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध केंन्सूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 1-12-1980

का पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के जिए;

बतः नव, उक्त निर्मानयम की भारा 269-म के नन्तरण में, मैं, उक्त निभिन्यम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, नभीत् :——
9---216GI/81

- ं (1) श्री भगवानदास चेला स्वः हरिकदेवानन्द। (अन्तरक)
 - (2) श्रीमती मीरा भार्गव।

(अन्तरिती)

(3) श्री भगवान दास (उपरोक्त अन्तरक) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारी ब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उसस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

मकान नं. सी. के. 22/9 स्थित मोहस्ला कवीर चौरा भण्डाटांल, वाराणसी तथा वह सम्पूर्ण सम्परित को सेंसडीड और फार्म 37-जी संख्या 12264 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्टार वाराणसी के कार्यालय में विनांक 1-12-1980 को किया जा चुका है।

जमर सिंह विसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र, सक्तनज्ञ

तारीच : 10-7-1981

प्ररूप आहर् .टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, बम्बद्द

बंबर्ड, दिनांक 21 जुलाई 1981

निद[®]ष सं. ए. आर. 1/45/18 10/80-81---- अतः म्भो, स्थाकर वर्मा, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विख्वास 'कर' का कारण है कि स्थावर सम्पति . जिसका उचित अज्ञा मृत्य 25,000 / रा. से अधिक ही और जिसकी सं. सी. एस. नं. 1502 भूलेश्वर डिव्हीजन है तथा जो विठठल वाडि में स्थित है (और इससे उपाबद्धध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 8-12-1980 को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रसिक्तल को लिए अन्तरित की गई है अरैर मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापुत्रों क्त संपरित का उचित बाजार म्स्य, उसके दरयमान प्रतिफाल से, एसे दरयमान प्रतिफाल के पन्यह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिल में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1992 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियाँ अर्थात:— (1) 1. सलीम महमद हाजी अब्बुल्ला, 2. फरूक महमद हाजी अब्दुल्ला, ३. हनीफ महमद हाजी अब्बुल्ला, 4. सबेरी महमद हाजी अब्बुल्ला, 5. हमीदा महमद हाजी अब्बुल्ला और 6. फरीदा हाजी महम्द अब्बुल्ला।

energene film (m.) 1970 (deep film). Die filmelendere film

(2) सर्दाबानु काझी फकरूब्दीन मौलाना कि कन्या काझी फकरूब्दीन एम. हुन्तन मौलाना पिताजी।

(बन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रोप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

मन्सूची

. अनुसूची जैसा कि विलेख सं. बंबई /214/80 वंबई उपरिजस्ट्रार अधिकारी द्वारा विनाक 8-12-1980 की रिजस्ट के किया गया है।

सुधाकर वर्मी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रज-1, बस्बद्

तारीख: 21-7-1981

मोहर 🖫

प्ररूप बाई .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^उज-।।, बंबई

बंबई, दिनांक 28 जुलाई 1981

निदं सं. ए. आर. ११/३०९५.९/दिस. ८०--- जतः मुक्ते, संतोष दत्ता,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. फायनल प्लाट नं. 13 बी न्यू प्लाट नं. 47 सी. टी. एस. नं. 510 है तथा जो विले पार्लें में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में रिजस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-12-1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उबसे बचने में स्विधा के सिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अप्तः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिक्ति स्यक्तिसयों सर्थात्:-- (1) श्रीमती सुलेखा एसः तलपदः, संदिपः एसः तलपदः।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स बिल्ड क्विका।

(बन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशोंकत सम्परित के अर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ह्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं एस. 1092/78 वंबई उपरिजस्ट्रार अधिकारी व्वारा विनास 19-12-80 को रिजस्टड किया गया है।

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजना।, व्यम्बई

तारीब : 28-7-1981

मोहर ः

प्रकृष शाई० टी० एम०, एस०--

नायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्थन रॉज-।।, बंबर्ड कंबर्ड, दिनांक 28 ज्लार्ड 1981

निवर्षेश सं. ए. आर. ।।/3110.24/दिस. 80--जतः मुक्ते, संतोष दस्ता,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खं के ज्ञित सक्तम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/ रुपये से धिक है

बीर जिसकी सं प्लाट नं 33 बी टि पी. एस ।।/सी. टी. एस नं 1063 है तथा जो जुहू तारा रोड में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में रजिस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीब 30-12-1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिलत बाजार मृहम से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृहम, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल है भीर अन्तरिक प्रे प्रिक्त है भीर अन्तरिक (अन्तरिकों) को बीच ऐसे अन्तरिक के लिए उस पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेग्य से छक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत जनत प्रधि-नियम के मधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (क) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ब्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उनतं श्रिविनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था खिपाने में सुनिक्षा के लिए;

ग्रतः, श्रवः, उक्त अधिनियमं की घारा 269-ग के भपु-सरणमें, में, उक्त अधिनियमं की घारा 269-थ की उपघारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, ग्रयांत :--- (1) श्री प्रकाश चंद्र एम. वर्मा, शतीं दर कामार एम. वर्मा।

(अन्सरक)

[माग III----वाप्ट 1

(2) जुहू सून 'एन' सी को. आप. हा. सो. लिमि-टेके।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सुवना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की पविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस नूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी प्रत्य काक्षित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हनक्तीकरम :---इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पर्वों का, जो उक्त भिन्न नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसची

बनुसूची जैसा कि विलेख नं. आर. 4965/72 वंबई उपरिकरद्रार अधिकारी द्यारा दिनीक 30-12-80 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-।।, ज्यार्ड

त्रारीच : 28-7-1981

मोहरू ३

प्रक्ष-आई • दी • एव • एस०----

बायकर बिधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के बधीन सुचना

भारत स**रका**र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, बंबर्ड बंबर्ड, दिनांक 21 अगस्त 1981

निवर्षा सं. ए. आर. ।।/3118.5/जन. 81--- अतः मुफ्ते, संतोष दत्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- त से अधिक ही

और जिसकी सं. सी. टि. एस. नं. 4/258 एन. ए. नं. 171 एच. नं. 20 है तथा जो संता कृष्ट वेस्ट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 16-1-1981

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दियमान प्रितिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रश्च प्रतिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसित उद्देष्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण संबुद्ध किसी बाम की बाबत उक्त कथि-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दामित्व के कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का i1) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिप्पाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण के, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अपेधारा (1) के अधीन निम्नतिचित व्यक्तियों अधीत् :-- .(1) (1) पेस्तनजी हिरजी भाग बेलगमवाला (2) फिरोज नवरोजी दरोगा (3) पिरोज नवरोजी दरोगा (4) बनु नवरोजी दरोगा।

(अन्तरक)

(2) दिनार प्रिमेसेस को . आप . हा . सी . लि .। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वाकृत सम्पोत्त के अर्थन के लिए, कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उकत स्थायर संपत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्त्र्ची

अनुसूची जैसा कि जिलेख नं एसः 2152/78 अंबद्दे उपरिजस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनाक 16-1-81 को रिजस्टड किया गया है।

> संतोष दत्ता सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रंज-।।, बुम्बई

तारीब : 21-8-1981

प्ररूप आई.टी.एन एस.,------

आयकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, बम्बहाँ

🕟 बम्बर्ड, दिनांक ७ अगस्त 1981

निदेश सं. ए.बार.-।।/3091.5/दिस. 80---अतः मुक्ते, संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं सी एस नं 2008 है, तथा जो माहिम डिवीजन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्स्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बांदरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनमय, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-12-1980

को प्रांक्त संपर्तित के उचित बाजार मन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपर्तित का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्कह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों अधीत् :--

(1) श्रीमती इंदिरा महादेव ओशी, मधु महादेव ओशी, जान मधु ओशी, शैला मधु ओशी, स्धा श्रेंद्रकांत ओशी, विनया विश्वनाथ ओशी।

(अन्तरक)

- (2) महादोव गणपत साली, सहदोव गणपत साली। (अन्तरिती)
- (3) टोर्नट्स। (वह व्यक्ति, जिसके अधियोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पृथा किस सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्धों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसर्वी

अनुसूची जैसा कि विलेख सं. 501/1977 जाइन्ट उप-रिजिस्ट्रार द्वारा दिनांक 8-12-80 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कर्जन रोज-।।, अम्बद्ध

विनांक : 7-8-1981

प्ररूप आई. टी.एन.एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्तर आय्वस (निरीक्षण)

्वर्जन र्ज-।।, मग्रास

मद्रास, दिनांक 1- जून 1981

निद्रें श सं . 15817--यतः मुक्ते, आर . रविचंद्रन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार™ है कि स्थावर संपति, जिसका लिखत बाजार मृल्य 25,000 र में अधिक है

और जिसकी सं 829 है, जो माउट रोड, मद्रास-2, में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास साउथ, (डाक मेंट सं 2552/80) में भारतीय रिजर्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16 दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपरिस के उचित बाजार मुख्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- एन निम्नलिखित उद्देश्य में उन्त अन्तरण जिन्हित के बाम्पण्कि स्प से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या लक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थातः-- (1) एक्सप्रैस न्यूजपेपर्स (प्रा.) लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नयन सुन्दरी।

(अन्तरिती)

(3) बेटा, इंडिया गाडरोज और बायस, सेंट्रल बैंक और 64-टोनंट्स।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्परित हैं)

को यह स्वना जारी करके पूर्वों क्त सम्पन्ति के बर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पात्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जौ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भृषि और निर्माण 829, माउट रोड, मदास-2। (डाक्मेंट सं. 2552/80)

> आर. रविषद्रन सक्षम प्राधिकारी. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, मद्रास

तारीख : 1~6-1981

मोहर 🗈

प्ररूप आद्दो.टी.**एन.एस.----**--

जानकर जिभिनियम, 1.961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 जुन 1981

निद्देश सं. 36/दिसं./80—यतः मुभी, आर. रिवचंद्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातं 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बंत, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 110 और 110-ए, इस्ट कार स्ट्रोट, सिय-कासी है, जो मद्रास, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिवकासी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-12-1980

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विष्वास कर्रने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रितिफल से, एसे स्थमान प्रितिफल का पन्त्रह प्रितिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रितिक का निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे अपने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

जतः सम, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के, अनुसरका में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन निम्निसिक्त व्यक्तियों अर्थातः--

(1) श्री एम. एल नारायण तुन्तिरी। चलम और अजबर, सिवकासी।

(अन्तरक)

(2) श्री ए. पी. अरुनाचसम और जनदर, सिवकासी। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए था सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त । जिथिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसुची

(भूमी जाँर निर्माण जतः 110 जीर 110-ए, इस्टि कार स्ट्रीट, सिनकासी। डाकामॅंड सं∶ 4953/80)।

> आर. रिवचंद्रन सक्षम प्राधिकारी सहाबक आयंकर आयंक्त (निरीण) अर्जन रोज-।, अवास

तारीच : 6-6-1981

प्ररूप गाइं.टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, मझास

मद्रास, विनांक 20 जून 1981

निर्देश सं. 61/दिसम्बर/80—-यतः म्भे, आर. रिव- चंद्रन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

25,000/ र. सं आधिक है और जिसकी सं. एरबालू चेट्टी स्ट्रीट, जी. टी., मद्रास-1 है, जो मद्राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे. एस. आर. मद्रास नार्थ, मद्रास, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-12-1980 को पृषोंक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक कण से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें वायित्व में कमीं करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:——
10—216GI/81

(1) श्री एस. एम. अन्युल जमील।

(बन्तरक)

(2) श्री तुलसीवासजी बगठी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषाँक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

(भूमि और निर्माण अट 22, एरवाल बहेटी स्ट्रीट—डाक्रमेंट सं. : 5000/80)।

आर∶ रविचंद्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रौज-।, मन्नास

तारीब : 20-6-1981

मोहर 🖫

प्ररूप आइ. ती. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, मदास

मद्रास, दिनांक 30 जुलाई 1981

निदर्शि सं . 16336---यतः मुभ्ते, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परचात 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- फ. से अधिक हैं और जिसकी सं. 14, है, जो 7 मेथन रोड, कस्तुरबा नगर, मन्नास-20 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यासय, मद्रास नार्थ, (डाक् मेंट सं. 5067/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन दिसम्बर 1980 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तेयह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उपित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) सावितरी।

(अम्सरक)

(2) तन्निमलै।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पुर्वाक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथा कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक न्सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कूट में विशाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

भूमि और निर्माण---14, 7 मेथन रोड, कस्तूरबा नृग्र, मन्नास-20।

(डाक् में ट सं . 5067/80)

राधा बालकृष्णनः सक्ष्म प्राधिकारी सहायक बायकर जायूक्त (निरक्षिण) वर्जन रॉज-।।, मदास

तारीव : 30-7-1981

मोहरः

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्थन रेज-।, मुद्रास मद्रास, दिनांक 31 जुलाई 1981 निर्दोश सं 13/दिसम्म्बर/80—यतः मुक्ते, आर. रिव-भंद्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

और जिसकी सं. एसं. सं. 122/6 है, तथा जो अम्मापालयम, सिलम तालुक, सेलम (डाक्रूमेंट सं. 4619/80), मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे. एस. आर.-।।।, सेलम में भारतीय रिजट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-12-1980

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत के अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधील कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और्/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, व्यक्ति व-- (1) वाइं. एन. तवारगनातन।

(अन्तरक)

(2) ए. आर. बाल्सूब्रूमनियुम।

(बन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां जुरू करता हुं।

जनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितयद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए वा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

(भूमि अट अम्मापालयम गांव, सेलम तालुक, सेल्म--डाक्यूमेंट सं. 4619/80)।

> आर. रविषंद्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेजु-।, मुक्सस्

तारीच ः 31≁7-1981 मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

थापकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्वायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) अर्थन रोज-।, मद्रास

मन्नास, दिनांक 31 जुलाई 1981

निव^रश सं. 44/विसंबर/80—युतः मुक्ते, आर \cdot रिव-चंद्रन, आयक्तर धिंतियम, 1961 $\}$ (1961 का 43) (जिसे

आयकर प्राधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिलत बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है और जिसकी सं. एस. सं. 2077-ए2 (वारड सं. 30),

नागरकोविल है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे. एस. आर.-।, (डाक्रमेंट सं. 4686/80) नागरकोविल, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-12-1980

को वूर्षोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह शिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रश्च प्रतिशत अधिक है भौर अन्तरक (यन्तरकों) और यन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निस्त तथा गया गया प्रतिफल निस्नलिखित सदेश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया था मार्थ प्रतिफल निस्नलिखित नहीं किया गया था किया था था मार्थ प्रतिकार का स्वीत

- (क) अन्तरण ा हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्वीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अस्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए वा खिवाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उस्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के श्रमु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिष्ठिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिष्ठीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) के. टी. मारियम्मा और तीन अवर्स।

(अन्तरक)

(2) डाक्टर सिरिल सेलवराण।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रतिके प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस युनना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखासे 45 विन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि जो भी अवधि बाद में जंगपन होती हो, क गोतर पूर्वात व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस प्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरग: --इनमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो **एक्त अधि** नियन के ग्रध्याय 20-क ने परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय ने विया गया है।

अनुसूची

(भूमि और निर्माण अट एस. सं. 2077-ए2 (वारड सं. 30), नागरकोविल---डाकर्मेंट सं. 4686/80)।

आर. रविचंद्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-।, अद्रास

तारीख ः 31-7-1981

प्ररूप आर्द .टी .एन .एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।, मदास

मदास, दिनांक 31 जुलाई 1981

निर्वोक्त सं 45/विसम्बर्/80—यतः मुक्ते, आर. रिव-चंद्रन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एस. सं. 2077-ए2 (वारड सं. 30), नागरकोविल है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे. एस. आर.-।, (डाक्रूमेंट सं. 4687/80) नागरकोविल, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-12-1980

का पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से काम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्ष रूप से किमत नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरम से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अप्रस्तयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के सिए;

श्रतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के शृधीन निम्नजिवित स्पृतितयों अर्थात्:-- (1) के. टी. मारियम्मा और तीन अवर्स।

(अन्तरक)

(2) डाक्टर (श्रीमती) मारगरठ अन्नाबाय।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वांक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थप्टोकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्थी

भूमि और निर्माण बट एस. सं. 2077-ए, नाग्रकोधिन ,। (वारड सं. 30) डाक् मेंट सं. 4687/80।

आर. रिवचंद्रन् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, मद्रास

तारीख: 31-7-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 1 जुलाई 81

निदोश नं. ए. एस. आर/81-82/109---यतः मुक्ते, आनंद सिंह, आइ.आर. एस मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से बिधक है और जिसकी सं. एक प्लाट 320 वर्ग गज है तथा न्यू स्टेट बैंक कालानी अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के बधीन, तारील विसम्बर 1980 को पूर्वीक्त सम्पति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (धन्तरकों) भीर जन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य .उक्त **ग्रन्सरण** में बास्तविक इन्य से कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण वे हुइ किसी साम की वावत, उथ्य अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्मी करने या उससे क्यने में सूविभा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की **एपबा**रा (1) के भ्रतीन निश्नलिखित व्यक्तियों, अ**धीत्ः**— (1) श्री/श्रीमती/कृमारी दुर्गा वास वनयेक पुत्र स्वपत राय 255 रोस कोरेस रोड अमृसर

(अन्तरक)

(2) श्री/श्रीमती/क मारी हरबंस सिंह चावला हरिकिश्त सिंह चावला पूत्र शाम सिंह वासी बाजार लकड़ मंडी चौक, ढाब बसती राम कनक मन्डी, अमससर। जैसा कि उपर सं 2 में और कोई किरायेवार हो तो (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उबते अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट नं. 391 ससरा नं. 1811/652/10 नम् स्टोट बैंक कलौनी अमृतसर में ही जैसा कि सेल डीड नं. 2809 दिनांक 15-12-80 आफ रिजस्टरीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह आइ.आर.एस सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3 चंद्रप्री, टोलर रोड अर्युतसर

तारील 1-7-81 मोहर:

(अन्तरिती)

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10जूलाइ 81

निदंश नं. ए. एस. आर. /81-82/110~-यतः मुफे आनंद सिंह, आइ. आर. एस
आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी गें. एक प्लाट जो बसंत एवन्य अमृतरार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसंबर 1980 को पूर्वों कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित नाजार मूल्य, उसके रूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीच कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्री नारायण दास खुराना पुत्र भोलुमल सी 282 भनकपूरी, न्यू बिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री जगजीत सिंह पुत्र अंतर सिंह कटड़ा कर्म सिंह, लडा बाजार, अमृतसर

(3) जैसा कि उत्पर सं 2 में और कोई किरोयेदार ही सो।

् (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित है)

(4) और कोइ (यह ध्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वित्यों में से किसी व्यक्ति व्याराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्युक्तीकरणः - इसमें प्रयुक्त प्रकार और पत्रों का, यो उक्त क्षिपिनयम्, के बध्याय 20 क में प्रिशाधित इं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भूषा इं।

मम्सूची

एक भूमि का प्लाट न : 536 जो 246 : 46 वर्ग मी : है जो बसंत एवन्यू अमृतसर में है जैसा कि सेल खीड ने : 2853/1 दिनांक 18-12-80 बाफ रिजस्टरीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में बार्ज है।

आनंद सिंह आइ.आर.एस सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, 3चंद्रपूरी टोल्र रोड सम्तसर

तारीच : 10-7-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 जुलाई 81

निद्देश नं. ए. एसं. अर. /81-82/111---यतः मुक्ते आनंद मिंह, आइ. आर. एस
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थाक पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. एक प्लाट जो रतन चन्द रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस फरवरी 1981 को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार

मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का

पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरितीं

(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

कल, निम्निनिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक

क्रम से क्रीथत रहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने ग्राउसमें अचने में यनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;
- ज्ञतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री प्रेभ पगनी नारायण दास वासी गली सरखाना दरबार साहिब अब सूरत गोपीपुरा काजी का मदन बावा सिधी (मन्तरक)
- (2) श्री डा. रिवंदर कुमार विजय कुमार, यश पाल अशोक कुमार पृत्र मदन लाल अरोड़ा वासी श्रोक जय सिंह मकान नं 2682/7 बाजार धुमारा, अमृतसर (अन्तरिती)

जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेवार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पछीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनसची

एक भूमि का प्लाट नं 43 586 4 वर्ग मी जो कि राय अहादूर रतन चंद रोड अमृतसर में है जैसािक सेल डीग्री नं 3553/1 दिनांक 26-2-81 आफ रिअस्ट्रिरीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

आनंद सिंह आइ.आर.एस सक्षम अधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3 चंद्रपूरी, टोलर रोड अमृतसर

नारील 16-7**-81** मोहर: प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-

आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जुलाई 1981

निद्येश नं. ए एास आर/81-82/112—स्तः मुक्ते, आनंद सिंह, आइ. आर. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र- रु. से अधिक है

और जिसकी सं। एक जायदाव जो कूचा तहसीलदार अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसंबर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निति चित्र उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्दरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा केलिए, और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री सुरिंदर सिंह आनंद पुत्र मरूसन् सिंह आनंद बाजार बांसा वाला, अमृतसर

(2) श्रीमती जय देवी पत्नी लीला <u>राम् मकानु नं</u> <u>।</u> 2216/6-10 कूचा तहसीलदार बाजार बांसा शाला अमृतसर।

(3) जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई कि दायेदार

हो।

(वह व्यक्ति , जिसके अधिभोग में सम्पति है)

(4) और कोह (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पृक्ति में हितव्यूध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पर्टित् के अर्थन् के छिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सुम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्सूची

एक रिहायशी मकान नं 2216/6-10 जो कर्ना तहसील न दार बाजार बांसवाला अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड ने न 2882/1 दिनांक 22-12-80 आफ रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी 3 चंद्रपुरी टेलर रोड अमृतसर में दर्ज हैं।

> आनंद सिंह, आइ आर.एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, 3 चंद्रपुरी, टेलर रोड

अतः अब, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——
11—216GI/81

तारीं**ब** 🗄 31-7-1981

मोहरू 🖫

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जुलाई 1981

निवर्षा नं. ए. एस. आर./81-82/113--थतः मुभे, आनंद सिंह, आइ. आर. एस.

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त प्रधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

और जिसकी सं. एक मकान है तथा जो दाबा खटीकां, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980

भी पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से दुई किसी धाय की बाबत उक्त धरि-नियम के घरीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (का) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिल्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठित्यम, या धन-कर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मोहन लाल पुत्र शिव चरण दास, 5 टोल्र रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरसती देवी उर्फ शांति देवी पत्नी बनारसी दास, वासी सबा महला कपूरथला, अब मकान नं 1135/10-5 ढाब खटीकां गली गुजरां, अमृतसर।

(अन्तरिसी)

(3) यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रु**ची रख**ता हो।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिलबब्ध हैं)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रम्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सब्दों स्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रार्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं. 1135/10-5 जो ढाब खटीकां अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 2906/1 आफ रजिस्टरीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

> आनंद सिंह, आइ.आर.एस. सक्षम अधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, 3 चंद्रप्री, टेलर रोड अमृत्सर

तारीख: 31-7-1981

मोहर 🖫

प्रकृप अहा. टी. एन. एस.---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घं(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जुलाई 1981

निर्दोश नं. ए. एस. आर./81-82/114—यतः मुभे, अनंव सिंह, आइ. आर. एस. आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रिक्षिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो ग्रीन एवन्यू, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विर्णत है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से श्रिष्ठ है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए तथ पाया गथा प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखन में बास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः व्या उस्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीय निम्मितियुक स्मृतियुक्त स्मृ (1) श्रीमती प्रेम लता बाहरी पत्नी शिव कुमार बाहरी और वीपक बाहरी पुत्र शिव कुमार बाहरी, बासी ग्रीन एवन्यू, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री जसपाल सिंह पृत्र किरपाल सिंह, ग्रीन एषन्य, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किराबंदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर-सम्पत्ति में हितबद किसी प्रस्प व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हपड्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों श्रीर पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाचित है, वही अर्थ होगा. जो छस अख्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक कोठी नं (प्लाट नं 123) जो ग्रीन एवन्यू, अमृतसर मे है जैसा कि सेल डीड नं 2851/1 विनाक 17-12-80 आफ रजिस्टरिंग अथारटी अमृतसर के कार्याल्य में दर्ज है।

> आनंव सिंह, आइ.आर.एस सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, 3 चंद्रपुरी टेलर रोड अमृतसर

तारीख : 31-7-1981

प्रकप धाई • टी • एन • एस • ----

आयकर चिवित्यन; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 अगस्त 1981

निवर्षा नं. ए. एस. आर./81-82/115—यतः मूओ, आनंद सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं एक भूमि का प्लाट है तथा जो सुलतानविंड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील दिसंबर 1980

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का छवित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पंच्छह प्रतिशत से धिक है धीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से छक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत **उक्त** अधिनियम के अधीन कर देने के घन्सरक के दायिस्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए। धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अव्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अव्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिंगाने हें सुविधा के लिए

अतः अबः, उक्तः ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, मुर्भात ध-- (1) श्रीमती कुलबीर कार विधवा मोहन सिंह, वासी तुंग बाला , तहसील व जिला अमृतसर द्वारा हरभजन सिंह पृत्र बावा सिंह, वासी तुंग बाला, तहसील व जिला अमृतसर (मृखतारआम) द्वारा मृखतार सिंह।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सवरण कार पत्नी बंबंत सिंह श्रीमती अनैत कार पत्नी जोगिन्द्र सिंह, वासी सुलतानिबंड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) औसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप ।---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
 प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दारा, अधोहस्तासरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

एक भूमि का प्लाट जो पुलतानविंड में है जैसा कि सेल डीड नं. 8261/11-12-80 आफ रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

> जानंद सिंह सक्षम विधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, 3 चेंद्रपुरी टेलर रॉड अमृतसर

तारी**ल छ** 5-8-1981 मो**ह**ु **छ** प्ररूप माई० डी॰ एन॰ एस०---

भ्रायकर भिम्नितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भ्रधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 अगस्त 1981

निर्दोश नं. ए. एस. आर./81-82/116---यतः मूओ, जानंद सिंह,

भायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके श्राचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचिन बाजार मूख्य 25,000/- क० से बिधिक है

और जिसकी सं. एक भूमि का प्लाट है तथा जो सुलंतानविंड, अमृतसर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसंबर 1980

करे पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य ने कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीव ऐसे अन्तरिण के निए तम पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरेण लिखित में वास्तविह स्वयं में क्षित नहीं किया पया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ब्रंत: क्षत्र, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रमुमरण में, में, खक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्यीन, निम्नौलिखित व्यक्तियों, अर्थाद् :-- (1) श्री चनन सिंह पुत्र रुड़ सिंह, वासी मजीठ मंडी, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरग्यान कार पुत्री निरंजन सिंह, वासी गुरुद्वारा रोड, बिकानेर, श्री रमंश कुमार पुत्र वेद राज माता अतर कार रोड सुलतानविंड सब-अरबन, अमृतसर।

(अन्तरिती)

*(3) जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

*(4) और कोई (वह व्यक्तिः, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भो श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन नूबना के राजनत में प्रकाशन को तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण: -- इसमें प्रयुक्त गड्यों भीर पदों का, जो 'उनत प्रधिनियम', के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रयं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में विया गया है।

अमुस्यी

एक भूमि का प्लाट 557.4 वर्ग मी. है खसरा नं. 552 मिन जो सुलतानविंड सबअरबन में है जैसा कि सेल डीड नं. 7928/27-12-80 आफ रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

> आनंद सिंह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, 3 चंद्रपुरी टेलर रोड अमृतस्र,

तारीख : 5-8-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 अगस्त 1981

निदें श नं ए. एस. आर./81-82/117—यतः मुभे, आनंद सिंह.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एक भूमि का प्लाट है तथा जो बाग रला राम, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारील दिसंबर 1980 कर पूर्वांक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्। किसी आय की वाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्छित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री करतार सिंह पुत्र कन्हें या सिंह गुरु राम दास निवास, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती धरम कारे पत्नी लालसिंह, कृषा घंमड़ा सिंह अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूजना के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जनुसूचीं

एक भूमि का प्लाट 87.8 वर्ग भी. (प्लाट नं. 137) जो बाग रखा राम अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 2705/1 दिनांक 5-12-80 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

आनंद सिंह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, 3 चंद्रपृरी टेलर रोड अम्तसर

तारील : 5-8-1981 मोहर ध प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/118—-यतः मुभी, आनंद सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी मं. एक भूमि का प्लाट है तथा जो बाग रखा राम, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसंबर 1980

को पूर्वोक्त संपित्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्षेदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिणित व्यक्तियों, अर्थीत् क्ष-

(1) श्रीमती धरम कार पत्नी लाल सिंह, गली घमंडा सिंह चोंक बाबा अटल, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरिंद्र सिंह पुत्र दीवान सिंह, गली हीरा स्वोधरी चोंक करोड़ी, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- *(3) जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- *(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके कार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्त्रना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट नं. 109 जिसका क्षेत्रफल 83.6 वर्ग मी. है जो बाग रखा राम में है जैसा के सेल डीड नं. 2706/1 दिनांक 5-12-80 को अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

आनंद सिंह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, 3 चंद्रपुरी टेलर रोड अमृतसर

तारीख ः 5-8-1981

मोहर 🖫

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

ष्णायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्राप्तीन सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 अगस्त 1981

निदोश नं ए.एस.आर./81-82/119---यतः मुफ्ते, आनंद सिंह ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

सायकर मोधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त म्रधिनिया' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीत नक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से मिधक है

और जिसकी सं भूमि का प्लाट है तथा जो फीता कलां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरसील अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस दिसंबर 1980

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्स्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) प्रस्तरण सहुद किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्राध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

मतः मब, उक्त ममिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के पधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री दलीप सिंह पुत्र करनैल सिंह भर्गिता कर्ला तहसील व जिला अमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मवन लाल पुत्र दवारका दास कार्ता मदन लाल एंड संज (एच. यू. एक.) 31. बी ग्रीन एवनयू अमृतसर।

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि उपर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- (4) और कोइ। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरीं जानता है कि सम्पत्ति में हितबद्ध **है)**

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ग्वाहियां शुक्र करना हूं।

उका नमाति हे अर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 5 दिन को अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (छ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त मित्र-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का पलाट ढाइ कनाल जो रसभीता में है जैसा कि सेल डीड नं. 8202/30-12-80 आफ रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज हैं।

> आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3 चंद्रपूरी टोल्ट रोड अमृतस्र

तारीख: 5-8-1981

प्ररूप आई .टी .एन .एस . ------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , भहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज , अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 अगस्त 1981

निविधा नं. ए.एस.आर./81-82/120--यतः मृभ्ते जानंद सिंह,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायवाद है तथा जो कश्मीर एवनसू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्दध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील दिसम्बर 1908

करें पूर्ण कर संपरित के उपित गाजार मृस्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व कित संपरित का उपित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे ध्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्मितिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण किन्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--12—2160I/81 (1) श्रीमती हरिंद्र कौर पत्नी संविद्र सिंह वासी तहसील पुरा अमृतसर।

(2) श्री राजकामार पृत्र पयारा लाल वासी अजनाला अज मकान नं 56 कशमीर एवनय विजय नगर अमृतसर।

(3) जैमा कि उपर सं. 2 में और कोइ कि रायदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) और कोइ।

(वह व्यक्ति, जिनके वार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितव्युध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्त के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक मकान नं. 56 जो कश्मीर एवन्यू विजय नगर अमृतसर में हैं जैसा के डींड नं. 7684/18-12-30 आफ रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज हैं।

आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, 3 चंद्रपूरी टेलर रोड अमृत्सर

तारीख : 5-8-1981

मोहरः

प्ररूप बाई • धी • एन • इस •---

आयकर समिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 अगस्त 1981

निविधा नं . ए.एस । आर. $\frac{1}{81-82}$ $\frac{121--4\pi}{121}$ सुके, आनंद सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'कक्त समितियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के सबीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावश सम्पत्ति जिसका खिलत बाजार मूश्य 25,000/- रु० से बाबन है

और जिसकी सं. एक भूमि का पलाट जो सुलतान विष अरबन अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस दिसंबर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफार के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निस्तिलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण िलिखतं में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है है--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुकरण में, में, एक्त मधिनियम की सारा 268-च की सपनाश (1) के अभीन, निम्निशिक्त व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री कं लंदीप सिंह पुत्र नानक सिंह वासी गाँविंद नगर स्लतानियङ राड अभृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री गुलजार सिंह पुत्र करतार सिंह गुरू नानकपूरा अमृतसर।

(धन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं 2 में और कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

(4) और कोइ। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता ही कि वह संपत्ति में हितवद्ध ही)

को यह सूचता आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के शिए कार्जवाहियां करता है।

दनत सम्पत्ति के ग्रर्थन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की धर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 धर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (चा) इस सुचना के राजपक्ष में प्रकानन की वारीख ते 45 दिन के मौतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी जन्म क्यक्ति द्वारा, धनोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण - इसमें प्रयुक्त जन्दों बीर पर्दों का, को उनत प्रक्ति-नियम के अध्याय 20- में परिचाबित है, वही अर्थ होगा, को उस प्रस्थाय में दिना यहा है।

वनुसूची

एक भूमि का पसाट नं. 4 ससरा नं. 563 **षो सुलतानांवड** अरवन में ही जैसा कि सेल डीड 2740/1 **विनांक 8-12-80** आफ रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यासय में वर्ज ही।

> आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, 3 चंद्रपुरी टोलर रोड अमृत्सर

तारीख : 5-8-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 अगस्त 1981

निविश नं. ए.एस.आर./81-82/122---यतः मुभ्ते, आनंव सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

नौर जिसकी सं. एक भूमि का प्लाट जो सुलतान विक अरबन अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख विसंबर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कार्य, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसूरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मुलियित क्युक्तियों स्मृतिः—

(1) श्री दिवित कुमार सूद पुत्र जगदीश प्रसाद सूद तुरु तारन रोड अमृतसर।

(अन्तरक)

- (2) श्री प्रितपाल सिंह पृत्र वर्शन सिंह वासी मजीठा **जिला** अमृतसर। (अन्तरिका)
- (3) जैसा कि उपर सं. 2 में बोर कोई कि रायदार हाँ। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपृत्ति हैं)
- (4) ओर कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता ह⁴ कि वह संपत्ति में हितब**द्ध ह**ै)

को यह सूचना पारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के वर्षन के बिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित, ह^ड, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

बनसची

एक भूमि का पलाट 166.6 वर्ग गज (नं. 28, ससरा नैं...) 652) जो सुलतानसिवंड अरबन में हैं जैसा कि सेल डीड नं... 2757/1 दिनांक 9-12-80 आफ रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज हैं।

शानंद सिंह सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) जर्जन रोज्, 3 चंद्रपुरी टोलर रोड अमृतसुर

तारी**व** ः 5-8-1981 - **मोप्टरः** ः ॄ प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

कांयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4अगस्त 1981

िनदेश नं. ए.एस.आर.∕81-82∕123∕≔्युत्; सूभ्ते, आनंदिसिंह

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस में अधीन सक्षम शाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं. एक दुकान है तथा जो कटडा घोर सिंह अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजिट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस दिसंबर 1980

मां भूवां कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक सण से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

स्तः स्वातः, उक्तः अभिनियमः, की भारा 269-गंको अनुसरणः भों. मौं, उक्तः अभिनियमं की भारा 269-भंकी उपधारा (1) को अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सुरजीत सिंह पुत्र साहिब दयाल जोशी कालोनी माल रोड अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) रिजिंद्र कुमार पुत्र जुगल किशोर दयानंद नगर लारेंस रोड अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) 1. जुगल किशार 75/- महीना

2. टेंबर मास्टर 55/-महीना

 दूसरे किरायेदार 52/- महीना (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

(4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्यं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील ने 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मस्पत्ति में हितबब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावितः हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

1/3 भाग जायदाद का जो कटड़ा शेर सिंह में है जैसा कि सेल डीड नं. 2659/1 दिनांक 2-12-80 आफ रजिस्ट्रीकताँ अधिकारी अमृतसर के कार्याल्य में दर्ज है।

> आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, 3 चंत्रपुरी टेलर रोड अमृतस्र

तारीव : 4-8-1981

मोहर 🛭

प्ररूप भाई० टी० एन• एस०----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 अगस्त 1981

निद्येश नं. ए.एस.आर./81-82/124—स्यतः मुक्ते, आनंद सिंह,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- क्पए से श्रधिक है

और जिसकी सं एक दुकान है तथा जो कटडा शेर सिंह अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का क्न्यह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रक्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाय। गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसो श्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः सब, उक्त प्रक्षिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत:—

- (1) श्री सुरजीत सिंह साहिब दयाल जोशी कालोनी माल रोड अमृतसर ।
 - (अन्सरक)
- (2) श्री राकेश कुमार पुत्र जुगल किशार दयानंद नगर लारस रोड अमृतसर।
 - (अन्तरिती)
- (3) 1. जुगल किशार **75/- महीं**ना
 - 2. टेलर मास्टर 55/-महीना
 - 3. दूसरे कि रायेदार 52/- महीना (बह व्यक्ति, जिसके अधिभाग से सम्पति हैं)
- (4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह भूवना जारी करक पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इत सुकता के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना को नामील में 30 दिन की ग्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख थे 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पनि में हितबक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पब्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में विया गया है।

धनुसूची

1/3 भाग जायवाद का जो कटड़ा शेर सिंह में है जैसा हिक सेल डीड नं. 2727 दिनांक 28-12-80 आफ रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

> जानंद सिंध सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3 चंद्रपूरी टोस्ट रोड अमृतस्र

तारौव : 4-8-1981

मोहर 🗄

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृत्सर

अमृतसर, दिनांक 4 अगस्त 1981

निर्दोश नं. ए. एस. आर./81-82/125---यतः मुफ्ते, जानंद सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक दुकान है जो कटड़ा घोर सिंह अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुईं िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ**विकास निम्मनियस व्यक्तियों जर्थातः**-- (1) श्री सुरजीत सिंह पुत्र साहिब द्याल जोशी कालोनी माल रोड अमृतस्र।

(अन्तरक)

(2) श्री जुगल किशोर पुत्र सुरराम दास कटड़ा शेर सिंह, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) 1 जुगल किशार 75/- महाँना

2. टेलर मास्टर 55/-महीना

 दूसर कि रायेवार 52/- महीना (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

(4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपर्ित में हित्बब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के कर्जन के सिष्ट् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पवाँ का, जो उक्त बहिन नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नगृजुनी

एक जायबाद का 1/3 भाग जो कटड़ा होर सिंह अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं 666/अप्रैल 81 आफ रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज हैं।

श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर जायूक्स (निरीक्षण) कर्जन रॉज, 3 चंद्रपुरी टोलर रॉड कमृतसर

तारीच : 4-8-1981

मोहर 🕽

प्ररूप आहुरै. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्वारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 अगस्त 1981

निष्णे नं. ए.एस.कार./81-82/126—यतः मुक्ते, आनंद सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गवा है), की घारा 269-ख के घंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-भूगए से प्रधिक है

और जिसकी सं एक भूमि का पलाट है तथा जो बयूटी एवनयू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील विसंबर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, छसके दृश्यम्मन प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परश्रह प्रतिभत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक अन से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरक से 'हुई किमी भाय की बाबत, उक्त भवि-नियम के भवीन कर देने के अस्तरक के वायिक में कमी करने या सससे बचने में मुविधा के लिए, और/या;
- (बा) ऐसी किसी धाय या किसी वन या अच्य मास्तियों की जिन्हें भारतीय भाय-कर पश्चिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः भव, उक्त मधिनियम की धारा 289-ग के भनुसरण में, में, उक्त पश्चिनियम की प्रारा 269-घ की उपधार (1) के भ्रधीन, निम्हलिंखिन व्यक्तियों, भर्मीत ;——

- (1) श्रीमती इंद्रा देवी विधवा दलजीत सिंह वासी मोरी गंज द्वारा रिवन्स कुमार शर्मा मृखतार आम खुद वासी मजीठा रोड अमृतसर। (अन्तरक)
- (2) श्री गुरचरण सिंह पृत्र लाभ सिंह वासी अमृतसर और कलकत्ता गारंडन रीच रोलवे कालोनी।

(अन्तरिती)

- (3) औसा कि उत्पर सं 2 में और कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)
- (4) और कोर्ड। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**ई** भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पड्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त प्रिनि-नियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं दर्ब होगा जो उस भ्रष्टवाय में दिया गया है।

वन्त्रजी

1/2 भाग भूमि का पलाट खसरा नं 2015/66 मिस (175.6 वर्ग मी.) जो ब्यूटी एवनयू अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डींड नं 2789/1 दिनांक 11-12-80 आफ राजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, 3 चंद्रपुरी टोलर रोड अमृतसर

तारीब : 5-8-1981

मोहर 🖫

प्रकृप साईं•टी•एन•एस•---

आयकर **मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा** 268-व (1) क बर्धान सूचना

भारत भरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 अगस्त 1981

निद्धा नं. ए.एस.जार./81-82/126—यतः मुक्ते आनंद सिंह,
आग्रकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जनत प्रक्रितियमं कहा गया है), की आशा 269-ज के प्रजीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से पश्चिक है और जिसकी सं. एक भूमि का पलाट है तथा जो ब्यूटी एवनयू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसंबर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खनित बाबार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास कन्त्री का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाबार बृश्य, उसके बृश्यनान प्रतिकत में, ऐसे बृश्यमान प्रृतिकत के पन्त्रह प्रतिकत से प्रतिक है भीर प्रम्तरक (धन्तरकों) भीर मन्तरिती (धन्तरितिवों) के बीच ऐसे बन्तरक के लिए अन पाना बमा प्रतिकत, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त धन्तरल सिकित में बास्तविक क्य से कवित्व नहीं किया वया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के खडीन कुछ देने के खल्तरक के दावित्य में कमी इस्ते या बससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे जम्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

शतः अत्र, उक्त समिनियम की खारा 269-ग के सनुसरण में, में, श्रक्त समिनियम की धारा 269-च की उपसार। (1) के अभीत, तिस्नलिखित स्मनितमों, अभीत्:--- (1) श्रीमती इन्द्रा दोवी विश्ववा दलजीत सिंह वासी मोरा-गंज दवारा रिवन्द्र कुमार शर्मा मृबतारकाम शुद वासी मजीठा रोड अमृतसर।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती सुखनंदन कौर पत्नी गृरचरण सिंह गारडन रीच कलकत्ता रेलवे कलोनी
- (3) जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)
- (4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हिसबबुध है)

को यह सूचना जारी भरके पूर्वीकत सम्पत्ति के बर्जन के जिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप ।---

- (क) इस सूत्रता के राजात में प्रकाशत की नारोख के 45 दिन की प्रविध या तस्त्रंबंधी व्यक्तियों पर सूत्रता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध बाद में समान्त होती हो, के मीत्रद पूत्रांक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्बक्ति में हितवड किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, प्रजोहस्साक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्योक्तरण:--इसमें प्रयुक्त सक्यों और पूर्वों का, जो सक्त प्रवितियम' के शक्याय 20-अ में परिवादित हैं, नहीं अने होगा जो उस अध्याप में दिया प्रमा है।

जन्स्ची

1/2 भाग भूमि का पलाट चसरा नं 2015/66 मिन (175.6 वर्ग मी.) जो ब्यूटी एवनयू अमृतसर में **है जैसा कि** सेल डीड नं 2800/1 दिनोक 15-12-80 आफ रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज **ह**ै।

> आनन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3 चंद्रपुरी टोलर रोड अमृतसर

तारी**व**ः 5-8-1981

प्ररूप आई० ठी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यीलय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृहसर, दिनांक 4 अगस्त 1981

निर्वोष्ठा नं. ए. एस. आर. /81-82/128—-यतः मुक्ते, आनंद सिंह, आर्दे. आर. एस.

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में ध्रिक है

बौर जिसकी सं एक जायबाद है तथा जो हुकम सिंह रोड अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यासय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसंबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से पश्चिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रम्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरल के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चहेश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जावा भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुः सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की छपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री शंकर बत पृत्र रुरा मल, वासी गली नं . 1 ह्कम सिंह रोड अमृतसर।
 - (अन्तरक)
- (2) जनक राज पुत्र लाल चन्द, वासी बाजार राम बाग अमृतसर अब कोठी नं. 429/111-12 गुली नं. 1, हुकम सिंह रोड अमृतसर। (अम्सरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- (4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

एक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्तेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दित की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रज होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं 429/111-12 गसी नं 1, हुकम सिंह रोड अमृतसर में हैं औसा कि सेल डीड नं 2808/1 दिनोक 15-12-80 आफ रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतस्र के कार्यालय में दर्ज हैं।

> आनंद सिंह, आइ.आर.एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज **स्मृट**सर

तारिकाः 4-8-1981

मोहर 🖫

प्ररूप आइं.टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, अमतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1981

निविश नं. ए. एस. आर/80-81/129---यतः मुभ्ते, आनंव सिंह, आइ.आर.एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाव है तथा जो कपूर रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील मार्च, 1981

को प्वोंकित संपरित के उचित बाजार मूल्य से काम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे दहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्सरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ा— (1) श्री ज्याला वास पृत्र राम वास, कियान लाल, सुभाष चंद्र पृत्र ज्याला वास वासी करूपर रोड अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तिजिंद्र कौर सुरजीत सिंह वासी कपूपर रोड अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) औंसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

(4) और कोई।. (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबब्ध हैं)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दीकर जः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्ची

1/4 भाग जायदाद का जॉिक कूपर रोड अमृतसर में ही जैसा कि सेल डीड नै. 3641/1 दिनांक मार्च, 81 आफ रिजस्ट्रीं कर्ता अधिकारी बम्तसर के कार्यालय में दर्ज हैं।

> आनन्द सिंह, **आर्थ**.आ**र**.एस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, **मन्**तसर

तारीख : 3-8-1981

मोहर 🖫

प्रकप धाई • टी • एन • एत •----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के ग्रधान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/130——यतः मुफ्ते, आनंद सिंह, आइ.आर.एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका छचित वाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. एक जायदाव है तथा जो कापर रोड अम्तसर में स्थित है (और इसरो उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विज्ञात है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख विसंबर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमा। प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संग्रेल का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से एक्त धन्तरण लिखित में बाइनिक रूप से काबन नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से तुई िकसी आप की बाबत, उक्त विक-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या असस बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
 - (ख) ऐसी किसी आयं या किसी खन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: श्रम, उन्तं अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रश्चिनियम की धारा 269-म की अपक्षारा (1) के स्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचार्त :—

- (1) श्री ज्वाला दास पुत्र राम वास, कि इन लाल, सुभाष चंद्र पुत्र ज्वाला वासी कृप्र रोड अमृतसर। (अन्सरक)
- (2) श्रीमती मनजीत कार पत्नी शाम सिंह वासी ख़ाँक चिड़ा, कटड़ा कर्म सिंह श्रमृतस्र।: (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- (4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपर्ित् में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

खनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप।---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्त्रवंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी भविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति बारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पदतीकरण:---इपमें प्रयुक्त शब्दों भीर पक्षों का, को उकत ग्रिशिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जुसूची

1/4 भाग जायवाद का जोकि कृपर रोड अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 2721/1 दिनांक 8-12-80 आफ र्जिस्ट्री- कर्ता अधिकारी अमृतसर कार्यालय में दर्ज है।

आनंव सिंह, आइ.आर.एस.न् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रेज सुमृतसर

तारीव : 3-8-1981

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 3 अगस्त 1981

निदेश नं. ए. एस. आर/81-82/131——युक्त सुम्हे, आनंद सिंह, आइ.आर.एस., भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात , 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. एक जायदाद ही तथा जो कापर रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) की अधीन तारीख फरवरी, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह

प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्सरकाँ) और अन्तरिति

(अन्सरितियाँ) के बीच एसे अन्सरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिसित उद्दर्धिय से उदश अन्तरण लिखित

में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिद्धा; और√वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री ज्वाला दास पुत्र राम दास, कि इन साल, सुभाष, चंद्र पुत्र ज्वाला दास कूपर रोड अमृतस्र।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती तिषंद्र कार पत्नी सुरिंद्र सिंह वासी बाजार श्रीक चिंद्रा वाला कटका कर्म दिसंह श्रमुतसर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई कि रायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग् में संपत्ति हैं)
- (4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरीं जानता है कि वह संपत्ति, में हित्बब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पृथ्वीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

1/4 भाग जायवाद का जो करूपर रोड अभृतसर में ही जैसा कि सेल डीड नं. 3344/1 दिनांक 2-2-81 आफ रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्याल्य में दर्ज ही।

> आन्द सिंह, आहै आर.एस.ा स्सम प्राधिकारी सहायक आयुक्त र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसुर

तारीच : 3-8-1981

मोहरः

प्रकृष् आई. टी. एन. एस.------

भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 अगस्त 1981

निवंश ने **ए. एस. आर/80-81/132--- थतः** आनंद सिंह, आइ.आर.एस., भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/-- रतः सं अधिक ह और जिसकी सं. एक जायबाद है तथा जो कूपर रांड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस फरवरी, 1981 को पूर्विक्त संपरितक उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिश्वित उद्देव हेय से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; आर्-्या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री ज्याला दास पुत्र राम दास, किइन लाल, सुभाष चंद्र पुत्र ज्याला दास करूपर रोड अमृतसर। (अन्तरक)
- (2) सुरजीत सिंह पुत्र साम सिंह वासी चाँक वाला गली रौला वाली अमृतसर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- (4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20- में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग जायदाद का जो कूपर रोड अमृतस में है जैंसा कि सेल डीड तं. 3487/1 दिनांक 20-2-81 आफ रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में वर्ज है।

आनन्य सिंह, आई.आर.एस. स्थाम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, **अ**म्ससर

तारी**व** : 3-8-1981

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 5 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए एस आर/81-82/133—यतः। म्फे, आनंद सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गयः हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. एक जायदाद हैं तथा जो सरहाली रोड, तरन तारन अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक विसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित आजार मूल्य से क्म के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की सपधारा (1) को अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः-- (1) श्रीमती क लबीप कार विभवा हा. तरलोक सिंह 80-ए, ग्रीन एवनगु, अमृतसर द्वारा कपूर सिंह मुखातारकाम

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दिविद्र कार पत्नी स्वर्ण सिंह पृत्र कुन्दन सिंह वासी तरन तारन जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायदार हों (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपरित ही)

(4) और कोइ¹।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

एक जायदाद नं. 12/136 (डबल सटारी) जो सरहाली रांड तरन तारन में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 4342/17-12-80 आफ रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर के कार्यालय में धर्ज हैं।

आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, अमृतसर

दिनांक: 5-8-81

मोहर 🖫

प्रस्प बार्षं.टी.एक.एस.-----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के ब्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 5 अगस्त 1981

निव^रण नं. ए. एस. आर./81-82/134—-यत: मुक्ते, आनंद सिंह, भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / र**ा. से अधिक है** और जिसकी सं. एक जायदाव ही तथा जो सरहोंली रोड तरन तारन अमृतसर में स्थित ही (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1980 को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकेल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-य के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---- (1) जा. मनोहर सिंह पृत्र जोध सिंह 480 ए, ग्रीन एवनयू अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री संघर्ण सिंह पुत्र कुनदन सिंह तरन तारन जिला अमृतसर

(अन्सरिती)

(3) जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई कि रायेदार हो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपरित हैं)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबब्ध है)

को यह सम्बना जारी करके पृथों कत सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

जक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वरुद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधिनयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं बर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

बम्स्**यी**

एक जायबाद नं. 12/156 द्वान नं. 12/157-158-159 जो सरहाली राड तरन तारन में हैं जैसा कि सेत डीड नं. 4378/19-12-80 आफ रिजसटरी अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज हैं।

> आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

दिनांकः 5-8**-**81

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 अगस्त् 1981

िनर्वोष नं ए एस आर∕/81-82∕135---यदःः मुक्ते,। भानंद सिंह,

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संस्था एक जायबाद है तथा जो सरहाली रोड तरन तारन में 'स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1980

को पृथितिक संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उधित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पत्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण से लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अतः उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों अर्थात्:---

- (1) डा. मनोहर सिंह पृत्र जोध सिंह 480 ए ग्रीन एवन्यू अमृतसर (अन्तरक)
- (2) श्री सवर्ण सिंह पुत्र कुन्दन सिंह वासी सरन तारन जिला अमृतसर (अन्तरिसी)
- (3) जैसा कि उज्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपरित हैं)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हि।तबद्ध हैं)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाकत सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रकी

एक जायवाद नं. 12/156 और 12/157-158-159 जो सरहाली रोड तरन तारन में ही जैसा कि सेल डीड नं. 4341/17-12-80 आफ रिजसटरीक्षर्ता अधिकारी तरन तारन के कार्या-लय में दर्ज है।

आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्पन रोज, अमृतसर

विनांक: 5-8-81

प्रकृप आई० टो० एन० एस०----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-छ (1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 अगस्त 1981

निर्देश नं ए एस आर/81-82/136—न्यतः मुक्ते, आनंद सिंह,

भायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत मक्षम पश्चिकारों की, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित खाजार मूल्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

अरि जिसकी सं. एक जायवाद है तथा जो सरहाली रोड तरन तारन में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिगत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तविक हर से हिया नहीं किया गया है :--

- (क) यग्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रग्तरक के दाबिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सा) ऐसी किसी आय या किसी धन या पन्य प्रास्तियों भो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या प्रत-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चोहिए था, छिपाने में सविद्या के लिए:

प्रतः प्रव, उनत अधिनियम का धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उन्त अधिनियम को धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्रीमती कुलदीप कार विभवा डा. तरलोक सिंह 480-ए ग्रीन एवनयू अमृतसर द्वारा कपूर सिंह मूलतारआम (अन्तरक)
- (2) श्री विविद्ध कौर पत्नी सवर्ण सिंह पृत्र कुन्दन सिंह वासी तरन तारन जिला अमृतसर (अन्तरिती)
- (3) औसा कि उत्पर सं 2 में और कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपरित ही)

(4) और कोई^{*}

(यह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख, से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूजना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रस्य न्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास जिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के घट्टपाय 20-क में परिमाणित हैं, वहो अयें होगा जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

श्रन् सूची

एक जायदाद नं. 12/136 (इबल सटोरी) जो सरहाली रोड तरन तारन में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 4377 19-12-80 आफ रीजसटरीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज हैं।

आनंद सिंह स्थम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

दिनांकः 5-8-81

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 अगस्त 1981

निर्वोध नं. ए एस आर∕81-82/137—यतः **मुक्ते,** आनंद सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के शधीन सक्षम प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उदिन बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो सरहीली रोष्ठ तरन तारन अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-त्य तरन तारन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1980

को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) डा. मनोहर सिंह पुत्र जोध सिंह 480-ए, ग्रीन एवनयु अमृतसर

(अन्तरक)

- (2) श्री सवर्ण सिंह पुत्र कुन्दन सिंह (1/18 भाग) पविद्र कौर पत्नी सवर्ण सिंह (1/6 भाग) तरन तारन (अन्तरिती)
- (3) औसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरामेवांर हो
- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपर्तित हैं) (4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थाना, के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाढ लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विमा नया हैं।

अनुसूची

एक जायदाद नं. 12/156 (इबल सटोरी) तरन तारन में है जैसा कि सेल डीड नं. 4405/23-12-80 बाफ रिजसटरीं- कर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में वर्ष है।

आनंद सिंह सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन र^नज, अमृतसर

अंतः अप, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण प्रमें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निकालिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

दिनांक: 5-8-81

प्रकप धाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

वर्णन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 अगस्त 1981

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से प्रधिक है,

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो रानी का बाग अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रम्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीम, निम्निचित क्यक्तियों, प्रधीत:— (1) श्रीमती चांद रानी पत्नी सतनाम राम 92 रानी का बाग ममृतसर

(अन्सरक)

(2) श्रीमती हरजीत कौर पत्नी वीपक महता मकान नं । 834/10 बारो मकन इसलामाबाद अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उज्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग-में संपरित ही)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता ही कि वह सम्परित में हिलबब्ध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा पर्केंगे।

हपक्टीकरगः--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो खक्त ग्रिधिनियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिमाणित हैं, वही ग्रषं होगा, जो उस ग्रष्टयाय में विया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं. 92 जो रानी का बाग अमृतसर में है जैसा कि मोल डीड नं. 2932 दिनांक 24-12-80 आफ रिजसटरी- कर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्याचय में दर्ज हैं।

आनंद सिंह सक्षम अधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृत्सर

दिनांक: 5-8-81

प्ररूप पाई०टी०एन०एस०--

भायकर भश्विमियम, 1961 (1961 का 43) की झारा 269-घ(1) के भ्रधीत सूचना

भारत सरकार

भार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 6 अगस्त 1981

निर्दोश नं ए एस आर∕/81-82∕139**--**यतः मु**भ्हे**, आनंद सिंह,

भायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रीविन सक्षम श्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जियका उचित बाजार मूल्य 25.000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं. एक पलाट है तथा जो करिश्ना सकेयर अमृतसर मे स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिनेफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है और भन्तरक (श्रम्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निए, तय पाया गया प्रतिफल निम्तरिश्चित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निश्चित में वास्तविक क्य से कर्यन नहीं किया गया है:—~

- (का) घन्तरम से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त धर्षिक नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायिख में कमी करों या उसने वजने में सुविधा के लिए; सौर/या
- (छ) ऐसी किसी प्राप्त या किसा धन या प्रत्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत प्रधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, इक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अजीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अव्यक्त :

(1) श्री **जरनेल सिंह चाहल पृत्र भगवान सिंह चाहल** गांव कोलोके जिला अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला दोषी विधवा मवन लाल राम दी गलीं गोपाल नगर मजीठा रोड अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपरित हैं)

(4) और कोहें

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से
 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: —इसमें प्रयुक्त गन्दों भीर पटों का, जो छक्त श्रीधनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक पलाट नं. 3. (500 व. ग.) जो करिश्ना सकेयर बटाला रोड अमृतसर में ही जैसा कि सेल डीड नं. 7159/8-12-80 आफ रिजसटरिंग अधारटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

> आनंद सिंह समक्ष अधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, अमृतसर

विनांक: 6-8-81

प्ररूप भाई० टी॰ एन० एस०-

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अगस्त 1981

निर्देश सं. ए एस आर/81-82/140--यत्ः मुक्ते, आनंद सिंह,

आयकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं. एक पलाट है तथा जो मक बूल रोड अमृतसर में हिस्थत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: भव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसित् व्यक्तिस्यों, मुर्भात् :--- (1) श्री जसवंत सिंह पूत्र भगवान सिंह उर्फ भान सिंह नवे नाग तहसील व जिला अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री टौहल सिंह पृत्र किरपाल सिंह मारी मेधा जिला अमृतसर

(अन्तरिती)⊦

(3) जैसा कि उज्पर सं. 2 में और कोई किरायदार हो (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रागैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की प्रविध या तरमम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जं) उत्तत ग्रिधिनियम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रयं होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुमूची

एक भूमि का पलाट 242 व. मी. जो आंबाबी मकबूल रोड अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड न. 7834 विनाक 23-12-80 आफ रिजस्टरीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

आनंध सिंह मक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

दिनांक: 6-8-81

मोहर:

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय सहायक <mark>आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 6 अगस्त 1981

निर्वोश न . ए एस आर/81-82/141---युतः मुभ्ते, आनंद सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मुल्य 25,000/- रुपए से अधिक ही और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो रख भीता तहसील अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिसटरीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, दिनांक दिसम्बर 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :—

- (1) श्री शाम सिंह पूत्र बहाद र सिंह मुचातार आम संतौक सिंह अनोसा सिंह गुरमुख सिंह पूत्र हरनाम करि विभवा जीता उर्फ जील सिंह बीरों उर्फ बीर करि पुत्री आसा सिंह बासी बडाना तहसील अमृतसर (अन्तरक)
- (2) श्री वलबीर सिंह गुरवीप सिंह गरनाम सिंह पुत्रानु पूरन सिंह वासी वरयाम नगल तहसील अमृतसर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकनी।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदौं का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क 'में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

कृषि भूमि 45 कनाल। भरतर धंजर कवीम और **जाहीं जो** गांव रख भीता तहसील अमृतसर में **हैं।** जैसा कि सेल डीड ने न 7575/17-12-80 आफ रिजसटिरिंग अथारटी अमृतसर कें कायितय में धर्ज है।

> आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार भायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, अमृतसर

दिनांक: 6-8-81

माहरः

श्रुकपु बार्षः, टर्ने. एत्, एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर अमृतसर, विनांक 6 अगस्त 1981

िनर्दों नं. ए एस आर∕81-82∕142---यतः मुफ्ते, शानंद सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

अरि जिसकी सं. एक ब्रंकान है तथा जो हीरा मारकीट गुर बाजार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनंक दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि. यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एमे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिये; और/या
- (क्त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुगरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों अधीत:—— (1) श्रीमती कमला रानी पत्नी कशमीरी लाल हवेती जमादार अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला बती पत्नी ए प लाल कठड़ा चड़त सिंह अमृतसर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उज्पर सं. 2 में और कोई कि रायदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पक्ति हैं)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है. कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-- 🧭

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विभ की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं. 214 एरिया 30 व. मी. है जो हीरा मारकीट गुरु बाजार अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 2823/1 दिनांक 16-12-80 आफ रिजसिटिरंग अभारटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

आनंद सिंह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

दिनांक: 6-8-81

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अंगस्त 1981

निर्देश नं. ए एस आर/81-82/143---यतः मुभ्ने, आनंद सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. एक बुकान है तथा जो हीरा मारकीट गुरु बाजार अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में

बाजार अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक विसम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभार (1) कं अभीन निम्नतिश्वित व्यक्तियाँ स्थातः :--

(1) श्री अमेर नाथ पुत्र हुएी राभ वासी अमृतसर कटड़ा बाग सिंह कच्चा लम्बा

(अन्सरक)

(2) श्रीमती निरमला बती पत्नी किरशन लाल निमक मंडी गली फंडी वाली अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान पराइवेट नं. 21 खना सुमारी 209/4-3 एरिया 30 वं. गंज जो हीरा मारकीट गर में है जैसा कि सेल डीड नं. 2902/1दिनांक 23-12-80 आफ रिजसटरीकर्ता अधिकारी अमृतसर

आनंद सिंह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्जन रोज, अमृतसर

दिनांकः 6-8-81

मोहर :

प्ररूप मादी, दी, एत्, एत.---

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

कलकत्ता, दिनांक 28 मार्च 1981

नीवर्षा सं. ए. सी. /रॉज-4 कल/19--यतः मुभ्ते, आर्द्धाः बी. एस. जुनेजा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण **है** कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रत. संबद्धिक हैं

और जिसकी सं 119 है तथा जो डा. मेघनाव साहा सरनी, कलकरता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजब्दीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिष्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-12-1980

को पूर्वो क्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, बसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वावत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनः कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया त्राना चाहिए था, छिपाने में सुविधा दें सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--15-216QI/81 .

(1) ग्रोनिमड कापरीटव हाउजिं सोसाइटि लि.

(अन्तरक)

(2) बैचनाथ लाहरी,

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 4.5 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त **व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा**;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी 📽 पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्हीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया 🗗 ।

वप्स्ची

प्लाट सं. 9 एम. डब्ल्यू. 9 तल्ला, 119, डा. मेचनाद साहा सरनी, कलकरता।

> आई. बी. एस. जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।।।, कलकत्ता

तारीब : 28**-**3-1981

मोहर:

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरक्षिण)

मर्जन रोज, कलकत्ता

कलकरता, दिनांक 28 मार्च 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. 119 है तथा जो डा. मेघनाद सादा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कल-करता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन- कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्षः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) ग्रोनिमड कापरेटिय हाउजिं सोसाइटि लि.

(अन्तरक)

(2) श्री बिधि बानाजी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पवरें का, वी अक्त विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

प्लाट सं. 9 एम. डब्ल्यू. 9 तल्ला, 119, डा. मेचनाद सादा सरनी, कलकरता।

> आईं. वी. एस. जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।।, कलकत्ता

तारीस : 28-3-1981

मोहर 🛭

प्ररूप आद⁴. टी. एन. एस्.--

नायुक ए अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के स्थीन स्थान

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुक्त आयुक्त ([न्रीक्षण)]

वर्जन् र ज-।,, कल्क्सा-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 जुलाई 1981

निवर्षेतु सं. ए. सी. /र्डज्-4 कल / 19 — युत्ः, मुक्ते, आर्ड्- बी. एस. जुनेजा

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 38 है तथा जो सारकास एमिनिक में स्थित हैं (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित हैं),। रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय क लकत्सा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-12-80

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे, दृश्यमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथित नहीं किया गया हैं:——

- (क्यू अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्म जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

बता बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को स्थीन, निस्निविधित स्पितियों स्थीत स्था (1) श्री इ. जि. गनसल भेस

(भन्तरक)

(2) श्री हामिया बातून,

(अन्स[रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्र विद्या क्यां करी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पद्धीकरण :—- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, वहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

मनुसूची

38 सारक स एमिनिड कलक तो में अवस्थित 6 कुल 8 बताक, 4 वर्ग फिट जिमन पर तिन तल्ला मकान सी 8-12-80 तारीस में 1-6897 जोड़ नं अकसार रिजस्ट्रार आफ एयस्टेन्स का दप्रट में रिजस्ट्री हुआ।

आई वी एस जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजना, कलकत्ता-16

तारींब: 8-7-81

मोहर 🕄

प्रकप माई० टी० एन० एस०----

व्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य सहायक आयकार आयक्त (निरक्षिण)

अर्थान रंज-।, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 21 जुलाई 1981

निवर्ष कोस नं. एस एल-586/टीआर-508/80-81---युत्तुः मुभ्के, आर्षः वी. एस. जुनेजा

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-खं के मधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-क्पए से मधिक है

और जिसकी सं 49 है तथा जो लेलिन सर्रान, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के बधीन, तारीस 5-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकृत्र के लिए प्रम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रप्र प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत; उक्त घर्षि-नियम के घर्षीन कर देने के घन्तरक के वायिक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए; घौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी बन या ग्रन्थ ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर ब्रिबिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिबिनियम, या धन-कर ब्रिबिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ब्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, सूर्धात्हः—

(1) श्रीमती उमा बाला वासी और इसुरा,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शत्वाल बासिनी सर्वाधिकारी,

(अन्तरिती)

(1) मैं. बाटा इन्डिया लि.

(2) ,, जय इंजिनियर वाकंस

(3) ,, सन्गुमेली रेस्रेन्ट,

(4) डा. डि. सि. सोम,

(5) डा. पि. सि. सेन गुप्त

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के लिए कार्यवाहियों करता है।

धनत संम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी प्रम्थ स्थक्ति द्वारा भोधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रूपच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त गच्चों भीर पर्वों का; जो उक्त प्रधि-नियम, के घट्याय 20-क में परिभाषित है, बही प्रयों होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुस्वी

49, लेलिन सरनी, कलकत्ता, 1/4 शोर आफ 7 के.-6 सी. एस. 22 एस क्यू. एफ. टी. जिम्मिन पर म्कान बहितस संा 6870,

> आई वीं एस. जुनेजा सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर भायुक्त, (निरीक्षण) कर्जनुरोज-।', कलकत्ता

तारीब 🤋 21-7-1981

माहर 🏻

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

्कार्यालय, सद्दायक भायकर भायकत (निरीक्रण)

वर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 अगस्त 1981 निर्देश सं. ए. सी./रॉज-4/कल/1981—युतः, मुक्ते, के. सिंहा

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से प्रधिक है

और जिसकी सं. 279 एन्ड 279/1147 है तथा जो विहला जिला 24 परगना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जार. ए. कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 20-12-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्वमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है क्षि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल के ऐसे, दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, भीर प्रन्तरिक (अन्तरिकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बाधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविका के बिए। बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्षे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में प्रविधा के लिए;

क्ता, संब, उस्त भिविषयम की धारा 269-म के बनुतरण में, में, उस्त भिविषयम की भारा 269-म की छपधारा (1) के क्षतीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, क्षयांत:—

- (1) दि. युनागटेट प्रेमिनसेस सूगर को. लि. (अन्तरक)
- (2) पाइल फाउड शन कन्सट्रक्शन को. प्रा. र्ल. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भारतेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास खिलात में किए जा सकेंगे।

क्ष्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्स श्रिधिनियम, के ग्रष्ट्याय 20-क में परिमाणिट हैं, वही ग्रयं होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिया: मया है।

मनुसूची

बेती जमीन : पी. एसं. बेहला, जि. बौर्विस प्. दो दिशा पन्द्रह छटाक वस स्वयायर फीट, वलील नं. 7230 में पूर्णरूप से वर्णित है।

के. सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्तु (निरौंक्षण) अर्जन रोज-17, कलकत्ता

तारींचः। 5-8-81 मोहरः॥ प्ररूप आईं.टी.एन्.एस.,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 अगस्त 1981

निदांश सं. ए. सी./राज-4/कल/1981—स्त β , सुभ्हे γ

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहा से अधिक है

जिसकी सं 788, 788/266 है तथा जो बहुता, कलकत्ता-60 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डी. अलिपूर, 24-परगणा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-12-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के फ़िए; ब्यॉड/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण जें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नुनिधित स्थितस्यों, अर्थात् श-- (1) श्रीहबुल चन्द्र नुस्कर

(मृन्तुरुक)

(2) श्री मैंसीस बहेला रवीन्द्र नग्र कांबाप्रोटिंब हार्ज्यस्य सोसाइटी

(अन्त[रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कतु सम्पृत्ति के अर्थन के हिंगूए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिक स्विधि में से किसी व्यक्ति द्वाराध
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिका ग्या है।

वृत्यूची

क्षेत्र : 2 वी 11 कठ्ठा, मौजा और थाना-बेहला, कलकत्ता-60 पर दाग नं . 788 एन्ड 788/266 देखिये।

> कै सिंहा सक्षय प्राधिकारी सहायक आयकर वायुक्त (जिरीकार्य) भर्जन रोज, कलकत्ता

तारीख : 7-8-81 मोहर 🛭

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 1st August 1981

No. A. 19011/2/77-Admn.I.—In continuation their office notifications of even number dated 3-8-1977 and 22-7-1980, the Union Public Service Commission have been pleased to continue the appointment of Shri B. R. Patel, IAS, as Secretary of the Commission for a further period of one year w.e.f. 3rd August, 1981 (FN) or until further orders, whichever is earlier.

Y. R. GANDHI Under Secy. (Admn)

for Chairman, Union Public Service Commission.

New Delhi-11, the 23rd July 1981

32014/1/81-Admn.I-The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants of the Cadre of Union Public Service Commission to officiate as Sr. P.A. (Grade B of CSSS) in the same cadre in a purely provisional, temporary and ad-hoc capacity with effect from the dates mentioned below:-

Sl. Name		period	Remarks	
1. P.	S/Shrl P. Sikka P. Deora	3-8-81 to 2-11-81 or until further orders whichever is earlier.	Against 2 posts created by tempo- rarily downgrading posts of private Secretaries.	
3. H.	C. Katoch .	Ъо.	Against resultant chain vacancy	
4, T.	R. Sharma	6-7-81 to 5-9-81 or until further orders whichever is earlier.	Do.	
5. Sh	am Prakash	26-6-81 to 25-8-81 or until further orders whichever is earlier.	Do.	

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) is purely temporary and on ad hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grode B of CSSS or for seniority in that grade. Further, the aforesaid ad hoc appointments are also subject to the approval of the DOP & AR.

The 1st August 1981

No. A. 12024/2/80-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. F. Kujur, IA&AS, as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission with effect from 17-7-1981 until further orders.

Y. R. GANDHI Under Secy. (Admn)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110022, the July 1981

No. F. 11/49/81-Estt(CRPF).—The President is pleased to confirm the following Doctors as Senior Medical Officer in the Central Reserve Police Forme:—

- 1. Dr. K. K. Saini
- 2, Dr. P. C. Dubey
- 3. Dr. (Mrs) P. Kaushal

The 3rd August 1981

No. O. II-1592/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Prakash Chavali as General Duty Officer Grade-II (Dy. SP/Coy Commander) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from 25/7/81 (FN) subject to his being medically fit.

The 7th August 1981

No. O. II-1584/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Tej Singh Vimal as General Duty Officer Grade-II (Deputy Supdt. of Police/Coy Commander) in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from forenoon of 28-7-81 subject to his being medically fit.

No. O. II-1591/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Om prakash Patwari as General Duty Officer Grade-II (Deputy Supdt. of Police/Coy Commander) in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from afternoon of 23rd July, 1981 subject to his being medically fit.

> A. K. SURI Assistant Director (Estt)

DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 2nd July 1981

No. A. 12012/1/80.Admn.—Shri P.K. Dey, Cipher Assistant of Directorate of Coordination (Police Wireless) has been promoted as Extra Assistant Director (Cipher) in Directorate of Coordination (Police Wireless) in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the afternoon of 30th May, 1981, until further orders.

The 27th July 1981

No. A. 12012/1/80-Admn.—Shri A. K. Sen, Technical Supdt. (Cipher) of Directorate of Coordination (Police Wireless) has been promoted as Extra Assistant Director (Cipher) in Directorate of Coordination (Police Wireless) in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- with effect from the forenoon of 4th July, 1981, until further orders.

C. P. JOSHI Director

Police Telecommunications.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 30th July 1981

No. 11/76/79-Admn.J.—Consequent on his appointment as Officer on Special Duty to the Government of Bihar, Shri B. B. Lal relinquished charge of the Office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna with ceffect from the forenoon of the 1st July, 1981.

2. The President is pleased to appoint Shri B. B. Lal. Officer on Special Duty to the Government of Bihar, Patna as Director of Census Operations, Bilar, Patna, in an exofficio capacity with effect from the forenoon of the 1st July, 1981, until further orders.

> P. PADMANABHA Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERALI, UTTAR PRADESH

Allahabad, the 23rd July 1981

No. Admn. I/11-144/Notification/2124.—The Accountant General-I U.P. Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officer in this office until further orders with effect from the dates noted against noted egainst

- 1, Shri Shyam Lai Srivastava-II,-26-6-81 F. N.
- 2. Shri Keshari Narayan Verma.-29-6-81 A N.
- 3. Shri Rajendra Nath Sen Gupta.—1-7-81 F. N.

S. I. S. AHLUWALIA Sr. Dy. Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 31st July 1981

No. Estt. A/VII/9-86/Vol. II/146.—The Accountant General. Kerala is pleased to ante-date the substantive appointments of the following Accounts Officers to 1-4-1979.

- 1. K. Radhakrishna Menon.
- 2, M. K. Sankaranarayanan,

- 3. V. Sreenivasan Potti,
- 4. C. K. Vasappan.

The Accountant General, Kerala is also pleased to appoint the undermentioned officiating Accounts Officers (Audit Accounts) of this office in substantive capacty in the Accounts Officers' grade of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date shown against each:

and date shown against each:-			
 Shri A. N. Janardhanan Pillai 			1-4-1979
2. Shri P. Ramankutty			1-4-1979
3. Smt. K. P. Rajamma			1-4-1979
4. Shri V. S. Parthasarathy			1-4-1979
5. Shri A. Ramaswamy Pillai			1-4-1979
Shri R. Subbaraman ,			1-4-1979
7. Shri M. N. Karunakaran Nair			1-4-1979
8. Shri V. K. Sivaramakrishna Ma	rat		1-4-1979
Shri K. K. Alexander .			1-4-1979
10. Shri K. A. Varghese 7.			1-4-1979
11. Shri S. Ganapathy Iyer			1-4-1979
12. Shri P. N. Balakrishnan Nair	_		1-4-1979
13. Smt. A. R. Yesodhara .			1-10-1979
14. Shri A. Bhaskaran			1-10-1979
15. Shri G. Ramamohana Kurup			12-11-1979
16. Shri K. M. Baby			1-11-1980

D. SIVARAMAKRISHNAN
Senior Deputy Accountant General (Admn

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 1st August 1981

No. Au/Admn/II-5/Vol.III.—The Director of Audit, South Central Railway Secunderabad has been pleased to promote Srf G. V. Subha Rao, officiating Section Officer of this office, to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200. with effect from 21-5-1981 Forencon, until further orders.

Ch. BHASKARA RAO Deputy Director of Audit

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 20th July 1981

No. 27/G/81.—The President is pleased to appoint notionally Shri M.M. Agarwal as:—

- (i) Ofig. DADG/DM w. c. f. 29-03-1969
- (ii) Ofig. Sr. DADG/Asstt. Director/Manager w. e. f. 22-06-76
- 2. Financial effect arising out of above promotion will be admissible w.e.f. 25.09-71 and 31-07-80 i.e. the dates from which he actually assumed charge of higher appointments in the relevant grades.
- 3. This Directorate General Notification No. 47/71/G, dated 25-11-71 and No. 60/G/80, date 29-08-80 relating to the promotion of Shri Agarwal in the grade of DADG/DM and Sr. DADG/Asstt. Director/Manager should be treated as modified to the above extent.

V. K. MEHTA Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE (DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 30th July 1981

No. A-12025(1) /5/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 31st July, 1980 and until further orders Shri Gulapala Parandamaiah as Assistant Director Grade-I (Weaving) in the Weavers' Service Centre, Nagpur.

P. SHANKAR Addl. Development Commissioner for Handlooms

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 3rd August 1981

No. 12(759)/72-Admn(G).—The President is pleased to allow Shri D. R. Goyal, Assistant Director (Grode-I) (Glass/Ceramics), Small Industries Service Institute, Kanpur, to retire voluntary from Government Service with effect from the afternoon of 25th October, 1980, in terms of Rule 48-A of CCS (Pension) Rules, 1972.

C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 5th August 1981

No. A-1/1(1154).—Shri M. J. Tahiliani, permanent Superintendent and officiating Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay retired from Govt. service w.e.f. 30-6-81 (AN) on attaining the age of superannuation.

P. D. SETH
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 29th July 1981

No. 4335 B/A-19012(3-NC)/80-19 B.—Shri Navin Chandra Pant, Assistant Chemist, Geological Survey of India has been released on resignation with effect from 28-3-1981 (AN).

The 31st July 1981

No. 4395B/A-32014(1-Asstt. Geol)/80-19A.—The following Scnior Technical Assistants (Geology), Geological Survey of India are appointed on promotion as Assistant Geologists in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the dates shown against each until further orders.

- 1. Shri Gandharb Singh Manhas-26-5-81 (FN)
- 2. Shri Samarjit Dutta Roy-22-5-81 (FN)
- 3. Shri Ranendra Nath Das-25-5-81 (FN)
- 4. Shri Chand Bhusan Raina-27-5-81 (FN)
- 5. Shri Arun Kr. Jain-26-5-81 (FN)
- 6. Shri Ashwini Kr. Kappor—26-5-81 (FN)
- 7. Shri L. G. Jagannathachar-26-5-81 (FN)
- 8. Shrl Manjunatha—29-5-81 (FN)
- Shri M. A. N. A. Sheriff—26-5-81 (FN)
- 10. Shri Swapan Kr. Bandyopadhyay-8-6-81 (FN)

The 1st August 1981

No. 4430B/A-32014(1-Asstt.Geol.)/81-19A.—The following Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India are appointed on promotion as Assistant Geologists in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity

with effect from the dates shown against each, until further

- Shri T. Triambak Nath—25-5-81 (FN).
 Shri Ramesh S. Patil—26-5-81 (FN).
 Shri Rajesh Kr. Sanwal—26-5-81 (FN).
 Shri Rudra Narayan Pasayat—27-5-81 (FN).
 Smt. Gita Das—25-5-81 (FN).

No. 4453B/A-19012(4-SKT)/78-19B.—On his being permanently absorbed in the Mineral Exploration Corporation Limited, Shri S. K. Thapliyal, Driller resigned from the service in the Geological Survey of India with effect from 31st May 1980 (FN).

The 4th August 1981

No. 4469B/A-19012(OPP)/80/19A.—Shri O. P. Pachori is appointed as Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000 EB 40 1200/- in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 27th June 1981, until further orders.

> V. S. KRISHNASWAMY Director General Geological Survey of India

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagour, the 1st August 1981

No. A.19011(298)/81-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri A. R. Kashav, permanent Administrative Officer to the post of Senior Administrative Officer in an officiating capacity with effect from the forenoon of 6th July 1981.

The 3rd August 1981

No. A-19011(36)/76-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shrl P. M. Rao. Permanent Senior Editor to the post of Chief Editor in the Indian Bureau of Mines on busis with effect from the forenoon of 6th July 1981. ad-hoc

No. A-19012(146)/81-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri M. M. Shambharkar, officiating Senior Technical Assistant (Ore Dressing) is promoted to officiate as Assistant Research Officer (Ore Dressing) in Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 24th June 1981.

> S. V. ALI Head of Office Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 30th July 1981

E1-5745/579-Sel. 74(Cl. II).—The undermentioned ersonnel are appointed to officiatle as officer Surveyor in Group 'B' Service of the Survey of India against the temporary posts in the revised scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810- EB-35-880-40-1000-EB -40-1200 wih effect from the date as noted against each:-

Sl. No.	Name	Appointed with effect from	Remarks
1. Shr	i Chitta Ranjan Biswas	23-3-1981	Pay to be fixed according to rules.
2. Smt	. Shakuntla Jain .	11-2-1981	Pay to be fixed according to rules,
3. Shr	i Tarsem Lal Sharma	9-2-1981	Pay to be fixed at minimum of the scale of pay.
4. Shri	Hari Om Prasad .	12-2-1981	Pay to be fixed at minimum of the scale of pay.

No. C-5746/718-A.—Shri M. S. S. Parte, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office, is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on *ud-hoc* basis in Eastern Circle Office, Survey of India, Calcutta in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—FB—40—1200 with effect from 8th May 1981 (F.N.) vice Shri Ram Lal, Establishment and Accounts Officer trans-

No. C-5747/718-A.—Shri N. Ramaswami, Office Superintendent (Sr. Scale), C.S.T. & M.P., Hyderabad is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on ad-hoc basis in Pilot Map Production Plant, Survey of India, Hyderabad in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 12th January 1981 (FN) vice Shri K. C. Bhattacharjee, Establishment and Accounts Officer, proceeded on commuted leave for 76 days from 8th December 1980.

> K. L. KHOSLA Lieutenant General Surveyor General of India

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 1st August 1981

No. 10/22/64-SIL-Director General, All India Radio is pleased to appoint Shrl Joginder Singh Jogi. Accountant. All India Radio, to officiate as Administrative Officer at All India Radio, Jullundur with effect from 29th June 1981 (FN) until further orders.

> S. V. SESHADRI Deputy Director of Administration for Director General

New Delhi-1, the 10th August 1981

No. 5(12)/69-SL.—The Director General. All India Radio, hereby appoints Shri J. D. Manohar, Transmission Executive, as Programme Executive. All India Radio. Baroda in a temporary capacity on an ad hoc basis with effect from 4th June 1981 and until further orders.

> H. C. JAYAL Dy. Director of Administration for Director General

MINISTRY OF AGRICULTURE DEPARTMENT OF FOOD NATIONAL SUGAR INSTITUTE

Kanpur, the 6th July 1981

No. Estt. 3(1) /67-V.—The following officers are appointed substantively to the permanent post of Junior Technical Officer Manufacturing Chemist Group 'B' gazetted in the scale of Rs. 650—1200/- at the National Sugar Institute, Kanpur from the date mentioned against each name:—

- Shri T. K. P. Agarwal—26-4-1966.
 Shri K. P. Sinha—18-6-1966
 Shri P. N. Ganguli—21-1-1967.

N. A. RAMAIAH Director

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 7th August 1981

No A-19025/15/81-A III - Shri Jav Prakash, Senior Insorder has been armointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Patna, on ad-hoc basis, with effect from 15-7-81 (F.N.) till further orders. No. A.19025/22/81-A.III.—Shri Gurcharan Singh and Smt. Shakuntla Juncja, Senior Inspectors, have been appointed to officiate as Assistant Marketing Officers (Group I) in this Directorate at Abohar, on ad-hoc basis, with effect from 13-7-1981 (A.N.), till further orders.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 31st July 1981

No. PA/34/(2)/80-R-III.—The Controller. Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Kozhikote Radhakrishna Menon, a permanent Assistant Security Officer in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Security Officer in this Research Centre for a period of 2 months or until further orders whichever is earlier on ad-hoc basis with effect from the forenoon of July 1, 1981.

No. PA/34(2)/80-R-III.—The Controller, Bhabba Atomic Research Centre appoints Shri Palasseri Sethumadhavan, a permanent Assistant Security Officer in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Security Officer in this Research Centre for a period of 2 months or until further orders whichever is earlier on ad-hoc basis with effect from the forenoon of June 6, 1981.

A. SANTHAKUMARA MENON Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENFRGY (DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES)

Bombay-400 001, the 6th August 1981

No. DPS/2/1(2)/79-Est/16189.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Meleth Raghavan Menon, a permanent Stores Cofficer (Ad-hoc) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate for the following periods vice Shri G. D. Rathod, Assistant Stores Officer granted leave:—

From June 16, 1980 (FN) to July 19, 1980 (AN). From May 4, 1981 (FN) to June 27, 1981 (AN).

K. P. JOSEPH Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hvderabad-500 762, the 31st July 1981

No. PAR/0704/3876.—Further to this office notification No. PAR/0704/2889, dated 10-6-81, Chief Executive, Nuclear Fuel Complex orders to extend the officiating appointment of Sri S. Raghavendra Rao. Upper Division Clerk. on ad-hoc basis as Asstt. Personnel Officer from 18th June 1981 to 29th June 1981.

No. PAR/0704/3877.—Further to this office notification No. PAR/0704/2784, dated 31st May 1981. Chief Executive. Nuclear Fuel Complex orders to extend the officiating appointment of Sri P. Rajagonalan, Selection Grade Clerk, on ad hoc basis as Assistant Personnel Officer from 30th June 1981 to 18th July 1981.

No. PAR/0704/3878.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex appoints Sri P. Rajagopalan. Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer on ad hoc basis, against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex from 22-7-1981 to 3-8-1981, or until further orders, whichever is earlier.

The 1st August 1981

No. PAR/0702/3882.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex appoints Sri S. S. Chibber, Asstt. Security Officer

to officiate as Security Officer on ad-hoc basis, against existing vacancy in Nuclear Fuel Complex from 1st July 1981 to 14th August 1981, or until further orders, whichever is earlier.

U. VASUDEVA RAO
Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 5th August 1981

No. AMD-1/1/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Pradeep Pandey as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of July 24, 1981 until further orders.

The 6th August 1981

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri V. Vijaya Kumar as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of July 27, 1981 until further orders.

M. S. RAO Sr. Administrative and Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 7th August 1981

Ref. No. 05000/K-135/5116.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Rajanikant Ramchandra Karkhanis, a permanent Upper Division Clerk in the Central Pool of Power Projects Engineering Division and officiating Assistant Accountant in the Narora Atomic Power Project Department of Atomic Energy, to officiate as an Assistant Accounts Officer in Heavy Water Projects (Central Office) of the same Department w.e.f. May 28, 1981 (FN) until further orders.

R. C. KOTIANKAR Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 6th August 1981

No. A.32013/3/80-EC.—The President is pleased to appoint Shri S. Krishnamurthy, Assistant Communication Officer, Aero. Comm. Stn., Vijayawada to the grade of Communication Officer on ad-hoc basis w.e.f. 20-7-1981 (FN) for a period of six months and to post him in the Office of the Regional Director, Bombay Airport, Bombay.

PREM CHAND
Assistant Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 4th August 1981

No. 16/164/68-Ests-I.—On reversion from the post of Statistical Officer, Forest Survey of India, the President, FRI & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Darshan Singh Rawat as Research Officer (Other than Engineering and Statistical) at the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, w.e.f. the forenoon of 11th June 1981, until further orders.

O. N. KAUL Registrar Forest Research Institute and Colleges

CENTRAL CUSTOMS & EXCISE COLLECTORATE

Bombay-400012 , the 31st July 1981

No. 11/3E-6/80—The following Selection Grade Inspectors have on their promotion assumed charge as officiating Superintendents of Central Excise Group 'B' in the Collectorate of Central Excise, Bombay-II with effect from the dates shown against their names.

S. No.	Name	 	 Date of assumption of charge	_ n
1. Shri l	K. B. Kamble		29-5-1981 F.N.	
2. Shri	G.P. Ketkar		22-6-1981 F.N.	
3. Shri	P. R. Kulkarni		22-6-1981 F.N.	

No. II/3E-6/80.—The following Group 'B' Gazetted officers (Administrative officers/Superintendents) in the Collectorate of Central Excise Bombay-II have retired on superannuation in the afternoon of the dates shown aginst their names:—

Sl. No.	Name & Designation	Date of Retirement
1. S	hri J. A. Fernandes, Admn. Officer	31-5-1981
2. S	hri V. G. Dhargalkar, Supcrintendent	30-6-1981
3. S	hri D. B. Bhosale, Superintendent	30-6-1981

F. No. II/3E-6/80.—Shri V. P. Khulge, Superintendent, Central Excise Group 'B' in Bombay-II Central Excise Collectorate has expired on 27th May 1981.

V. K. GUPTA Collector Central Excise: Bombay-II

Madras-1, the 2nd July 1981

CUSTOMS ESTABLISHMENT

No. 6/81.—Shri S. ARUMUGAM, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (Non-Expert) in this Custom House with effect from 29th June 1981 forenoon in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

A. C. SALDANHA Collector of Customs

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 5th August 1981

No. A-19012/920/81-E-V.—Chairman, Central Waeter Commission Hereby appoints the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-E B-35-880-40-1000-E B-40-1200

for a period of six months or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier with effect from the dates noted against their names;—

SI. No.	Name of officer with designation	Date of Where pos assumption of charge as EAD/AE	ted
S	/Shri		
1. A.	K. Ticku, Supervisor	15-7-81 U.T. Dte. (FN)	
2. K.B	.K. Jain, Supervisor	14-7-81 WRU-Π Dtc. (FN)	
3. S.B .	Nagpal, Supervisor	13-7-81 Irrigation Dir (FN) torate.	ec-
4. S. C	C. Gupta (II), Supervisor	13-7-81 NWP Dte. (FN)	
5. Prav	veen Vasishth, Design Assistant	31-3-81 TCD-I Dte. (FN)	•
6. R. C	C. Sharma, Design Assistant	19-6-81 ERDD-I Dte (FN)	

H. L. CHOPRA Under Secy. Central Water Commission.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Andhra Pracharini Limited

Hyderabad, the 4th August 1981

No. 113/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956, that the name of Andbra Pracharini Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of The Andhra Slabs Private Limited

Hyderabad, the 4th August 4981

No. 797/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of The Andhra Slabs Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ramakrishna Agencies Private Limited

Hyderabad, the 4th August 1981

No. 422/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ramakrishna Agencies Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. S. RAJU Registrar of Companies Andhra Pradesh, Hyderabad

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Dinesh Bhatia and Shri Rakesh Bhatia, Aki Kuteer, Hastsal, Uttam Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Sheel Nath 2. Miss Sonya 3. Miss Mona all r/o 60 Hem Kunt, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 25th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-80/1647.—Whereas, I, R.B.L. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

E-61, situated at Panch Sheel Park, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underesigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E-61, Panch Sheel Parkfi New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 25-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 25th July 1981

Ref. No. JAC/Acq-I/CR-III/11-80/1723.—Whereas, I, R.B.L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 55,000/-and bearing

Plot No. 567 Block J, situated at Karol Bagh, New Delhi, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Lajwanti w/o late S. Mohan Singh No. 9, Friends Colony, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Mrs. Saras Khullar w/o Sh. K.K. Khullar 3B/5, Poorvi Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 567, Block J, Abadi Naiwala Karol Bagh, bearing Mpl. No. XVI/2216, measuring 167 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Delhi/New Delhi

Date : 25-7-81 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 25th July 1981

· Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-80/1638.—Whereas, I, R.B.L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 6/37 & 6/37A, situated at New Double Storey, Lajpat Nagar, New Dolhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the . fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Sh. O. N. Chandoke s/o late Dr. Rudra Dutt r/o E-136, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferor)
- (2) S/Sh. Lajpat Anand and Bharat Bhushan Anand ss/o Shri Darshan Lal Anand r/o E-89, Lajpat Nagar-IV, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. built property No. 6/37 and 6/37-A, New Double Storey measuring 124 sq. yd. Lajpat Nagar, New Dolhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Delhi/New Delhi

Date: 25-7-81

Scal:

FORM I.T.N.S.---

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMITAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 1, H BLOCK VIKAS BHAVAN, LP. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 25th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-ΠΙ/11-80/1661.—Whereas, I, R.B.L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 369B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing.

No. D-10, situated at Kalkaji, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer aton Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, a respect of any meome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hira Lal, Sh. Mohan Lal both sons of Shri Kartar Chand r/o K-25-A, Kalkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Lal, Om Parkash, Ashok Kumar, Vijay Kumar, C-86, Kalkaji, New Delhi & Y. P. Narule & Sunil Kumar, C-71-A, Kalkaji, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. D-10, Kalkaji, New Delhi,

R. B. L. AGGARWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Delhi/New Delhi

Date: 25-7-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M.s Leich Raj Chanana & Sons (HUF), B-3/19, Vasant Vihar, New Delhi.

(1) Smt. Lajwanti w/o late S. Mohan Singh, No. 9, Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 25th July 1981

IAC/Acq-I/SR-III/11-80/1726.—Whereas, Ref. No. R.B.L. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 566, Block J, situated at Karol Bagh, New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer..... on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 566, Block J, abadi Naiwala, Karol Bagh bearing Mpl. No. XVI/2215 measuring 167 sq. yd.

> R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Date: 25-7-81

(1) Smt. Lajwanti w/o late S. Mohan Singh, No. 9, Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lekh Raj Channa s/o Ram Ditta Mal r/o B-3/19, Vasant Vihar, New Delhi and others. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, J.P. ESTATE **NEW DELHI**

New Delhi, the 25th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-80/1724.—Whereas, I, R.B.L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 564. Block J. situated at Karol Bagh. New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons numely :--17-216GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 564, Block J, Abadi Naiwala, Karol Bagh, bearing Mpl. No. 16/2213 measuring 222 eq. yd.

> R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Date: 25-7-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 25th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-80/1660.—Whereas, I, R.B.L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C-127, situated at New Rajinder Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Narain s/o Sh. Suraj Narain Saxena r/o C-127, New Rajinder Nagar, New Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Bala w/o Sh. Prem Lal r/o 21/36, Old Rajinder Nagar, New Delhl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property with be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. built property No. C-127, Rajinder Nagar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 25-7-81

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 25th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-80/1725.—Whereas, I, R.B.L. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 565, Block J, situated at Karol Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Lajwanti w/o late S. Mohan Singh No. 9, Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. S.R. Chanana Smt. Shakuntala Devi Sh. Raj Kanwal Chanana Sh. Adosh Chanana & Akash Chanana ss/o Sh. S.R. Chanana of 9A/31, V/EA, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 565, Block J. Abadi Naiwala Karol Bagh, bearing Mplt. No. 16/2214 measuring 167 sq yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 25-7-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 29th July 1981

Ref. No. RAC/. No. 122/81-82.--Whereas, I, GOVINDARAĴAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 4-1-365 situated at Gulbagh Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) (1) Gulam Mohnddin Afzal, S/o Late Abdul Aziz. 17-3-477, Yakutpura, Hyderabad.
 - (2) Smt. Bilquis Arjuman, W/o Gulam Jaffer, 8-3-400, Yellareddyguda, Hyderabad.
 - (3) Ahmed Mohiuddin Sarwar, S/o Late Abdul Aziz, By G.P.A. Smt. Rabia Khatoon W/o Ahmed Mohiuddin,

 - 6-3-421, Himayathnagar Hyderabad.
 (4) Maqbool Begum W/o Mirza Nazir Baig, 8-3-400, Yellareddyguda, Hyderabad.
 (5) Sarwar Pasha Chawni Nade Ali Baig, Hvderabad.
 - (6) Akthar Jahan Begum W/o Late Sharafath Hussein. 15-1-400 Feelkhana, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri K. Narayan Reddy S/o Shri K. Linga Reddy, H. No. 23-1-496, Kotla Alijah, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of premises No. 4-1-365 Gulbagh Hyderabad adjacent to Reddy Hostel with area 225 sq. yds. registered with Sub-Registrar Hyderabad Vide Doc. No. 12103/80.

S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 29-7-1981

Seel:

PORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 29th July 1981

Ref. No. RAC-123/81-82,-Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-365, situated at Gulbagh Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on December 80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) (1) Shri Gulam Mohiuddin Afzal S/o Late Abdul

(2) Smt.

Aziz, 17-3-477, Yakutpura, Hyderabad.

(2) Smt. Bilquis Arjumand W/o Gulam 8-3-400, Yellercddyguda, Hyderabad.

(3) Ahmed Mohiuddin Sarwar S/o Late Abdul Aziz, By G.P.A. Smt. Rabia Khatoom W/o Ahmed Mohinddin, 6-3-421, Himayathnagar Hyderabad.

(4) Maqbool Begum W/o Mirza Nazir Baig. 8-3-400, Yeliareddyguda, Hyderobad.

 (5) Sarwar Pasha W/o Mohd. Maroof Cawni Nade Ali Baig, Hyderabad.
 (6) Akthar Jahan Begum W/o Late Siddiqui,

Sharafath Hussain, 15-1-400 Feelkhana, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri K. Sai Reddy S/o Shri K. Linga Reddy, 4-1-177, Hanuman Tekdi, Hydcrabed.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used hereIn as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land 300 sq. yards and portion in M. No. 4-1-365 at Gulbagh adjacent to Reddy Hostel Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 12104/80.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Acquisition Range, Hyderabad Acquisition Range, Bhoosl.

Date: 29-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 29th July 1981

Ref. No. RAC-124/81-82 - Whereas, I. S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. Portion 4-1-365 situated at Gulbagh Hyderabad,
and more fully described in the Schedule annexed hereto), thus been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on December 80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :-

(1) (1) Gulam Mohiuddin Afzal S/o Late Abdul Aziz

17-3-477, Yakutpura, Hyderabad.
(2) Smt. Bilquis Arjuman W/o Gulam Jaffer 8-3-400, Yellareddyguda, Hyderabad.
(3) Ahmed Mohiuddin Sarwar S/o Late Abdul Aziz, By G.P.A. Smt. Rabia Khatoon W/o. Ahmed Mohiuddin, 6-3-421, Himayathnagar Hyderabad.

(4) Maqbool Begum W/o Mirza Nazir Baig, 8-3-400, Yellareddyguda, Hyderabad.

(5) Sarwar Pasha W/o Mohd. Mar 17-9-342 Chawni Nade Ali Baig, Maroof Siddiqui Hyderabad.

(6) Aktha Jahan Begum W/o Late Sharafth Hussain, 15-1-400 Feelkhana, Hyderabad.

(Transferor) (2) Sri N. Bal Reddy S/o Shri Laxma Reddy, 5-1-557, Troopbazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of premises No. 4-1-365 Gulbagh Hyderabad adjacent to Reddy Hostel with area 200 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 12105/80.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority
> Acquisition Range, Hyderabad
> Acquisition Range,
> Bhopal,

Date: 29-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 29th July 1981

Ref. No. RAC-125/81-82.-Whereas, I, GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 4-1-365 situated at Gulbagh Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on December 80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the followpersons, namely :-

- (1) (1) Gulam Mohiuddin Afzal S/o Late Abdul Aziz
 - 17-3-477, Yakutpura, Hyderabad.
 (2) Smt. Bilquis Arjuman W/o Gulam Jaffer
 8-3-400, Yellareddyguda, Hyderabad.
 (3) Ahmed Mohiuddin Sarwar S/o Late Abdul
 - Aziz, G.P.A. Smt. Rabia Khatoon W/o Ahmed Mohiuddin, 6-3-421. Himayathnagar Hyderabad.
 - (4) Magbool Begum W/o Mirza Nazir Baig, 8-3-400, Yellareddyguda, Hyderabad.
 (5) Sarwar Pasha W/o Mohd. Maroof Siddiqui
 - 17-9-342 Chawni Nade Ali Baig,
 - Hyderabad. Jahan Begum W/o I ate Sharafath (6) Akthar Hussein, 15-1-400 Feelkhana, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) (1) Smt. S. Kalavathi Bai W/o Shri S. Balaji (2) Smt. Kousalya Bai W/o Shri S. Hanumanth Rao
 - 13-2-559, Rahimpura, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of premises No. 4-1-365 Gulbagh Hyderabad adjacent to Reddy Hostel with area 500 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 12106/80.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Acquisition Range, Hyderabad

Date . 29-7-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 29th July 1981

Ret. No. RAC-126/81-82.—Whereas, I. S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,600/- and bearing

No. 4-1-365 situated at Gulbagh Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December 80,

for an apparent consideration which is lessthan the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) (acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) (1) Shri Gulam Mohluddin Afzal S/o Late Abdul

 - Aziz 17-3-477, Yakutpura, Hyderabad.
 (2) Sm. Bilquis Arjunxin W/o Gulam Jaffer 8-3-400, Yellareddyguda, Hyderabad.
 (3) Ahmed Mohinddin Sarwar S/o Late Abdul Aziz, By G.P.A. Smt. Rabia Khatoon W/o Ahmed Mohiuddin, 6-3-421, Himayathnagar Hyderabad.
 - (4) Maqbool Begum W/o Mirza Nazir Baig, 8-3-400, Yellareddyguda, Hyderabad.
 - (5) Sarwar Pasha W/o Mohd. Mai 17-9-342 Chawni Nade Ali Baig, Siddiaui Maroof Hyderabad,
 - (6) Akthar Jahan Begum W/o Late Sharafath Hussoin,

(Transferor)

- 15-1-400 Feelkhana, Hyderabad.
 (2) (1) Shri Prahalad Lokchand Devani S/o Shri Lokchand Chandiram Devani, H. No. 3-6-145/7/A Himayat Nagar, Hyderabad,
 - (2) Smt. Neeta Prahalad Devvani W/o Shri Prahalad Lokchand Devvani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of premises No. 4-1-365 at Gulbagh Hyderabad adjucent to Reddy Hostel Hyderabad with area 288 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 12199/80.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Acquisition Range, Hyderabad

Date: 29-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st July 1981

Ref. No. RAC No. 127/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing House No. 210 situated at Mudfort Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maredpally, Secunderabad on December 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
18—216GI/81

 Miss S. B. Irani Alias Miss Sheroo Irani, 30-60, Crescent Street, New York U.S.A. G.P.A. Mrs. G. Y. Chenoy, 26, Sardar Patel Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Korshed S. Vachha, 26, Sardar Patel Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 210 Mud Fort Secunderabad Cantonment area 254.15 sq. mts. registered with Sub-Registrar Maredpally Secunderabad vide Doc. No. 2771/80.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 31-7-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri K. Chalama Reddy S/o Sri K. Ramchandra Reddy, 16-2-750/1 Malakpet, Hyderabad.

Transferor)

(2) Lt. Col. L. V. Reddy S/o Ramachandra Reddy, 16-2-842/1 Saidabad, Hyderabad.

(Transferee)

SOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 1st August 1981

Ref. No. RAC. No. 128/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open Plot situated at Saidabad, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Azampura on December 80,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Open plot No. 3, Sy. No. 11, Ward No. 16, Block No. 2 at Saidabad M. No. 16-2-842 area 517 sq. yards registered with Sub-Registrar Azampura, Hyderabad vide Doc. No. 3106/80.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 1-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Ramniklal R. Shah S/o Shri Ramji Shah Jain, 3-5-121 Edenbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) (1) Sri Sthanak Vasi Jai Singh, (2) Sri Damodar S/o Raghunath Desai, 3-5-21 Edenbagh, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd August 1981

Ref. No. RAC. 129/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-5-121 situated at Edenbagh Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot under M.C.H. No. 3-5-121 at Edenbagh, Hyderabad area 556 sq. yds. Registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 12187/80.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-8-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd August 1981

Ref. No. RAC. 130/81-82.-Whereas, I. S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing * -7.

No. 16-11-726/A situated at Gaddiannaram, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Azampura on December 80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. M. Amrutha Devi W/o Sri M. Subash, 16-11-646 Gaddiannaram, Hyderabad.

(Transferor) (2) (1) Sri Madichetty Balakrishna S/o Sri M. katesham

(2) Sri Madicheety Bhaskar S/o Sri M. Venkatesham.

(3) Sri Madichetty Ramesh S/o Sri M. Venkatesham. All R/o Siddipet,
Now residing at 15-2-678/1 C/o M/s Jyothi
Trading Co. Kishenguni, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publiction of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house M. No. 16-11-726/A Gaddiannaram Hyderabad area 302.66 sq. yards registered with Sub-Registrar Azampura vide Doc. No. 3216/80.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-8-1981

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 9th July 1981

Ref. L.C. 522/81-82.--Whereas, I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sv.

No. as per schedule situated at Alwaye

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alwaye on 17-12-80 and 18-12-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Elayidathu Sarojini, (for Minor Thulasidas) Thulasi Éhavan. Elankunnapuzha.

(Transferor)

(2) (1) Shri Philip Joseph.
(2) Shri Charli V. Jose,
Valia Veettil House Ward No. XV, Alwaye. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24½ cents of land with a building in Sy. No. 291/9 in Alwaye village, Thottakkattukara.

T. Z. MANI

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ernakulam

Date: 9-7-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 15th July 1981

Ref. L. C. 525/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. $25,000/_{-}$ and bearing

Sy. No. as per scheduled situated at Calicut and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calicut on 24-12-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the seid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) (1) Smt. Kunhilakshmi Amma, (2) Sri Venugopalan, Kavungal, Theatre, Calicut-673002. Near Division

(Transferor)

(2) Shri K. Moideen Haji, Vegitable Merchant, Stall No. 86, Near Vegitable Market, Calicut-673002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10[†] cents of land with a building Calicut.

T. Z. MANI

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ernakulam Date: 15-7-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "Aniiparambil Bldgs.". ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 16th July 1981

Ref. L.C. 524/8-82.-Whereas, I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Calicut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calicut on 28-12-80 and 18-1-81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) (1) Shri Kuyimbil Andru,

(2) Shri Neeliah Moideen Abdul Kader, Karthikappalli Amsom & Desom, P.O. Karthikappally, Via. Villappally, Badagara,

(3) Shri Mudadi Moidu,

Ponmeri Amson (4) Shri Ondath Kunjavulla, Desom. Ponmeri, Badagara.

(Transferor)

(2) Shri Mullali Muhammed Kunhi Haji, Kalliassery, Kannapuram, P.O. Cherukunnu, Cannanore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

304 cents of land with a 2 storeyed building in Chalapuram, Calicut District.

> .. T. Z. MANI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ernakulam

Date: 16-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna, the 4th August 1981

Ref. No. III-502/Acq/81-82.—Whereas, I. HIRDAY NARAIN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Touzi No. 5176, Khata No. 1113, Khesra No. 1536, Thana No. 1 situated at Mouza Digha Mahal Khilchipur, Digha, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 15-12-80,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Rajendra Prasad Gupta S/o Shri Baldeo Prasad At Keshopur Mohanpur Town Jamalpur, P.O. Jamalpur, District Monghyr.
- (2) Shri Narayan Lal Agrawal S/o Shri Manna Lal Agarwal, "Bhopalika Niwas", Boring Canal Road, Patna-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Katha with garden situated at Mouza Digha Mahal Khilchipur Digha, District Patna morefully described in deed No. 8407 dated 15-12-80 registered with D.S.R., Patna.

H. NARAIN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 4-8-81 Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SUONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna, the 4th August 1981

Ref. No. III-503/Acq/81-82.—Whereas, I, HIRDAY NARAIN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Touzi No. 5176, Khata No. 1113, Plot No. 1536, Thane No. 1 situated at Mouza Digha Mahal Khilchipur, Digha, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 15-12-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reisons, namely:—

19--216GI/81

 Shri Rajendra Prasad Gupta S/ Shri Baldeo Prasad At Keshopur Mohanpur Town Jamalpur, P.O. Jamalpur, District Monghyr.

(Transferor)

(2) Shri Mahabir Prasad Agarwal S/o Sri Manna Lal Agarwal, Bhopalika Niwas, Boring Canal Road, Patna-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Kathas with garden situated at Mouza Digha Mahal Khilchipur Digha, District Patna morefully described in deed No. 8408 dated 15-12-80 registered with D.S.R., Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patnä

Date: 4-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA-800 001.

Patna, the 4th August 1981

Ref. No. III-504/Acq/81-82.—Whereas, H. Narain, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Touzi No. 5176, Khata No. 1113, Khesara No. 1536, Thana

Mouza Digha, Mahal Khilchipur, Digha, Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 15-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Prabhawati Devl W/o Shri Rajendra Pd. Gupta At Keshopur Mohanpur, Town Jamalpur, P.O. Jamalpur, Dist. Monghyr.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Gopal Agarwal S/o Sri Manna Lal Agarwal "Bhopalika Niwas", Boring Canal Road, Patna-1.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Katha 10 dhurs with garden situated at Mouza Digha Mahal Khilchipur Digha, District Patna more fully described in deed No. 8406 dated 15-12-80 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 4-8-81.

10371

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, 23rd July 1981

Ref. No. R.R. No. 1143 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G.C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Survey No. 25, situated at Sarodhi, Taluka Valsad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Valsad on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Partner of Dharampur Cement Products; Shri Bhagyandas B. Shah, Shri Dineshchandra B. Shah, 49, Amrapali Society, Karelibag, Baroda.
- (2) King Plastic, Sarodhi Taluka Valsad.

(Transferor)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Sarodhi S. No. 25 duly registered in December, 1980 at Valsad.

G.C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad.

Date: 23-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Royal Plastic Industries, Sarodhi Taluka Valsad.

 Shri Bhagyandas B. Shah, Shri Dineshchandra B. Shah, C/o Dharampur Cement Products;

49, Amrapali Society, Karelibag, Baroda.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, 23rd July 1981

Ref. No. P.R.-1142 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G.C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 25 and 28 situated at Village Sarodhi, Taluka

No. Survey No. 25 and 28 situated at Village Sarodhi, Taluka Valsad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Valsad on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Sarodhi S. No. 25 and 28 duly registered in December, 1980 at Valsad.

G.C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad.

Date: 23-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I.

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, 31st July 1981

Ref. No. P.R. No. 1384 Acq, 23-I/81-82.—Whereas, G.C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Lekh No. 107, dt. 18-2-36 situated at Dr. Yajnik Road, Jagnath (Old) Main Road, Nr. Post Office, Bungalow "Bhavesh alias Rajdoot" at Rajkot

(and more fully described in the Scheduled annxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 5-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

- (1) Shri Bhagwandas Aayaldas Arya; 342, Kalbadevi Road, 1st Floor, Nr. Swadeshi Market, Bombay-400002.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Shardaben Mansukhlal Shetty, C/o Koka Restaurant. Dr. Yagnik Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow named "Bhavesh alias Rajdoot" standing on land adm. 719-3-0 sq. yds. bearing Lekh No. 107 dated 18-2-36, situated at Dr. Yanik Road, (old Jagnath Plot Main Road), Near Post Office, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot, vide sale-deed No. 7011/5-12-80 i.e. property as fully described there in.

> G.C. GARG, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I Ahmedabad.

Date: 31-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, 31st July 1981

Ref. No. P.R. No. 1385 Acq, 23-I/81-82.— Whereas, I, G.C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Ward No. 15, C.S. No. 1011 paiki S. No. 405/20 paiki situated at Plot No. D-2 of Vithal Apartment, Race Course, Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on 20-12 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Vithal Construction Co.
 Through partner Shri Pranlal V. Rajdav & others;
 C/o Vithal Apartments,
 Near Race Course Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Amratben Vasanji Chheda; Flat No. D-2, Vithal Apartments, Race Course Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-2 of 2nd Floor of Vithal Apartments bearing Ward No. 15, C.S. No. 1011 paiki S. No. 405/20 paiki situated at Race Course Road, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 7304/20-12-1980 i.e. property as fully described therein.

G.C. GARG,
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax),
Acquisition Range I,
Ahmedabad.

Date: 31-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001,

Bangalore-560001, the 14th May 1981

Notice No. 338/81-82.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

CTS No. 3942/2, 3492, & 3493/I, situated at College Road, Belgaum

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Belgaum under document number 2996 on 23-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Shri Moreshwar V. Kelkar.
 Shri Shridhar V. Kelkar.
 Khanapur Road, Tilakawadi, Belgaum.

(Trapsforor)

(2) Shri Ramanath Madhav Pai, No. 126, Camp, Belgaum.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2996, dated 23-12-1980)

Land and building known as "Elite Lodge" bearing CTS. No. 3492/2, 3492, and 3493/1 situated at College Road, Belgaum.

R. THOTHATHRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Dated: 14-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore, the 3rd July 1981

C.R. No. 62/29047/80-81/ACQ/B.—Whereas, I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 8, Old No. 11-A, situated at Hutchins Road, Cooke Town, Bangalore-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar Bangalore, Doc. No. 3165/80-81 on 1-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Papammal, No. 10, Doddakatappa Road, Ulsoor Bangalore-8.

(Transferor)

(2) Shri Mohamed Obedulla, No. 242, Narayana Pillal Street, Bangalore-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3165/80-81 dated 1-12-1980]

Premises bearing No. 8, Old No. 11-A, situated at Hutchins Road, Cooke Town, Division No. 49, Bangalore-5, measuring 412.40 square meters with Ground Floor thereon.

Bounded on North by Private property.

South by Private property, East by Hutchins Road. West by Private property.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Dated: 3-7-81

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGAI ORE-560001,

Bangalore-560001, the 7th July 1981

62/29165/80-81/ACQ/B.--Whereas, 1, DR. C.R. No. V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 28/1 & 28/2, situated at Residency Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 3389/80-81 on 17-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair arket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-20-216GI/81.,

- (1) (1) Mr. C. Hayes, (2) Mr. Alfred Hayes (3) Mrs. Fmily Pearce, (4) Miss Ellen Hayes All residing at No. 28/2, Residency Road, Bangalore. (Transferor)
- (2) (1) Mr. J. C. B. Fernandes (2) Mrs. Celiene Fernandes, No. 10, North Road Cooke Town, Bangalore-5.

(3) (1) M/s. Syndicate Bank, No. 28/1, Residency Road, Bangalore. (2) M/s. Vijaya Bank, No. 28/2, Residency Road, Bangalore. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the sac meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3389/80-81 dated 17-12-1980) Property bearing Nos, 28/1 & 28/2 situated at Residency Road, Bangalore-25.

Bounded on :

No. 28/1

(commercial):

North by property No. 28/2 & temple property. South by Enterance & Deepika Hotel. East by Temple property & No. 29.

West by Squadron Leader Krishnan's property.

No. 28/2

(Residential)

East by Temple property.

West by Squadran Leader Krishnan's property. North by Regent Guest House.

South by Property No. 28/1.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Dated: 7-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd July 1981

C.R. No. 62|29166|80-81|Acq|B.—Whereas I, Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

7 (Ground floor) situated at Balaj'layout Wheller Road, Extension, Cooke Town, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaiinagar, Bangalore Document No. 3410|80-81 on 18-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri V. A. Abraham, (2) Dr. (Mrs.) Mariam Abraham both residing at Vadaketh House, Koriannoor Post., Thiruvella, Kerala.

(Transferor)

(2) Shrimathi Alia Cassim, Wo Late Mahmood Cassim, No. 7, First Floor, Balaji Layout, Wheeler Road Extension, Cooke Town, Bangalore-5, (Now residing at address at Sl. No. 2) (2) Sri Asad Cassim Slo. Mahmood Cassim, Flat No. 3, Ind Floor, 'C' Block, Parsu. Gemini Circle, Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serves of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3410/80-81 Dated 18-12-1980)

Ground floor of premises No. 7, situated at Balaji Layout Wheeler Road Extension in Corporation Division No. 49, Cooke Town, Bangalore, Measuring 223 square meters.

Bounded on:

North: by Private property South: by private property East: by Wheeler Road Extension. West: by private property.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 3-7-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd July 1981

C.R. No. 62|29167|80-81|Acq|B.—Whereas, I. Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7 (First floor), situated at Balaji Layout, Wheeler Road Extension, Cooke Town, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Office at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 3411 80-81 on 18-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afiresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri V. A. Abraham, (2) Dr. (Mrs.) Mariam Abraham both residing at Vadaketh House, Koriannoor Post. Thiruvella, Kerala.

(Transferor)

(2) Shrimathi Alia Cassim, wo late Mahmod Cassim, Sri Sayeed Cassim S/o Mohamood Cassim, residing at 1-lat No. 3, II Floor, 'C' Block Parsn Gemini Circle, Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 API 4 NATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3411/80-81 Dated 18-12-1980)
First floor of Premises built on Plot No. 7, situated at Balaji Layout, Wheeler Road Extension, Cooke Tokn in Corporation Division No. 49, Bangalore.
Bounded on:

North by Private property South by Private property East by Wheeler Road Extension West by Private property.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authroity
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 3-7-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001 Bangalore-560001, the 15th July 1981

C.R. No. 62/29464/80-81/ACQ/B.—Whereas, I, Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

14, situated at 19th cross, Malleswaram, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar under Document No. 4724/80-81 on 19-12-1980 for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Mrs. Sharada Venkatesh Iyengar, No. 19, 19th cross, Malleswaram, Bangalore, represented by P.A. Holder Mrs. Janaki Raghunath.
- (2) M/s. Jyothi Builders, No. 27, Journalist colony, Bangalore-560002, represented by its Managing Partner Sri L. P. Jain.

(Transferee)
(3) Dr. C. K. Anand, No. 14, Journalist Colony, Bangalore-560002,

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this monce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4724/80-81 Dated 19-12-1980)
All that property bearing No. 14, 19th cross, Malles-waram, Bangalore.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-7-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalorc-560001, the 15th July 1981

C.R. No. 62|29465|80 81|Acq|B.--Whereas, I Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

15, situated at 19th cross, Malleswaram, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajajinagar Bangalore under document No. 4723 on 19-12-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri N. R. Venkatesh, No. 19, 19th cross, Malleswaram, Bangalore.
- (2) M/s. Pushpa Properties, No. 27, Journalist Colony, Bangalore-560002, Represented by its Managing Partner Shri Pushpa Jain.
- (Transferce) (3) 1. Dr. S. V. Subramaniyam, 2. M. T. Srinivasan, 3. Mr. John Verghese and 4. Mr. S. A. Hakim, No. 15, 19th cross, Malleswaram, Bangalore.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the sac meaning as given in that that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4723/80-81 Dated 19-12-1980) All that property bearing No. 15, 19th cross, Malleswaram, Bangalore.

> DR. V. N. LALITHKUMAR RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 15-7-81. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th July 1981,

C.S. No. 62|29735|80-81|ACQ|B. --Wherens, I, Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

891/14 situated at IIIrd Main, Magadi Road, Chord Road Extension, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sreerampuram, Bangalore, under document No. 4517/80-81 on 9-2-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri P. Lingaiah, S/o Puttalingappa, No. R6, Manasagangothri Qrts., Mysore-6.

 (Transferor)
- (2) Shrimati II. C. Geetha Devi, D/o Late Chenniga Rao, No. 891|14, III Cross Road, Magadi Road, Chord Road Extension, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4517|80-81

Dated 9-2-'81).

All that property bearing No. 891 14, situated at IIIrd Main Road, Magadi Road, Chord Road Extension, Bangalore. Bounded by:—

On North—site No. 890 On South—site No. 892 On East—IIIrd Cross Road. On West—Site No. 870

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date:15-7-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 28th July 1981

C.R. No. 62/28873/80-81/ACQ/B.—Whereas, I, Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Site No. 1668 situated at

Banashankari H Stage, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore, Document No. 4431/80-81

on 27-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Malliga, W/o M. V. A. Thayagam, No. 26/18, Upstairs 1st 'A' Main Road, I 'N' Block, Rajajinagar, Bangalore-560010,

(Transferor)

(2) Smt. S. M. Vineetha W/o Shivasamaiah, Planter, Sullakki Village, Sakaleshpur Taluka, Hassan District.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4431/80-81 Dated 27-11-1980] Vacant site bearing No. 1668, situated at Banashankarl II Stage, Bangalore, measuring 95: \times 60:.

Bounded on— East by site No. 1687 West by Road North by site No 1667 South by site No. 1669

> DR. V. N. LALITHKUMAR RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

Date: 28-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX **ACQUISITION RANGE** BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 25th July 1981 C.R. No. 62/29044/80-81/ACQ/B.—Whereas, J, Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8 (New) situated at Miller's Tank Bund Road, Kaveriappa Layout, Bangalore-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of office the of the Registering Officer at Shivajinagar Bangalore, Doc. No. 3198/80-81 on 3-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Jasbir Bajaj S/o Dalip Singh Bajaj Smt. Basant Kaur Bajaj W/o Dalip Singh Bajaj. Both residing at No. 427/27, 10th Main Rajmahal Vilas Extension, Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. Neluferzeb D/o Mohamed Habibulla Khan and S/o Sri Aurangazeb, Residing at Ratpagiri Road, Chickmagalur District.

(Transferor)

(3) Transferor

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No 3198/80-81 Dated 3-12-1980] Vacant site bearing No. 8 (New) and old No. 3/5, situated at Millers Tank Bund Road, Kaveriappa Layout, 59th Division, Civil Station, Bangalore-52, measuring 490.5 square meters.

Bounded on:

North by Road South by Private property No. 7
East by Millers Tank Bund Road
West by Private property No. 9

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 25th July 1981

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 25th July 1981

C.R. No. 62/29881/80-81/ACQ/B.—Whereas, I, Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3416 situated at 38th Cross, 8th Block,

Jayanagar, Bangalore.

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Jayanagar Bangalore, Doc. No. 6091/80-81 on 7-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

21-216GI/81

1. B. K. Subba Roa and
 2. B. S. Lakshmamma
 (G.P.A. holders to Anasuya S. Rao
 W/o Dr. R. N. S. Rao,
 A.M. College, P.B. No. 2345,
 Prari View Texas, 77445, (USA)
 Residing at No. 6/1, Bull Temple Road,
 Gavipuram Extension, Bangalore-19.

(2) 1 Malathi Seetharam and 2. S. Girish Wife and son of N. V. Scetharam, Naladurga, No. 89, Diagnal Road, Vishweshwarapuram, Bangalore-4. (Transferees)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 6091/80-81 Dated 7-3-1981] House Property bearing No. 34/6, situated at 38th 'B' Cross, 8th Block, Division No. 34, Jayanagar, Bangalore, measuring 40' × 60'. Bounded on:

East by property No. 34/7 West by property No. 34/5 North by property No. 29/4 and 29/5 South by 38th 'A' Cross

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 25th July 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 7th July 1981

Ref. No. Acq/3980-A/KNP/81-82.—Whereas, I, BIBEK BANERJI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 23-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt Hafizan widow of late Shri H Tafiz Nabbu, Mohd. Shafiq and Mohd. Ismail, All r/o 101/129, Beconganj, Kanpur.

(Transferor)

(2) Haji Mohd. Islam, R/o 101/128, Beconganj, Kanpur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 201/129, situated at Beconganj, Kanpur.

BIBEK BANERJI

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range.

Kanpur

Date: 7th July 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Prayag Rai Alias Prayag Narain Mathur, Niwasi Sikar.

(Transferor)

(2) Shri Satya Narain S/o Shri Jamna Dhar Khetan Niwasi Sikar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th July 1981

Ref. No. ————Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House property situated at Sikar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Sikar on 15-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House property situated at Ward No. 5, Sikar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sikar vide No 2280 dated 15-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag
Acquisition Range,
Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to following persons namely:—

Date: 27-7-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prayag Rai Alias Prayag Narain Mathur, Niwasi Sikar.

(Transferor)

(2) Shri Banwari Lal S/o Late Shri Ghisalal Bigdawatka, Niwasi Sikar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th July 1981

Ref. No. — Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House property situated at Sikar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikar on 31-12-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Ward No. 5, Sikar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sikar vide No. 2281 dated 31-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jaipur,

Date: 27-7-81

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ΛCT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX-

ACQUISITION RANGE,

JAIPUR Jaipur, the 27th July 1981 ——Whereas, 1, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Sikar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sikar on 24-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Thakur Umed Singh S/o Late Shri Karan Singh Rajput Niwasi Ward No. 14 (Purana), Dara Ull Mashoor, Chhoti Sihot, Salasar, Near Bus Stand, Sikar (Rajasthan).

('Transferor)

(2) Sikar Cinema Sansthan, Ganesh Ji Ki Gali, Chejaro Ka Mohalla, Sikar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot with houses at Ward No. 14, Sikar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sikar vide his registration No. 2185 dated 24-12-80.

> M. L. CHAUHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date: 27-7-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Sharwan Kumar Bansal S/o Rameshwardas Bansal, Arjun Bhawan, Goutam Marg C-Scheme, Jaipur. (Transferor)

(2) Shri Dharam Pal Gupta S/o Lala Tarachand Gupta, Chokari Gangapole, Jalpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th July 1981

Ref. No. ——Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 74 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 74 situated at Civil Lines Hawa Sarak, Jeewansingh Colony, Keshav Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur, vide registration No 3131 dated 10-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jaipur.

Date: 27-7-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th July 1981

Ref. No. —Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-220°C, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 27-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Major B. Vasudev Rao, s/o Bal Ji Rao, Niwasi 220 D, Bhashker Marg, Bani Park, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Ghanshyam Das Agarwal s/o Shri B. N. Agarwal, Niwasi C-90, Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-220 C at Bhashkar Marg, Bani Park, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide registration No. 3216 dated 27-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 28-7-1981

10392

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th July 1981

Ref. No. .—Whereas I, M. L. CHAUHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

D-220 A, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Japur on 27-11-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 £11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—

- (1) Shri Major B. Vasudev Rao, s/o
 Bal Ji Rao,
 Niwasi 220 D, Bhashkar Marg, Bani Park,
 Jaipur.

 (Transferor)
- (2) Shri Suresh Kumar Agarwal, s/o G. D. Agarwal, Niwasi C-90, Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-220 A Bhashkar Marg, Bani Park, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide his No. 3218 dated 27-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalpur

Date: 28-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th July 1981

Ref. No. .—Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 49, situated at Kota

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kota on 15-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
22—216GI/81

(1) Shri Mangi Lal Lachhav, s/o Shri Kalu Lal Ji, G.P.A. holder Smt. Sukhrani Jain w/o Shri N. C. Jain, Niwasi Prabhu Marg, Tilak Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Bhim Raj Ji, s/o Shri Mahavir Prasad Ji, Niwasi Kota.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Plot No. 49, Shopping Centre, Kota & more fully described in the sale deed registered by S.R., Kota vide his registration No. 2057 dated 15-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 29-7-1981

(1) Rajasthan Bank Limited, Udaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anil Singh Ranawat s/o Shri Raghuvir Singh Ranawat, Niwasi 12 Vivekanand Marg, C-Scheme, Jaiput.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th July 1981

Ref. No. —Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 12, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 18-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12, at Vivekanand Marg, C-Scheme, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide his registration No. 3157 dated 18-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 28-7-1981

(1) The Bank of Rajasthan Limited, Jaipur Hqur, Udaipur.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferor)

(2) Shri Ravindra Singh, 12, Vivekanand Marg, C-Scheme, Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28ht July 1981

Ref. No. .—Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 12, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 31-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 12 at Vivekanand Marg, C-Scheme, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 3352 dated 31-12-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 28-7-1981

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th July 1981

Ref. No. .—Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House Property, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 31-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Col. S. R. Baweja, A-1/45, Panchsheel Enclave, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri J. Bhatnagar, 5 Jaa 16, Jawahar Nagar, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at 5 Jaa 16 Jawahar Nagar, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide registration No. 3298 dated 31-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 28-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jairpur, the 28th July 1981

Ref. No. .—Whereas I, M. L. CIIAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding its. 25,000/- and bearing.

Plot No. 12, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jaipur on 18-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Rajasthan Bank Limited, Udaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Arjun Kanwar, w/o Shri Raghuvir Singh, Niwasi 12, Vivekanand Marg, C-Scheme, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 12, Vivekanand Marg, C-Scheme, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his registration No. 3155 dated 18-12-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 28-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th July 1981

Ref. No. .—Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. D-220B, situated at Jaipur

and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on 27-12-1980

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

- Shri Major B. Vasudev Rao, 8/0 Shri Bala Ji Rao, Niwasi D-220, Bhashkar Marg, Bani Park, Jaipur.
 - (Transferor)
- Shri Girdhari Lal Agurwal, s/o Shri B. N. Agarwal, Niwasi C-90, Bapu Nagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D-220B, Bhasker Marg, Bani Park, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide registration No. 3217 dated 27-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalpur

Date: 27-7-1981

(1) The Bank of Rajasthan Limited, Hors. Udaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Raghuvir Singh, Niwasi 12, Vivekanand Marg, C-Scheme, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th July 1981

Ref. No. .—Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 12, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 18-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 12, Vivekanand Marg, C-Scheme, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 3156 dated 18-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th July 1981

Ref. No.

Whereas, I.

M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 18, situated at Jalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Japur on 31-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sudhir Singhal s/o
 Devaki Nandan Singhal,
 Udhyog Marg, Kota,
 self L. H. Smt. Sheela Devi,
 Shashi Gupta Etc.

(Transferor)

(2) Shrimati Sunita Singhal, w/o Sudhir Singhal, Niwasi 1, Udyog Marg, Industrial Area, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Plot No. 18, at Dhuleshwar Bagh, Jaipur Nagar Chokadi, Hawali Shahar Sardar Patel Marg, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his registration No. 3294 dated 31-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 27-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

•

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE,

3RD FLOOR, SARAF CHEMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 25th May 1981

F. No. IAC. ACQ/174/81.—Whereas I, A. M. KHER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 25,000/- and bearing

Kh. No. 142, Block 266, Ghodpeth, Teh. Warora, Distt. Chandrapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warora on 24-12-1980

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I beteby initiate proceedings for the acquisition of the afformatid property by the lastic of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:——23—216GI/81

(1) Gramodaya Sangh, Bhadrawati, Public Trust, Teh. Warora.

(Transferor)

(2) Kumbhar Rojgar Sahakar Sanstha Ltd. Bhadrawati, Teh. Warora.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kh. No. 142, Block 266, Ghodpeth, Teh. Warora, Distt. Chandrapur.

A. M. KHER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date: 25th May, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd June 1981

Ref. No. G.I.R. No. I./33/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Bhumidhari land No. 215, Khata No. 70, situated at Mauza Majholi, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Moradabad on 10-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prema s/o Sri Kalloo, r/o Mauza Majhola (Majhola) Pargana & Distt. Moradabad.

(Transferor)

(2) M/s Labour Sahkari Avas Samiti Limited, Morada-bad through its,
President: Sri Bijendra Kishoro Bhatnagar,
s/o Sri Jugal Kishore Bhatnagar.
Secretary: Sri Prem Singh, s/o
Sri Ram Gopal Singh.
Resident of Mohalla—Pat-pat-Sarai,
Moradabad.

(Transferees)

(3) Above transferee.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of Bhumidari Land No. 215, Khata No. 70 measuring one acre and 46 decimes or 5908.42 sq. mtrs, situate at Mauza-Majholi, Pargana and Distt. Moradabad and all that description of property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37-G No. 5746 which have duly been registered at the Office of the Sub-Registrar, Moradabad on 10-12-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 2-6-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th July 1981

Ref. No. G.I.R. No. M-123/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing No.

C.K. 22/9

estuated at Mohalla-Kabir Chaura, Jhanda Tale, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 1-12-1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhagwan Das Chela Late Hari Keshwanand.

(Transferor)

(2) Smt. Meera Bhargwa.

(Transferee)

(3) Shri Bhagwan Das (above trensferor)
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. C.K. 22/9, situated at Mohalla-Kabir Chaura, Jhanda Tale, Varanasi and all that description of the property which mentioned in the sale deed and Form 37G No. 12264 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 1-12-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-7-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Bornbay, the 21st July 1981

Ref. No. AR:1/45-18-10/80-81.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25000/- and bearing
No. C.S. No. 1502 of Bhulshwar Division situated at
Vithalwadi

(and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8-12-1980

Document No. Boin, 214/80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration

for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

Salim Mohamed Haji Abdulla.
 Faruk Mohamed Haji Abdulla.
 Sabera Mohamed Haji Abdulla.
 Hamida Mohamed Haji Abdulla.
 Farida Mohamed Haji Abdulla.

(Transferor)

(2) Saeedabano, daughter of Kazi Fakruddin Maulana by her father Kazi Fakruddin M. Husain Maulana. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 214/80 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 8-12-1980.

SUDHAKAR VARMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 21-7-1981

(1) Smt. Sulekha S. Talpade, Sandeep S. Talpade, (Transferor).

(2) M/s. Build Quick.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 28th July 1981

Ref. No. AR.II/3095-9/Dc.80.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. F. Plot No. 13B, new Plot No. 47 situated at VilcParle

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 19-12-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. S-1092/78 with the Sub-registrar, Bombay on 19-12-1980.

SANTOSH DATTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 28-7-1981

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Prakashchandra N. Verma & Satindrakumar N. Verma.

(2) Juhu Sun 'N' Sea Co. op. H.S.

(Transferor)
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY.

Bombay, the 28th July 1981

No. AR.II/3110-24/Dec.80.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Riseme-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Plot No. 33B, TPS. II, C.T.S. No. 3063 situated at Indu Tara Road

(and more fully described in the Schapple annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Sertion 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Cofficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. R-4965/72 with the Sub-registrar, Bombay on 30-12-1980.

SANTOSH DATTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 28-7-1981

Firoze

(West),

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dinar Premises Co. op. Hsg. Soc. Ltd.

(1) Shri Pestonji Hirjibhoy Belgaunwalla, 1.

Station Road Santacruz

Nowroji Daroga, 2. Banoo N. Daroga, the

Apartments.

Bombay-54.

(Transferee)

(Transferor)

Piroj Nowroji Daroga, 3. second vendors-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 4th August 1981

No. AR.II/3118/5/Jan.81.—Whereas, I, SANTOSH DATTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. CTS.4/258, N.A. 171, H. No. 20 situated at Santacruz (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 16-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used, herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. 3-2152/ 78 and registered on 16-1-1981 with the sub-registrar of Bombay.

> SANTOSH DATTA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 4-8-81

Scal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1981

Ref. No. AR II/3091-5/Dec.80.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 25,000/-and bearing

C.S. No. 2008, Mahim situated at Mahim Division (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bandra on 8-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Indira M. Joshi,
 - 2. Madhu M. Joshi,
 - 3. Shaila M. Joshi,
 - 4. Sudha Chandrakant Joshi,

5 Vinaya V. Godsc.

(Transferor)

(2) Mahadeo Ganpat Sali and Sahadeo Ganpat Sali.

(Transferce)

3. Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. 501/1977 and registered on 8-12-1980 with Joint Sub-registrar of Bandra.

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 7th July 1981

Scal ;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st June 1981

Ref. No. 15817.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Inconse-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 829, Mount Road, Madras-2, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 2552/80) on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24--216 GI/81

 M/s. Express Newspapers (P) Ltd., Express Estate, Mount Road, Madras-600 002.

(Transferor)

(2) Mrs. M. S. Gnanasounderi. 11, 2nd floor, 2nd St., III Main Road, CIT Nagar, Madras-35. (Transferce)

(3) Bata India Ltd. Godrej & Boyce, Central Bank of India and 64 tenants.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARTANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 829, Mount Road, Madras-600 002. (Doc. 2552/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 1-6-1981.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-60006

Madras-600 006, the 6th June 1981

Ref. No. 36/December/80-.-Whereas, I, R. RAVICHAN-DRAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. 110 and 110-A, Fast Car Street, situated at Sivakasi (and more ully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer at Sivakasi on 31-12-1980 (Document No. 4953/80) for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property fair market value of the aforesaid property and I have as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the obejet of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri M. I. Narayana Thanthri, S/o Sri Dhasa Thanthri, 54, North Car Street, Sivakasi.

(2) (i) Sri A. P. Arunachalam, S/o Sti K. S. A. Palanichami Nadar and (ii) Smt. A. P. A. Jansirani, W/o Sri A. P. Arunachalam, No. 70, Katha Nadar Street, Sivakasi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 110 and 110-A, East Car Street, Sivakasi-document No. 4953/80).

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006

Dated: 6-6-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 20th June 1981

Ref. No. 61/December/1980.—Whereas, I, R. RAVI-CHANDRAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22, Errabalu Chetty St., situated at G. T., Madras-1 (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at J. S. R. II, Madras North, Madras (Document No. 5000/80) on 15-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. S. M. Abdul Jamcel, No. 17/1, Vepery High Road, Periamet, Madras-3. (Transferor)
- (2) Shri Thulsidasji Bagdi, Partner of M/s Lakshmi Co., No. 22, Errabaloo Chetty Street, G.T., Madras-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 22, Errabalu Chetty Street, G.T., Madras-1-Document No. 5000/80.)

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tux.
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Dated: 20-6-1981

PORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006 Madras-600 006, the 30th July 1981

Ref. No. 16336.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14, 7th Main Road, Kasturba, situated at Nagar, Madras-20

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Madras North (Doc. 5067/80) on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Savithri Krishnamurthi, 162, Luz Church Road, Madras-4. (Transferor)
- (2) Thannimalai Rep. by P. L. Rajeswari, 14, 7th Main Road, Kasturba Nagar, Madras-20, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 14, 7th Main Road, Kasturba Nagar, Madras-20. (Doc. 5067/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 30-7-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 31st July 1981

Ref. No. 13/December/80.--Whereas, I R. RAVI-CHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 122/6, Ammapalayam, situated at Salem Taluk

Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar-III, Salem (Document No. 4619/80) on 15-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- Shri Y. N. Dwaraganathan, S/o Sri Y. P. Narayanan Chettiar, 2nd Agraharam, Salem-2.
- (Transferor) (2) Shii A. R. Balasubramaniam, S/o Sri Ramasamy Gounder, Alagapuram, Salem-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX/2 of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at Ammapalayam village, Salem Tuluk Salemdocument No. 4619/80.)

> R. RAVICHANDRAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 31-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 31st July 1981

Ref. No. 44/December/80.—Whereas, I R. RAVI-CHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 2077-A2 (Ward No. 30), situated at Nagercoil (Tamil Nadu)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

J. S. R. I, Nagercoil (Document No. 4686/80) on 15-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. (1) Smt. K. T. Mariamma, W/o Sri F. D. Chacko, 'Green Villa', Puthenapalli (P.O.) Chavakkad' Taluk, Trichur District (Kerala).
 - (2) Sri P. D. Chacko,
 S/o Devasia Puthur,
 "Green Villa',
 Puthenpalli (P.O.), Chavakkad Tk. Trichur District (Kerala).
 - (3) Sri Antony Puthoor, S/o Devasia Puthur, Nirappu Malai, Keeriparai (P.O.), Kanyakumari Dt.
 - (4) Sri P. D. Abraham, S/o Sri Devasia Puthur, Palapally (P.O.) Varantharapally village, Mukundapuram Tk. Trichur Dt. (Kerala). (Transferor)

 (1) Dr. Cyril Selvaraj, No. 71, Holy Family Street, Ramanputhoor, Nagercoil.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a regricod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used by are defined is Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Land and Building at S. No. 2077-A2 (Ward No. 30), Nagercoil (Tamil Nadu)—document No. 4686/80.]

R. RAVICHANDRAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 31-7-1981.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 31st July 1981

Ref. No. 45/December/80.---Whereas, I R. RAVI-CHANDRAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 2077-A2, (Ward No. 30), situated at Nagercoil (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J. S. R. I, Nagercoil (Document No. 4687/80) on

at J. S. R. I, Nagercoil (Document No. 468//80) of 15-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) (i) Smt. K. T. Mariamma, W/o Sri P. D. Chacko, 'Green Villa' Puthenpalli (P.O.) Chavakkad Taluk, Trichur Dt. (Kerala).
 (ii) Sri P. D. Chacko,
 - S/o Sri Devasia Puthur,
 'Green Villa'
 Puthenpalli (P.O.)

Puthenpalli (P.O.) Chavakkad Taluk, Trichur Dt. (Kerala).

(iii) Sri Antony Puthoor, S/o Sri Devasia Puthur, Nirappu Malai, Keeriparai (P.O.), Kanyakumari Dt.

(iv) Sri P. D. Abraham, S/o Sri Devasia Puthur, Palapally (P.O.), Varaantharapally village, Mukundapuram Tk., Trichur Dt. (Kerala).

 Dr. (Mrs.) Margaret Annabai, W/o Dr. Cyril Selvaraj,
 Holy Family Street, Ramanputhoor, Nagercoil.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Land and Building at S. No. 2077-A2, Nagercoil (Ward No. 30).]

Document No. 4687/80.

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 31-7-1981.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIGNER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/127.—Whereas, I. ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. One plot of land in Beauty Avenue.

situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons. namely:—

 Smt, Indera Devi wd/o Daljit Singh r/o Bazar Mori Ganj through Sh. Rajinder Kumar Sharma r/o Majitha Road, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Smt. Sukhnandan Kaur w/o Gurcharan Singh r/o Garden Reach Calcutta, Rallway colony.

 (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of plot khasra No. 2015/66 min (mossuring 175.6 sq. mtrs.) situated in Beauty Avenue Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2800/I, dated 15-12-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH (IRS).

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,

Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Dated: 5-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th July 1981

Ref. No. ASR/81-82/110.—Whereas, 1 ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

One plot in Basant Avenue, Amritsar

(and more fully described in the Schodule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the requisitio of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—25—216 GI/81

- (1) Sh. Narain Dass Khurana s/o Sh. Bholumal r/o C/282 Janakpuri, New Delhi. (Transferor)
- (2) S Jagjit Singh s/o Attar Singh r/o Katra Karam Singh, tanda Bazar, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Oue plot of land No. 536 (measuring 246.46 sq. mtrs) situated in Basant Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2853/I dated 18-12-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Ameritsar.

Date: 10-7-81.

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th July 1981

Ref. No. ASR/81-82/111.—Whereas, I ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One plot on Rattan Chand Road, Amritsar

situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

SR Amritsar on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to betieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Premwati w/o Sh. Narain Dass r/o Gali Tarkhana, Darbarsahib now Surat Gopipura Qaji Ka Madan Bawa Sidhi.

(Transferor)

- (2) Dr. Ravinder Kumar, Vijay Kumar, Yash Pal, Ashok Kumar ss/o Sh. Madan Lal Arora r/o Chowk Jai Singh H. No. 2682/7 Bazar Ghumlaran, Amritsar.

 (Transfere)
- *(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenants(s) if any. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of Land No. 43 area 586.4 sq. mtrs situated on Rai Bahadur Rattan Chand Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3553/I dated 26-2-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 16-7-81.

Scal :

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1981

Ref. No. ASR/81-82/112.—Whereas, I ANAND SINGH, ISR.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Kucha Tehsildar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income strising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S. Surinder Singh Anand s/o S. Makhan Singh Anand r/o Bazar Basanwala, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Jai Devi w/o Sh. Lila Ram r/o H. No. 2216/6-10 Kucha Tehsildar Bazar Bansawala, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenants(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential House No. 2216/6-10 situated in Kucha Tehsildar Bazar Bansawala, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2882/I dated 22-12-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31-7-81.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1981 Ref. No. ASR/81-82/113.—Whereas, I ANAND SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 25,000/-and bearing No.

One house in Dhab Khatikan situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar in December, 1980 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mohan Lal s/o Sh. Shiv Charan Dass r/o 5, Tailor Road, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Smt. Surasti Devi alias Shanti Devi w/o Sh. Banarsi Dass r/o Saba Mohala Kapurthala now H. No. 1135/10-5 Dhab Khatikan, Gali Gujjran, Amritsar. (Transferees)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 1135/10-5 situated in Dhab Khatikan, Gali Gujjran, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2906/[dated 23-12-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range,

3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 31-7-81,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st July 1981

Ref. No. ASR/81-82/114.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Green Avenue situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on December 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancellment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Prem Lata Bahri w/o Sh. Shiv Kumar Bahri & Sh. Deepak Bahri s/o Sh. Shiv Kumar Bahri r/o Green Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Jaspal Singh s/o Kirpal Singh r/o Green Avenue, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi (Plot No. 123) situated in Green Avenue, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2851/I dated 17-12-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 31-7-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/115.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land at Sultanwind situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kulbir Kaur wd/o Mohan Singh r/o Tung Bala Teh Distt. Amritsar through Harbhajan Singh s/o Bawa Singh r/o Tungbala Teh & Distt. Amritsar (Mukhtar Aam) through Mukhtar Singh.

(Transferor)

(2) Smt. Sawaran Kaur w/o Sh. Beant Singh & Smt. Anant Kaur w/o Joginder Singh r/o Sultanwind Teh & Distt. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated in Sultanwind Teh & Distt. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 8261 dated 31-12-80 of the registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 5-8-81.

Scal:

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR Amritsar, the 5th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/116.---Whereas, I ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One plot of land at Sultanwind situated at Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on December, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chanan Singh s/o Rurgh Singh r/o Majith Mandi, Amritsar.

(Transferor)

(2) Gurgian Kaur d/o Sh. Narinjan Singh r/o Gurdwara Road, Bekaner through Sh. Romesh Kumar s/o Ved Raj, Mata Attar Kaur Road, Sultanwind Suberban, Amritsar.

(Transferee)

*(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenants(s) if any. (Person in occupation of the property)

*(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 557.04 sq. mtrs. khasra No. 552 m is situated in Sultanwind Suberban as mentioned in the sale deed 'No. 7928/dated 27-12-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritan.

Date: 5-8-81.

Soul :

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/117.—Whereas, I ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

One plot of land Bagh Rakha Ram situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on December, 80

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of "-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Kartar Singh s/o Kanya Singh r/o Guru Ram Dass Niwas, Amritsar,
- (2) Smt. Dharam Kaur w/o Lal Singh, r/o Kucha Ghumanda Singh, Amritsar.
- (Transferce)
 (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenants(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garatte.

Explanation:—The terms expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 87.8 sq. mtrs. (Plot No. 137) situated in Bagh Rakba Ram, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2795/I dated 5-12-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 5-8-81.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/118.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One plot of land in Bagh Rakha Ram situated at, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on December, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—216 GI/81

 Smt. Dharam Kaur w/o S. Lal Singh r\$o Gali Ghamanda Singh Chowk Baba Atal, Amritsar.

(Transferor)

- (2) S. Surinder Singh s/o S. Dewan Singh r/o Gali Hira Chaudhary Chowk Karori, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

. Plot of land No. 109 measuring 83.6 sq. mtrs situated in Bagh Rakha Ram I/Side Chatiwind Gate, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2706/I dated 5-12-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 5-8-81.

(Transferor)

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/119.—Wheeras, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Plot of land in Jhite Kalan situated at Teh. ASR No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar in December, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Sh. Dalip Singh s/o Karnail Singh r/o Jhite Kalan Tehsil & Distt. Amritsar.
- (2) Sh. Madan Lal s/o Dwarka Dass karta Madan Lal & Sons (HUF) r/o 31-B Green Avenue, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 2½ kanals situated in Jhite Kalan, Teh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 8202 dated 30-12-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINH, IRS

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 5-8-81.

16427

FORM PTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/120.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Kashmir Avenue Vijay Nagar situated at Amritaar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on December, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Harinder Kaur w/o Sawinder Singh r/o Tehsil Pura, Amritsar.
- (2) Raj Kumar s/o Piara Lal r/o Ajnala Distt. Amritsar now H. No. 56, Kashmir Avenue, Vijay Nagar,

(Transferee)

(Transferor)

(3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

Amritsar.

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imasovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential House No. 56 situated in Kashmir Avenue, Vijay Nagar, Batala Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 7684 dated 18-12-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar,

Date: 5-8-81.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

. Amritsar, the 5th August 1981 Ref. No. ASR/81-82/121.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land Sultanwind Urban situated at Amritsar

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar on December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Kuldip Singh S/o Nanak Singh r/o Gobind Nagar Sultanwind Road, Amritsar.
- (2) Shri Gulzar Singh S/o Kartar Singh r/o Guru Nanakpura Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 4, khasra No. 563 situated in Sultanwind Urban, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2740/I dated 8-12-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 3 Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 5-8-81 Seal: 10429

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/122.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land at Sultanwind Urban

situated at Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Devinder Kumar Sood S/o Sh. Jagdish Parkash Sood r/o Taran Taran Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) S. Pritpal Singh S/o Darshan Singh r/o Majitha Distt. Amritsar.
- (Transferee)
 (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
 - (Person in occupation of the property)
 (4) Any other
 - (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 166.6 sq. yds (No. 28 Khasra No. 652) situated in Sultanwind Urban, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2757/I dated 9-12-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 5-8-81 Seal: NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/123.—Wwhereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. One shop in Ktr. Sher Singh situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on December 1980

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- Shri Surjit Singh s/o Sahib Dyal r/o Joshi Colony Mall Road, Amritsar.
- (Transferor) (2) Shri Rajinder Kumar S/o Jugal Kishore r/o Daya
 - Nand Nagar, Lawrance Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenants if any.
 (i) Jugal Kishore 75/- p.m.
 (ii) Tailor Master 55/- p.m.
 - (ii) Tailor Master 55/- p.m. (iii) The other tenants 52/- p.m.
- (Persons in occupation of the property) (4) Any other
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in property situated in katra Sher Singh as mentioned in the sale deed No. 2659/I dated 2-12-80 of the registering authority, Amritsar.

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 4-8-81 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/124.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One shop in Ktr. Sher Singh Amritsar, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Surjit Singh s/o Sahib Dayal r/o Joshi colony Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Rakesh Kumar s/o Sh. Jugal Kishore r/o Daya Nand Nagar, Lawrance Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenants if any.
 (i) Jugal Kishore 75/- p.m.
 (ii) Tailor Master 55/- p.m.
 (iii) The other tenant 52/- p.m.
- (4) Any other.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in property, situated in katra Sher Singh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2727/I dated 8-12-80 of the registering authority Amritsar.

> ANAND_SINGH (IRS). Connectent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 4-8-81

(Transferee)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/125.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One shop at Ktr. Sher Singh Amritsar situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri S. Surjit Singh s/o Sahib Dayal r/o Joshi colony Mall Road, Amritsar.
- (Transferor) (2) Shri Jugal Kishore s/o Surram Dass r/o Ktr. Sher Singh Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (i) Jugal Kishore 75/- p.m.
 (ii) Tailor master 55/-p.m.
 (iii) An other tenant Rs. 52/-p.m.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in One property, situated in Katra Sher Singh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 666/dated April 81 of the registering authority Amritsar.

> ANAND SINGH (IRS). Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 4-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/126.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One plot of land in Beauty Avenue, Amritsar situated at (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
27—216 GI/81

(1) Smt. Indera Devi wd/o Daljit Singh r/o moriganj through Ravinder Kumar Sharma mukhtar aam khud r/o Majitha Road, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Gurcharan Singh s/o Labh Singh r/o Amritsar & Calcutta Garden Reach Railway colony. Now Amritsar Old Jail Road. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
- (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share in plot of land khasra No. 2015/66 min (measuring 175.6 sq. mtre) situated in Beauty Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2789/I dated 11-12-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH (IRS).

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 5-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st July 1981

Ref. No. ASR/81-82/109.—Whereas, I ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot measuring 320 sq. yds. situated in New State Bank Colony, ASR

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar on December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2690 of the said Ac, to the following persons, namely :--

(1) Shri Durga Dass Vanayak s/o Sh. Lak Pat Rai r/o 255-Race Course Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Harbans Singh Chawla, Harikishan Singh Chawla ss/o Shri Sham Singh, rs/o Bazar Lakkar Mandi, Chowk Dhab Wasti Ram Kanak Mandi, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)

(4), Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by say of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 391 kh. No. 1811/652/10 New State Bank Colony (near Shastri Nagar) Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2809 dated 15-12-80 of the registering authority.

ANAND SINGH, IRS

Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. 3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 1-7-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/128.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One property at Hukam Singh Road, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shankar Datt s/o Sh. Rurha Mal r/o Gali No. 1, Hukam Singh Road, Amritsar.
- (2) Shri Janak Raj s/o Sh. Lal Chand, r/o Bazar Ram Bagh Amritsar, now kothi No. 429/111-12, Gali No. 1, Hukam Singh Road, Amritsar.

(Transferee)

(Transferor)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 429/111-12 situated in Gali No. 1, Hukam Singh Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2808/I dated 15-12-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH (IRS).

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Dated: 4.8-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING. ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd August 1981

Ref. No. ASR/81-82/129.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One property at Cooper Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Jawala Dass & Kishan Lal & Subash Chander ss/o Sh. Jawala Dass r/o Cooper Road, Amritsar.

 (Transferor)
- (2) Smt. Tajinder Kaur, Sh. Surjit Singh r/o Cooper Road, Amritsar.
 (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPDANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share in property situated on Cooper Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3641, dated March, 81, of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 3-8-81

Seal -

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd August 1981

Ref. No. ASR/81-82/130.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property at Cooper Road, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on December, 1980

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Jawala Dass s/o Shri Ram Dass r/o Cooper Road, Amritsar, Kishan Lal & Subash Chander ss/o Jawala Dass, Cooper Road, Amritsar.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Manjit Kaur w/o Sh. Sham Singh r/o Chowk Chirha, Katra Karam Singh, Amritsar.

 (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
- (Person in occupation of the property)
 (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share in property situated on Cooper Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2721/I dated 8-12-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 3-8-81 Seal:

to be interested in the property)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd August 1981

Ref. No. ASR/81-82/131.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property at Cooper Road, situated at Amrisar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on February, 1981

SR Amritsar on February, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jawala Dass s/o Sh. Ram Dass & Kishan Lal Subash Chander ss/o Sh. Jawala Dass r/o Cooper Road, Amritsar.
- (2) Shmt. Tajinder Kaur w/o Sh. Surinder Singh r/o Bazar Chowk Chirha wala Ktr. Karam Singh, Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property 1/3 share situated on Cooper Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3344/I dated 2-2-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 3-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd August 1981

Ref. No. ASR/81-82/132.—Whereas, I ANAND SINGHIRS

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Cooper Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar on February 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Jawala Dass, S/o Ram Dass, Sh. Kishan Lal Subhash Chander S/o Sh. Jawa Dass, r/o Cooper Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Surit Singh S/o Sh. Sham Singh r/o Chowk Chirhawala Gali Raula Wali, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any:
 (Person in occupation of the property)
- (4). Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share in property situated on Cooper Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3497/I dated 20-2-81 of the registering Authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 3-8-81 Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/133.—Whereas, I ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Sirnali Road, Tarn Taran, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Tarn Taran on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kuldip Kaur w/o Dr. Tarlok Singh r/o 480-A Green Avenue Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Davinder Kaur W/o Sawaran Singh r/o Tarn Taran Distt. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) is any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 12/156 & Shop No. 12/157-158-159, situated on Sirhali Road, Tarn Taran, as mentioned in the sale deed No. 4342/dated 17-12-80 of the registering authority, Tarn Taran.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Asstt. Inspecting Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 5-8-81 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/135.-Whereas I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

One property at Sirhali Road, Tarn Taran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Tarn Taran on December, 80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--28-216 GI/81

(1) Dr. Manohar Singh so S. Jodh Singh so Buta Singh ro 480-A Green Avenue, Amritsar,

(Transferor) (2) Sawaran Singh s/o Kundan Singh r/o Tarn Taran Dist., Amritsar.

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any, (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 12|156 shops No. 12|157-158-159 situated on Sirbali Road, Tarn Taran as mentioned in sale deed No. 4378 dated 19-12-80 of the registering authority, Amritsar.

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 5-8-81.

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/135.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property at Sirhali Road, Tarn Taran,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Tarn Taran on December 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Dr. Manohar Singh s|o Shri Jodh Singh r|o 480-A Green Avenue, Amritsar.
- (2) Shri Sawaran Singh s/o Kundan Singh r/o Tarn Taran, Distt, Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any,
- (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 12/156 & shops No. 12/157-158-159 situated on Sirhali Road, Tarn Taran as mentioned in the sale deed No. 4341 dated 17-12-80 of the registering authority, Tarn Taran,

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 5-8-81.

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/136.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One property at Sirhali Road, Tarn Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR Tarn Taran on December, 80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per centof such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kuldip Kaur wdo Dr. Tarlok Singh rlo 480-A. Green Avenue Amritsar through Kapur Singh mukhtar aam.

(Transferor)

- (2) Smt. Davinder Kaur woo Swaran Singh soo Kundan Singh roo Tarntaran, Distt. Amritsar,
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 12/156 (double storey) situated on Sirhali Road, Tarn Taran as mentioned in the sale deed No. 4377 dated 19-12-80 of the registering authority, Tarn Taran.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range.
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 5-8-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th August 1981

Ref. No. A SR/81-82/137.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One property at Sirhali Road, Tarn Taran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Tarn Taran on December 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Manohar Singh slo Sh. Jodh Singh rlo 480-A Green Avenue, Amritsar.
- (2) Sawaran Singh soo Kundan Singh (1/18 share), Davinder Kaur woo Sawaran Singh (1/6th share) roo Tarn Taran.

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 12/156 (double storey) situated in Tarn Taran as mentioned in the sale deed No. 4405/dated 23-12-80 of the registering authority, Tarn Taran.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 5-8-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th August 1981

Rcf. No. ASR/81-82/138.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property in Rani Ka Bagh, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering SR Amritsar, on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Smt. Chand Rani w/o Satnam Ram r/o 92, Rani Ka Bagh, Amritsar.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Harjit Kaur w/o Deepak Mehta, r/o H. No. 834/10, Baran Makan Islamabad, Amritsar. (Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a), by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 92 situated in Rani Ka Bagh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2932 dated 24-12-80 of the registering authority, Amritsar.

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range,
> 3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 5-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/139.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One plot of land in Krishna Square Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jarnail Singh Chahal s/o Shri Bhagwan Singh Chahal r/o Village Kaloke Teh. & Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Devi wd/o Shri Madan Lal, r/o Ram Di Gali, Gopal Nagar Majitha Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 3 (measuring 5000 sq. yds) situated in Krishna Square Batala Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 7159/dated 8-12-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 6-8-1981

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3, CHANDERPURI TYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/140.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B. of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land at Maqbul Road, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Jaswant Singh S/o Bhagwan Singh alias Bhan Singh R/o Nawen Naag Tch. & Distt, Amritsar.

(Transferor)

 Shri Tehal Singh S/o Kirpal Singh R/o Marhi Megha Teh. & Distt. Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 242 sq. meters situated in Abadi Maqbul Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 7834 dated 23-12-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 6-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/141.—Whereas, I,

ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agrl. land in Rakh Jhete, situated at Teh. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fall believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sham Singh s/o Bahadur Singh Mukhtar aam for Santokh Singh Anokh Singh Gurmukh Singh ss/o Harnam Kaur Wd/o Jita alias Jit Singh, Viro alias Vir Kaur d/o Aasa Singh r/o Village Bundala, Tch. Amritsar.
- (2) S/Shri Dalbir Singh, Gurdip Singh, Gurnam Singh ss/o Puran Singh r/o Varyam Nangal Teh. Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 45K 1M banjar kadim & chahl situated in village Rakh Jhite, Teh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 7575/dated 17-12-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date ; 6-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, **AMRITSAR**

Amritsar, the 6th August 1981

Ref No. ASR/81-82/142.--Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One shop in Hira Market, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object $\gamma f :=$

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

29-216 GI/81

(1) Smt. Kamla Rani w/o Kashmiri Lal r/o Haweli Jamadarin, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Wati w/o Rup Lal r/o Ktr. Charat Singh, Amritsar,

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop No. 214 situated in Hira Market Gurur Bajar Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2823/dated 16-12-80 of the registering authority Amritsar.

> ANAND SINGH IRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 6-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/143.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One shop Hira Market, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other tessets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following errors, namely:—

 Shri Amar Nath s/o L. Hari Ram r/o Katra Bagh Singh Kucha Lamba Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmla Wati w/o Shri Krishan Lal, r/o Nimak Mandi, Kali Jhandiwali, Amritsar.

Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall here the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop No. 21 situated in Hira Market, Guru Bazar Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2902/I dated 23-12-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 6-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 28th March 1981

Ref. No. 893/Acq.R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

119, (Flat No. 9 MW) situated at
Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta-29
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 2-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.
 (Transferor)
- (2) Baidya Nath Lahirl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9 MW on 9th floor being premises No. 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016.

Date: 28-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 28th March 1981

Ref. No. 894/Acq.R-III/80-81,—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

119, (Flat No. 9 SE) situated at

119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calutta-29

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 2-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Green View Co-operative Housing Society Ltd.

 (Transferor)
- (2) Bithi Banerjee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9 SE on 9th floor being premises No. 119, Dr Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta,
54, Rafil Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016.

Date: 28-3-1981

(1) E. G. Gonsalves.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Hamida Khatoon.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July 1981

Ref. No. S-585/TR-511/81-82.—Whereas, J, 1. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

38 situated at Circus Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Two storeyed building situated on a land measuring 6K 8Ch. 4 Sq. ft. and 38 Circus Avenue, Calcutta registered vide deed No. I-6897 dated 8-12-80 in the office of Registrar of Assurance, Calcutta,

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Calcutta-700016.

Date: 8-7-81 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 21st July 1981

Ref. No. SI-586|TR-508.80-81.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

49 situated at Lenin Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 5-12-80

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Uma Bala Dasi & Ors.

(Transferor)

(2) Smt. Satadal Bashini Sarbadhikari.

(Transferee)

(3) 1. M/s. Bata India Ltd.

2. M/s. Jay Engineering Works.

3. M/s. Sanjuvally Restaurant,

4. Dr. D. C. Shome.
5. Dr. P. C. Sengupta.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share of four storeyed building of 49, Lenin Sarani Calcutta, having a land of 7ka 6ch. 22sft. registered vide deed No. I-6870 dated 5-12-80 in the Registrar of Assurance.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafii Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016.

Date: 21-7-1981

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 5th August 1981

Ref. No. AC-22/R-II/Cal/81-82.---Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 279 & 279 279/1147.

situated at Mouza and P.S. Behala Dt. 24 Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 20-12-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The United Provinces Sugar Co. Ltd. Calcutta.

(Transferor)

(2) Pile Foundation Construction Co. (India) P. Ltd., Calcutta.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 2 Bighas 15 Cottahs 12 chittaks 10 sq. ft. being portion of Plots Nos. 279 and 179/1147, Mouza and P.S. Behala Dt. 24 Parganas. More particularly described in deed No. I-7230 of R.A. Calcutta of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Calcutta-700016.

Date: 5-8-1981

(1) Sri Habul Chandra Naskar.

(Transferor)

 M/s. Behala Rabindra Nagar Co-operative Housing Society Ltd., Calcutta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th August 1981

Ref. No. AC-23/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag 788, 788/266 situated at Behala, Dist. 24-Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

D.R. Alipore on 22-12-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 2 Bighas 11 Khatahs at Behala Dist. 24-Parganas. Dag Nos. 788, 788/266. More particularly described in deed No. 10250 of D.R. Alipore of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Calcutta.

Dated: 7-8-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 5th August 1981

Ref. No. IAC/CA5/SR. Shrirampur/Dec. 80/524/81-82.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Gat No. 94, situated at Shirasgaon, Tal. Shrirampur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Shrirampur on Dec. 80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of he property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealht-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Jairam Balwant Pawar, At Shirasgaon, Tal. Shrirampur, Dist. Ahmednagar, (Transferor)
- (2) (1) Sou. Pushpalata Govindrao Adik, Sou. Mina Sudhir Kadam, Both residing at Janaki Niwas, 11, Vidya Housing Society, Shrirampur, Dist. Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land bearing Gat No. 94 situated at Shirasgaon, Tal. Shrirampur, Dist. Ahmednagar, admn. 3H-28R.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2073, dt. Dec. 1980 in the office of the Sub-Registrar, Shrirampur).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 5-8-1981

• •	Contract of the Contract of th